THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 88 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.14 2082 मंगलवार, 24 जून-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पश्चिम बंगाल में चार भाजपा विधायक विधानसभा के मौजूदा सत्र से निलंबित

कोलकाता, 23 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के भाजपा विधायकों दीपक बर्मन, शंकर घोष, अग्निमित्रा पॉल और मनोज ओरांव को विधानसभा के मौजूदा सत्र से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने चार भाजपा विधायकों को सदन से निलंबित करने का फैसला सुनाया। दरअसल, सदन में पहले की गई कुछ टिप्पणियों को हटाने पर चल रही चर्चा के दौरान विधायकों ने विरोध किया और नारे लगाए थे। इस वजह से उन पर कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के बाद भाजपा विधायकों ने सदन के बाहर मोर्चा खोल दिया।

ईरान के समर्थन में खुलकर आया रूस

> तेहरान को देंगे हरसंभव मदद, पुतिन ने अमेरिकी हमलों की निंदा की

मॉस्को, 23 जून (एजेंसियां)। इस्राइल और ईरान के बीच 10 दिनों से चल रहे संघर्ष के चलते आज दुनिया में तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बढ़ गया है। वहीं ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद रूस ने सोमवार को ईरान को हरसंभव मदद देने का वादा किया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बढ़ते तनाव के बीच सोमवार रूस ने कहा है कि वह ईरान को हर तरह की मदद देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ईरान को किस तरह की मदद चाहिए, यह फैसला तेहरान को करना है। पेसकोव ने कहा कि हमने ईरान को मध्यस्थता की पेशकश की है। यह हमारी तरफ से एक ठोस मदद है। ईरान को जो भी जरूरत होगी, हम उसके अनुसार मदद करने को तैयार हैं।

तनाव के बीच रूस ने साफ किया अपना पक्ष :

रूस ने ईरान और इस्राइल के बीच चल रहे तनाव को लेकर भी अपना पक्ष साफ किया है। पेसकोव ने कहा कि रूस का यह रुख भी ईरान के लिए समर्थन का एक अहम तरीका है। उन्होंने कहा कि हमने इस मुद्दे पर खुलकर अपना पक्ष दुनिया के सामने रखा है। यह भी ईरान के प्रति हमारे समर्थन का संकेत है।

पेसकोव ने यह भी बताया कि हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बातचीत में ईरान का मुद्दा कई बार उठा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन और ट्रंप की हाल की बातचीत में ईरान का जिक्र कई बार हुआ है।

पुतिन ने की अमेरिकी हमलों की निंदा :

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हुए अमेरिकी हमलों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोमवार को मॉस्को में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात के दौरान इन हमलों को बेवजह बताया। पुतिन ने कहा कि आप ऐसे समय रूस आए हैं जब आपके देश और पूरे क्षेत्र में हालात काफी तनावपूर्ण हैं। उन्होंने अमेरिकी हमलों को गलत ठहराते हुए कहा कि रूस ईरानी जनता की हर संभवमदद करने की कोशिश कर रहा है।

पुतिन ने ईरानी लोगों की मदद का किया वादा :

पुतिन ने आगे कहा कि हम ईरानी लोगों की मदद के लिए अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरानी विदेश मंत्री के साथ यह मुलाकात मौजूदा हालात पर गंभीर चर्चा का मौका देगी और दोनों देश मिलकर समाधान का रास्ता निकाल सकते हैं।

बता दें कि, पुतिन का यह बयान उस समय आया है जब इस्राइल और ईरान के बीच शुरू हुआ तनाव आज वैश्विक खतरा बनने के कगार पर है। कारण है कि रविवार को अमेरिका ने भी ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमला कर उसे तबाह कर दिया। जिसके चलते पूरे पश्चिम एशिया में अशांति का माहौल है।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने पुतिन से मदद मांगी

तेहरान/तेल अवीव, 23 जून (एजेंसियां)। इजराइल से जंग के बीच ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मदद मांगी है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची मॉस्को में पुतिन से मिलने गए हैं।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, अराकची पुतिन को खामेनेई का एक लेटर देने वाले हैं, जिसमें पुतिन से समर्थन मांगा गया है। ईरान अभी तक रूस के समर्थन से खुश नहीं है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि ईरान रूस से किस तरह की मदद चाहता है।

इधर, इजराइली सेना ने सोमवार को तेहरान में ईरानी सेना की यूनिट इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े ठिकानों पर हमले किए। इजराइल ने इन हमलों में सैकड़ों सैनिकों के मारे जाने का दावा किया है। सेना ने एविन जेल, इजराइल डिस्ट्रक्शन घड़ी, आईआरजीसी के बासिज फोर्स के हेडक्वार्टर और इंटरनल सिक्योरिटी हेडक्वार्टर को टारगेट किया था।

पहलगाम हमला-गिरफ्तार आरोपियों ने एक आतंकी पहचाना

कश्मीर पुलिस ने इसका स्केच-फोटो जारी नहीं किया था, कल दो मददगार अरेस्ट हुए थे

श्रीनगर, 23 जून (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के तीन आतंकियों में से एक की पहचान हो गई है। रविवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की गिरफ्त में आए दो आरोपियों ने बताया है कि हमला करने वाले तीन आतंकियों में से एक का नाम सुलेमान शाह है। बाकी दो पाकिस्तानी आतंकियों के नामों का खुलासा फिलहाल नहीं किया गया है।

सुलेमान भी उसी आतंकी नेटवर्क का हिस्सा है, जिसमें वे आतंकी शामिल थे, जिनकी तस्वीर पहलगाम हमले के बाद सामने आई थी। इन आतंकियों में हाशिम मूसा, तल्हा भाई और जुनैद थे। हालांकि जुनैद पिछले साल ही एनकाउंटर में मार दिया गया था। जुनैद के मोबाइल फोन में ही इन आतंकियों के फोटो मिले थे। उस फोटो में सुलेमान शाह की फोटो भी है, जिसे कई पीड़ित परिवारों ने पहचान भी लिया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों को रिमांड में लेगी पुलिस :

पहलगाम हमले के दो महीने बाद रविवार को नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया था। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ है कि इन दोनों ने हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को पनाह दी थी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार हैं। पूछताछ में दोनों ने आतंकियों की पहचान बताई और यह भी पुष्टि की कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े हुए थे। एनआईए के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमले से पहले इन तीनों आतंकियों को हिल पार्क स्थित एक अस्थायी ढोक (झोपड़ी) में जानबूझकर ठहराया था।

जमानत की शर्तें सख्त होना उचित नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत की शर्तों को लेकर अहम टिप्पणी की है। इसके तहत कोर्ट ने कहा कि जमानत देते समय बहुत सख्त और बोझिल शर्तें नहीं लगाई जानी चाहिए, क्योंकि बहुत ज्यादा सख्त जमानत, जमानत नहीं मानी जाती है। लेकिन ऐसी शर्तों को पूरी तरह गलत ठहराना भी सही नहीं होगा, क्योंकि यह हर मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर निर्भर करता है। मामले में न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह टिप्पणी एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की, जब एक व्यक्ति ने मद्रास हाईकोर्ट द्वारा लगाई गई जमानत की शर्तों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। बता दें कि ये मामला एक कारोबारी से जुड़ा है, जिस पर जीएसटी कानून के तहत 13.73 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का आरोप है।

उसे 27 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दी थी। इसके बाद 8 मई को हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान उसके वकील ने बताया कि उसने पहले ही 2.86 करोड़ रुपये जमा कर दिए हैं और वह किसी भी कड़ी शर्त का पालन करने को तैयार है। वकील ने यह भी कहा कि वह जमानत मिलने के 10 दिन के भीतर 2.50 करोड़ रुपये और जमा कर देगा।

इंडिगो के 3 अफसरों पर एससी-एसटी एक्ट का केस

गुरुग्राम, 23 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम में इंडिगो एअरलाइंस के एक ट्रेनी पायलट ने फ्लाइट के कैप्टन समेत 3 लोगों पर एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। ट्रेनी पायलट ने आरोप लगाया कि उसे भरी मीटिंग में बेइज्जत कर जातिसूचक शब्द कहे गए। जातिसूचक शब्द के साथ कहा गया- यू आर नॉट फिट टू फ्लाई, यू गो बैक एंड स्टिच द स्लीपर्स (तुम प्लेन उड़ाने के काबिल नहीं हो, वापस जाओ और चप्पलें सिलो)। गुरुग्राम में मीटिंग के बाद ट्रेनी पायलट ने बेंगलुरू में अपने साथ हुई घटना की पुलिस से शिकायत की। कर्नाटक पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर गुरुग्राम भेजी है। इसके बाद गुरुग्राम के डीएलएफ फेज-1 थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि, एअरलाइंस ने इन आरोपों को झूठा बताया है। साथ ही कानूनी कार्रवाई में सहयोग करने की भी बात कही है।

आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन पर एफआईआर

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ हिट एंड रन मामले में एफआईआर दर्ज हो गई है। यह जानकारी गुंटूर जिले के एसपी एस सतीश कुमार ने रविवार देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

एसपी ने बताया कि पूर्व सीएम की कार ने 5 दिन पहले रोड शो के दौरान 53 साल के व्यक्ति को कुचल दिया था। अस्पताल ले जाते वक्त उनकी मौत हो गई। मृतक का नाम चीली सिंघैया है। वह जगन की पार्टी वाईएसआरसीपी के कार्यकर्ता थे। वीडियो सामने आने के बाद कार्रवाई हुई। घटना 18 जून की है। जगन पालनाडु जिले के रेंटापल्ला गांव में पार्टी के एक कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रहे थे। कार्यकर्ता ने पिछले साल पुलिस प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या कर ली थी। जगन मोहन उसी के समर्थन में रोड शो कर रहे थे। जब काफिला एतुकुरु बाइपास से गुजर रहा था, तब यह हादसा हुआ। एसपी सतीश कुमार ने 18 जून की शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि सिंघैया काफिले पर फूल फेंकते समय गिर गए और गाड़ी की चपेट में आ गए। गाड़ियां बिना रुके आगे बढ़ गईं। हाईवे पेट्रोलिंग पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

5 विधानसभा उपचुनाव के परिणाम

गुजरात के विसावदर, पंजाब के लुधियाना में आप जीती

गांधीनगर, 23 जून (एजेंसियां)। चार राज्यों की 5 विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव का रिजल्ट आ चुका है। गुजरात की कडी सीट से भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र चावड़ा जीते। उन्होंने कांग्रेस के रमेश चावड़ा को हराया। विसावदर पर आप के गोपाल इटालिया जीते। भाजपा के कीर्ति पटेल दूसरे नंबर पर रहे।

केरल में यूडीएफ उम्मीदवार कांग्रेस के आर्यदन शौकत को जीत मिली। उन्होंने सीपीआईएम के एम. स्वराज को हराया। पंजाब की लुधियाना वेस्ट आप के खाते में आई, यहां संजीव अरोड़ा जीते। कांग्रेस के भारत भूषण आसु दूसरे नंबर पर रहे। पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट पर टीएमसी प्रत्याशी अलिफा अहमद जीतीं। उन्होंने भाजपा के आशीष घोष को हराया। वहीं, कालीगंज सीट के लिए जारी काउंटिंग के बीच कृष्णानगर थाना क्षेत्र के बाराचंदगर इलाके में एक विस्फोट हुआ। घटना में 9 साल की बच्ची की मौत हो गई।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने दिया इस्तीफा

अहमदाबाद, 23 जून (एजेंसियां)। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने सोमवार को कडी और विसावदर विधानसभा क्षेत्रों में हुए उपचुनावों में पार्टी उम्मीदवारों की हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता गोपाल इटालिया ने विसावदर सीट जीती, जबकि भाजपा के राजेंद्र चावड़ा ने कडी निर्वाचन क्षेत्र जीता। दोनों विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस के उम्मीदवारों का निराशाजनक प्रदर्शन रहा है। शक्तिसिंह गोहिल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, चूंकि उपचुनाव के नतीजे हमारी उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहे हैं, इसलिए मैंने पार्टी की हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। मैंने अपना इस्तीफा पहले ही हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेज दिया है।

'विपक्ष को नीचा दिखाने की कोशिश जनता नहीं करेगी बर्दाश्त'

पीएम मोदी पर खड़गे ने साधा निशाना

रायचूर, 23 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पीएम पर विपक्ष को हल्के में लेने और पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुई सर्वदलीय बैठकों से दूरी बनाए रखने का आरोप लगाया। कर्नाटक के रायचूर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि देश इस समय एक कठिन दौर से गुजर रहा है। उन्होंने बताया, हाल ही में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 लोगों की जान ले ली। इसके जवाब में भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर हमला कर उन्हें मार गिराया।

खड़गे ने बिना नाम लिया साधा निशाना :

इस दौरान खरगे ने कहा कि जब पूरा देश और सेना एकजुट होकर देश की रक्षा कर रहे थे, तब कुछ लोग इसका व्यक्तिगत श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, अगर वे सेना में कप्तान, कर्नल या लेफ्टिनेंट कर्नल रहे होते और देश के लिए लड़े होते, तो हम उनकी तारीफ करते। लेकिन ऐसा तो हुआ ही नहीं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद सर्वदलीय बैठक की सबसे पहले मांग कांग्रेस ने की थी। खड़गे ने सवाल उठाया कि, दो बार बैठक बुलाई गई, लेकिन प्रधानमंत्री एक बार भी नहीं आए। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि वह क्यों नहीं आए? उन्होंने बताया कि देशभर के नेता कश्मीर से कन्याकुमारी तक अपनी व्यस्तताएं छोड़कर बैठक में शामिल हुए, लेकिन प्रधानमंत्री देश में मौजूद होने के बावजूद नहीं आए।

पीएम मोदी बिहार चुनाव प्रचार में व्यस्त थे :

खड़गे ने कहा, वह उस समय बिहार चुनाव प्रचार में व्यस्त थे। जब देश के जवान और जनता एक तरफ लड़ाई लड़ रहे थे, तब प्रधानमंत्री दूसरी तरफ प्रचार में लगे थे। यह सही नहीं है। इसके साथ ही खड़गे ने चेतावनी दी कि अगर सरकार विपक्ष को नीचा दिखाने की कोशिश करेगी, तो देश की जनता, खासकर युवा वर्ग इसे सहन नहीं करेगा। उन्होंने कहा, अगर आप विपक्ष और उसके नेताओं को छोटा समझेंगे, तो यह रवैया देश के लिए ठीक नहीं है।

कांग्रेस की गारंटियां देशभर में लागू हैं :

खड़गे ने यह भी कहा कि कांग्रेस की गारंटी योजना एं देशभर में प्रभावी रूप से लागू हो रही हैं। उन्होंने कहा, कुछ नेता और राजनीतिक पार्टियां जलन के कारण हमारी योजनाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन जनता समझदार है, वे इनकी बातों में नहीं आएंगे।

खड़गे के साथ मंच पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, कांग्रेस मंत्री और विधायक भी मौजूद थे। इस मौके पर उन्होंने रायचूर विश्वविद्यालय के नामकरण समारोह में भी हिस्सा लिया और कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

कांग्रेस विधायक कागे ने दी विधानसभा से इस्तीफे की धमकी

> सरकारी कामों में देरी का लगाया आरोप

बेलगावी (कर्नाटक), 23 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के कागवाड़ से कांग्रेस के विधायक भरमगौड़ा अलगौड़ा कागे ने सोमवार को कहा कि वह विधानसभा से इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में प्रशासनिक ढांचा बिगड़ गया है। बेलगावी में पत्रकारों से बात करते हुए कागे ने अपने क्षेत्र में विकास कार्यों में देरी पर नाराजगी जताई।

कागे ने आरोप लगाया, पूरे राज्य का प्रशासन ठप हो गया है। मुझ बहुत दुख हुआ है। मैं गंभीरता से इस्तीफे पर विचार कर रहा हूं। अगर अगले दो दिनों में मैं मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को इस्तीफा दे दूं तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। विधायक ने दावा किया कि उनके क्षेत्र कागवाड़ में पिछले दो वर्षों से कोई भी विकास कार्य नहीं हुआ है।

9000 हॉर्स पावर वाले लोकोमोटिव इंजन प्लांट पर कांग्रेस ने उठाया सवाल

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के नेता एवं पूर्व लोकसभा सांसद ब्रिजेन्द्र सिंह ने गुजरात के दाहोद में 9,000 हॉर्स पावर वाले लोकोमोटिव इंजन के प्लांट पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने सोमवार को कांग्रेस हेडक्वार्टर में आयोजित एक प्रेसवार्ता में कहा, यह प्लांट, सीमेंस के साथ एक समझौते के तहत बनाया गया है। इसमें सिमंस के साथ जो कॉन्ट्रैक्ट हुआ है, वह करीब 26,000 करोड़ रुपये का है।

इसे डॉलर टर्म्स में कहें तो 3.2 बिलियन डॉलर्स का है। इसकी मियाद करीब 11 साल की है। इसमें 1,200 यूनिट्स लोकोमोटिव इंजन का निर्माण किया जाएगा। ब्रिजेन्द्र सिंह ने कहा, यहां पर 26,000 करोड़ रुपये में लोकोमोटिव इंजन की मैन्युफैक्चरिंग होगी या सिर्फ असेंबली। जो मैन्युफैक्चरिंग ऑफ क्रिटिकल पार्ट्स हैं, वे सीमेंस की अपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में तैयार होंगे, उनकी अपनी फैक्ट्रीज में होंगे। बतौर कांग्रेस नेता ब्रिजेंद्र सिंह, गत 26 मई को प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के दाहोद में 9,000 हॉर्स पावर का लोकोमोटिव इंजन के प्लांट का उद्घाटन किया था। यह प्लांट, सीमेंस के साथ एक समझौते के तहत बनाया गया है। कांग्रेस पार्टी को इस करार के बारे में और इस प्रोजेक्ट के बारे में कुछ चिंताएं हैं।

राजनाथ सिंह बोले-ऑपरेशन सिंदूर ने सभी लक्ष्य पूरे किए

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने अपने सभी लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरे किए हैं और यह मिशन आतंकवादियों के मन में डर पैदा करने में पूरी तरह सफल रहा है। राजनाथ सिंह राष्ट्रपति भवन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दूसरे कार्यकाल के दौरान दिए गए 51 प्रमुख भाषणों के संकलन 'विंग्स टू आवर होप्स- वॉल्यूम 2' का विमोचन किया।

रक्षा मंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की प्रशंसा की :

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक न केवल भाषणों का संग्रह है, बल्कि यह भारत के भविष्य को दिशा देने वाला एक महत्वपूर्ण दस्तावेज भी है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक देश की शासन प्रणाली, समावेशिता और राष्ट्रीय आकांक्षाओं पर आधारित विमर्श को दर्शाती है। राजनाथ सिंह ने अपने भाषण में 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी उल्लेख किया, जिसे भारत ने मई महीने में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में अंजाम दिया था। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल अपने सारे सैन्य उद्देश्य हासिल किए, बल्कि आतंकवादियों के मन में डर भी भर दिया। उन्होंने इसे भारत की निर्णायक और प्रभावशाली सैन्य नीति का उदाहरण बताया। इस मौके पर कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य अतिथि मौजूद थे। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और इस तरह की कार्रवाइयों के जरिए दुनिया को यह संदेश दे दिया गया है।

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच हालात बिगड़े और दो दशक बाद चरम पर पहुंच गए। वहीं पाकिस्तान की तरफ से भारत के शहरों को निशाना बनाए जाने के बाद, भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने सभी को नाकाम करते हुए उसका माकूल जवाब दिया।

'पीएम मोदी की वैश्विक सक्रियता भारत की प्रमुख ताकत'

> फिर प्रधानमंत्री की तारीफ में थरूर ने पढ़े कसीदे

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक स्तर पर भूमिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी ऊर्जा, सक्रियता और संवाद करने की इच्छाशक्ति भारत के लिए एक प्रमुख संपत्ति है। हालांकि शशि थरूर की ये टिप्पणी कांग्रेस पार्टी की आधिकारिक लाइन से मेल नहीं खाती, जो लगातार मोदी सरकार की विदेश नीति की आलोचना कर रही है। कांग्रेस नेता का यह लेख एक समाचार पत्र में प्रकाशित हुआ है, जिसमें उन्होंने हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की कूटनीतिक पहल को 'राष्ट्रीय संकल्प और प्रभावी संप्रेषण' का उदाहरण बताया।

थरूर ने क्या कहा :

शशि थरूर ने अपने लेख में लिखा, प्रधानमंत्री मोदी की ऊर्जा, सक्रियता और वैश्विक स्तर पर संवाद की तत्परता भारत की एक बड़ी ताकत है, जिसे और अधिक समर्थन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले और उसके जवाब में शुरू हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की कूटनीतिक सक्रियता ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत किया। कांग्रेस नेता ने बताया कि उन्होंने एक सात सदस्यीय बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसने अमेरिका समेत गयाना, पनामा, कोलंबिया और ब्राजील जैसे देशों की यात्रा की। इन दौरों का उद्देश्य था दुनिया को यह समझाना कि भारत का हमला आतंकवाद के खिलाफ एक आत्मरक्षा का कदम था, न कि किसी राष्ट्र के खिलाफ युद्ध। उन्होंने कहा, हमारी एकजुटता ने दुनिया के सामने एक मजबूत संदेश दिया कि भारत आतंकवाद के मुद्दे पर एक स्वर में बोलता है, चाहे अंदरूनी राजनीति में कितने भी मतभेद हों।

कोलंबिया का समर्थन, अमेरिका से भी सहमति :

शशि थरूर ने दावा किया कि भारत की कूटनीति की सफलता इस बात से साबित होती है कि कोलंबिया ने अपने पहले दिए गए बयान (जिसमें पाकिस्तान में नागरिक मौतों पर संवेदना जताई गई थी) को वापस लेकर भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका में भी भारतीय पक्ष को सहानुभूति मिली, जबकि वहां पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद था। अमेरिकी अधिकारियों ने भारत के इस दृष्टिकोण का समर्थन किया कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम में गिरफ्तार हुए 97 देश विरोधी

> सीएम हिमंता बिस्व सरमा का बयान

गुवाहाटी, 23 जून (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने बताया कि राज्य में अलग-अलग जगहों से दो हिंदू विरोधियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ राज्य में पहलगाम आतंकी हमले के बाद राज्य में गिरफ्तार किए गए देश विरोधियों का आंकड़ा 97 हो गया है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक तिनसुकिया और दूसरा नागांव जिले से पकड़ा गया है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने लिखा कि 'हिंदू विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। 97 देश विरोधी और हिंदू विरोधी अब तक जेल के सलाखों के पीछे जा चुके हैं।' सीएम ने बताया कि तिनसुकिया से गिरफ्तार आरोपी ने सोशल मीडिया पर हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। वहीं नागांव से गिरफ्तार आरोपी ने भगवान राम के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। इससे पहले एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया था। एआईयूडीएफ विधायक पर आरोप है कि उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान का बचाव किया था।

एआईयूडीएफ विधायक के खिलाफ भी कार्रवाई

अमीनुल इस्लाम को इस मामले में जमानत मिल गई थी, लेकिन जमानत पर रिहा होने के बाद उन्हें फिर से राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। बीती 2 मई को सीएम ने धमकी दी थी कि जो भी असम में पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाएगा, उसकी टांगें तोड़ दी जाएंगी। हाल ही में पंचायत चुनाव के लिए प्रचार के दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम ने लोगों से अपील की थी कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेना के लिए दुआएं करें ताकि पाकिस्तानी आतंकवाद की टांग तोड़ी जा सके। बीती 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की आतंकियों ने हत्या कर दी थी। इस हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था और भारत ने मई की शुरुआत में कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। भारत की कार्रवाई से बौखलाए पाकिस्तान ने भारत के शहरों पर हमले की नाकाम कोशिश की थी। हालांकि भारत के आगे उसकी एक न चली। आखिरकार 10 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का एलान हो गया।

दिव्यांग की हत्या के आरोप में अरम्बई टेंगोल नेता गिरफ्तार

हथियार के साथ चार उग्रवादी भी पकड़े गए

इंफाल, 23 जून (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में दिव्यांग व्यक्ति की हत्या में कथित संलिप्तता के आरोप में मैतेई संगठन अरम्बई टेंगोल (एटी) के एक नेता को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि गिरफ्तार एटी नेता की पहचान युमनाम हुइड्रोम थियाम लीशांगखोंग निवासी लोंगजाम खाबा सिंह (35) के रूप में हुई है। वे पाओबिटेक मयाई लेइकाई के एमडी चेसम अब्दुल कादिर की हत्या के मुख्य आरोपी हैं। उन्हें रविवार को पुथिबा लाइबुंग कॉम्प्लेक्स के पास मोंगसांगेई माखा लेइकाई अरुबाम लेइकाई से गिरफ्तार किया गया।

बयान के मुताबिक, हत्या के सिलसिले में अब तक एटी के सात सदस्यों सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। चेसम 11 जून की आधी रात को लापता हो गए थे और बाद में उनका शव इंफाल पश्चिम जिले के समूरो नाओरेम में दफन पाया गया था। 17 जून को कार्यकारी मजिस्ट्रेट, फोरेंसिक टीम और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में शव को बाहर निकाला गया। पुलिस ने कहा था कि एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। हत्या के बाद इंफाल घाटी में कई मुस्लिम संगठनों ने विरोध प्रदर्शन और निंदा की। इस बीच इंफाल पूर्वी जिले में प्रतिबंधित संगठन पीआरईपीएके (पीआरओ) के चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा जब्त किया गया। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान थिंगबैजम फिलिप सिंह, लौरेमबाम कुमार मीतेई, लैशराम हरिदास और युमनाम आकाश सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के एक बयान में कहा गया कि उन्हें रविवार को जिले के अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया।

खबरे जरा हटके

'देख कर अच्छा लगेगा, सुन कर बुरा' बिलकुल असली हैं ये छोटी सी पानी की टंकी और छोटा सा घर!

भारत में हुनरमंदों की कमी नहीं है, कमी है तो उनकी कद्र करने वालों की, उनकी पहचान करने वालों की. कई बार देखा गया है कि बहुत से टेलैंटेड लोग धक्के खा रहे हैं, रोजी रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं. लेकिन उन्हें ना तो वक्त पर कद्र मिलती है ना सही पहचान अक्सर ऐसी प्रतिभाओं की जानकारी लोगों को या तो बहुत बाद में मिलती है या कभी मिलती ही नहीं है. सोशल मीडिया के जमाने में हमें कई बार ऐसी प्रतिभाओं के बारे में पता चल जाता है. एक वायरल वीडियो में एक ऐसे ही हुनरमंद शख्स के बारे में पता चला है जिसके बारे में दावा किया जा रहा है कि उसने दुनिया की सबसे छोटी 'पानी की टंकी' और सबसे छोटा घर बनाया है. लेकिन आज उसे बनाने वाला शख्स जिंदा ही नहीं है.

यह पानी की टंकी आम पानी की टंकी नहीं है जो घरों या घरों की छत पर देखने को मिलती है. यह वह टंकी है जिसका निर्माण शहर के लोक निर्माण विभाग करवाता है और जिससे एक साथ कई मोहल्लों और उनके ऊंची इमारतों को पानी की आपूर्ति की जाती है. लेकिन जिस टंकी की हम बात कर रहे हैं वह बहुत छोटी है. उसकी ऊंचाई महज चार से पांच फुट तक की होगी. लेकिन असली बात ये है कि यह प्रोटोटाइप तरह की पानी की टंकी बिलकुल असली टंकी की तरह है इसे बनाने के लिए कंक्रीट और लोहे का इस्तेमाल किया गया है और यह असली टंकी की तरह बहुत मजबूत भी है. बच्चा इस पर चढ़ भी सकता है, लेकिन टंकी को कुछ नहीं होगा. यह टंकी 200 लीटर की है. टंकी को बनाने में तीन महीने का वक्त लगा था.

एक ही घर में बसी दो दुनियां, दरवाजे से हरियाणा और खिड़की से दिखे राजस्थान-आप भी रह जाएंगे दंग

राजस्थान और हरियाणा की सीमा पर स्थित भिवाड़ी और धारूहेड़ा के बीच बना एक घर हमेशा चर्चाओं में रहता है. इसकी वजह है इसकी अनोखी लोकेशन. एक ऐसा लोकेशन की आप भी सोचने पर मजबूर हो जाएंगे. इस घर का एक दरवाजा हरियाणा में खुलता है तो दूसरा राजस्थान में. यकीन नहीं हो रहा न? यही नहीं, घर के कमरे हरियाणा की सीमा में हैं जबकि आंगन और बाथरूम राजस्थान में आते हैं. यह विचित्र बनावट लोगों को हैरान कर देती है. इस घर में दो भाई ईश्वर सिंह और कृष्ण कुमार अपने-अपने परिवारों के साथ रहते हैं. ईश्वर सिंह का परिवार राजस्थान की सुविधाओं का लाभ लेता है. वहीं कृष्ण कुमार के दस्तावेज हरियाणा के हैं और वह हरियाणा की योजनाओं का लाभ उठाते हैं. एक ही घर में रहकर दो राज्यों की सरकारी सुविधाएं मिलना एक खास अनुभव है.

इस परिवार के सदस्य सिर्फ सीमाओं में नहीं बंटे हैं बल्कि दोनों राज्यों की राजनीति में भी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं. ईश्वर सिंह के बेटे हवा सिंह दायमा राजस्थान के भिवाड़ी नगर परिषद से लगातार तीसरी बार पार्षद चुने गए हैं. वहीं उनके चाचा कृष्ण कुमार हरियाणा के धारूहेड़ा नगर पालिका में दो बार पार्षद रह चुके हैं. इस घर की खासियत यह है कि एक हिस्सा राजस्थान के अलवर जिले के भिवाड़ी में है और दूसरा हिस्सा हरियाणा के रेवाड़ी जिले के धारूहेड़ा में. घर के कमरे हरियाणा में हैं तो आंगन और बाथरूम राजस्थान की सीमा में हैं. परिवार की गाड़ी राजस्थान में पार्क होती है जबकि वे हरियाणा में बने कमरों में रहते हैं. यह स्थिति लोगों को चकित कर देती है. घर के मालिक का कहना है कि जब कोई रिश्तेदार या बाहर का व्यक्ति इस घर की स्थिति के बारे में जानता है तो वह हैरान रह जाता है.

देखिए दुनिया की सबसे लंबी कार, हैलिकॉप्टर भी उतर सकता है इस पर, लोगों ने जताए ऐतराज़!

कारों के बहुत ही अलग संसार होता है. आमतौर पर भारत में औसत रूप से ठीक-ठाक कार 5 से 10 लाख रुपये में आ जाती है. 10 से 20 लाख की कारें 'थोड़ी महंगी' मानी जाती हैं. लेकिन महंगी कारों की कीमत करोड़ों तक में जा सकती है. यह इस पर निर्भर करता है कि आप अपनी कारमें कैसे फीचर्स चाहते हैं. लक्जरी कार बहुत अलग तरह की होती हैं. इन्हीं में एक नाम लिमोनीज़ का है जिसे लोग लिमो भी कहते हैं. यह लंबी कम्पार्टमेंट वाली कार विदेशी अमीरों में ज्यादा लोकप्रिय है. एक वायरल वीडियो में हमें दुनिया की सबसे लंबी लिमोनीज़ कार देखने को मिली है जिसमें एक हेलीकॉप्टर भी उतर सकता है. लिमोनीज़ कार अलग अलग तरह की आती हैं. इनकी कीमत 20 लाख रुपये से शुरू होकर 12 करोड़ रुपये या उससे भी ज्यादा हो सकती है. यह सब इस पर निर्भर करता है कि कार में क्या क्या सुविधाएं हैं. ब्रांड भी कीमतें पर असर डालता है. वैसे भारत में सबसे महंगी कार करीब 12 करोड़ रुपये है, लेकिन सुपर लिमोनीज़ फिलहाल भारत में किसी ने नहीं खरीदी है. वैसे तो यह बिकाऊ नहीं है. फिर भी अमेरिका में इसकी कीमत करीब 34 करोड़ 63 लाख रुपये के आसपास बताई जाती है.

हैलिकॉप्टर स्विमिंग पूल और भी

इस कार की सबसे बड़ी खासियत यही है कि इसमें एक हैलीकॉप्टर उतर सकता है. इसमें एक स्विमिंग पूल भी है. इतना ही नहीं इस पर छोटा सा गोल्फ कोर्स भी है. इसकी लंबाई 30.54 मीटर है, जो कि एक नीली व्हेल की लंबाई के बराबर है. इसमें कुल 24 पहिये हैं. इसमें कुल 75 लोग एक साथ बैठ सकते हैं.

बीजेपी के गढ़ गुजरात में आप ने दिखाई ताकत

विसावदर सीट पर दर्ज की बड़ी जीत

अहमदाबाद, 23 जून (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी ने अच्छा कमबैक किया है। आप ने बीजेपी के गढ़ गुजरात में 2022 के चुनावों में जीती विसावदर की सीट पर कब्जा बरकरार रखा है। इस सीट से आप ने अपने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया को मैदान में उतारा था। गोपाल इटालिया ने कुछ राउंड को छोड़कर पूरे 21 राउंड की मतगणना में ज्यादातर समय बढ़त बनाए रखी। इटालिया ने बीजेपी के कैंडिडेट किरीट पटेल को 17,581 वोटों से शिकस्त दी। बीजेपी के गढ़ गुजरात मे आप की जीत इसलिए बड़ी है क्योंकि आम आदमी पार्टी में दिल्ली की हार के बाद जबरदस्त निराशा थी। उपचुनावों मे सत्तारूढ़ दल का पलड़ा भारी माना जाना है, लेकिन आप ने पुख्ता व्यूहरचना से विसावदर में बीजेपी को कमल खिलाने से रोक दिया। बीजेपी इस सीट पर 2007 से जीत के लिए तरस रही है। इस बार के चुनाव में कुल 16 कैंडिडेट मैदान में थे। पहले कैंडिडेट का ऐलानः आम आदमी पार्टी ने गुजरात में भी पंजाब वाल दांव खेला था। दिल्ली चुनावों में हार के बाद आप ने विसावदर सीट पर चुनाव आयोग की घोषणा से पहले ही कैंडिडेट का ऐलान कर दिया था। ऐसे में बीजेपी में जहां कैंडिडेट को लेकर आखिर तक जद्दोजहद जारी रही तो वहीं आप कैंडिडेट के साथ प्रचार में पहले ही जुटी चुकी थी। गुजरात की इस सीट को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी ने अपने बड़े चेहरे को मैदान में उतारा। गोपाल इटालिया ने इस क्षेत्र के निवासी नहीं होने के बाद भी पूरी विधानसभा में दो से तीन भ्रमण करके लोगों के बीच पैठ बना ली। ऐसे में उन्होंने लोगों को खुद से जोड़ लिया। बीजेपी सत्ता में होने के बाद भी अंत तक चुनाव प्रचार में पिछड़ी रही। 2022 के विधानसभा चुनावों में लोगों ने आप पर भरोसा किया था लेकिन भूपत भायाणी के बीजेपी में जाने से आप के दावे को झटका लगा था। गोपाल इटालिया के नामांकन में पहुंचे अरविंद केजरीवाल को इसका एहसास था, तो उन्होंने सार्वजनिक तौर पर ऐलान कर दिया कि अगर बीजेपी गोपाल इटालिया को खरीद लेगी तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पुण्यतिथि पर बीजेपी चीफ जेपी नड्डा ने दी श्रद्धांजलि, दिल्ली में भी कई कार्यक्रम

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि (बलिदान दिवस) पर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उन्हें याद किया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों, जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए उनके बलिदान और बीजेपी की वैचारिक नींव को मजबूत करने में उनके योगदान को याद किया।

मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दी श्रद्धांजलि

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने उस समय की कांग्रेस सरकार और तत्कालीन नेतृत्व विशेषकर जवाहरलाल नेहरू के कई नीतियों से असहमति जताई थी। फिर भी, गांधी जी के आह्वान पर उन्होंने स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में हिस्सा लिया। जिसमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे महानुभाव भी शामिल थे। लेकिन समय के साथ नेहरू जी ने उन्हें और डॉ. बी.आर. अंबेडकर जैसे नेताओं को उचित भूमिका नहीं दी, जिसके कारण वे सरकार से बाहर हो गए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 1950 के दशक में जब कांग्रेस का आजादी की लड़ाई में एकछत्र प्रभुत्व था, तब डॉ. मुखर्जी ने वैकल्पिक राजनीतिक विचारधारा प्रस्तुत की।

कालीगंज उपचुनाव में बीजेपी को मिला सबसे ज्यादा हिंदू वोट

पार्टी ने कहा-हिंदुत्व को लेकर बढ़ी जागरूकता

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कालिगंज विधानसभा उपचुनाव में हार के बावजूद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दावा किया कि उसे इस सीट पर अब तक का सबसे जय हिंदू वोट मिला है। पार्टी ने इसे राज्य में बढ़ती 'हिंदुत्व की चेतना' और मुर्शिदाबाद दंगों के खिलाफ जनविरोध का नतीजा बताया है। भाजपा के प्रदेश सह-प्रभारी अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस बयान को खारिज, जिसमें ममता ने कहा था कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हर धर्म और जाति के लोगों का समर्थन' मिला।

मालवीय ने लिखा, हकीकत ये है कि ममता बनर्जी की टीएमसी केवल मुस्लिम वोट बैंक, बांग्लादेशी घुसपैठियों और कट्टरपंथी तत्वों पर ही टिकी है। जैसे बंगाल के हिंदुओं ने वामपंथ को छोड़ा, वैसे ही अब उन्होंने ममता को भी छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी सुप्रीमो एक और झूठ बोल रही हैं। मालवीय ने कहा कि अगले साल राज्य में केवल चुनाव उपचुनाव नहीं, बल्कि एक पूर्ण क्रांति होगी। उन्होंने 2021, 2024 और 2024 के उपचुनाव के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि कालीगंज में हिंदू मतदाता 43 फीसदी हैं और बाकी मुस्लिम हैं। उन्होंने कि भाजपा को हिंदू वोटों का हिस्सा 2021 में 70 फीसदी, 2024 लोकसभा में 72 फीसदी और अब 74 फीसदी से ज्यादा मिला है।

मालवीय ने आरोप लगाया कि टीएमसी की जीत के बाद हुए जश्न के दौरान बम फेंके गए, जिसमें एक बच्ची की मौत हो गई। उन्होंने कहा, यह ममता बनर्जी की हिंसक, वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित राजनीति की खून की कीमत है। पश्चिम बंगाल में कोई कानून-व्यवस्था नहीं बची है। उन्होंने यह भी कहा कि ममता बनर्जी राज्य की गृह मंत्री भी हैं, लेकिन एक प्रशासक के रूप में वह बुरी तरह विफल रही हैं। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख मालवीय ने यह भी दावा किया कि ममता बनर्जी कट्टरपंथ की राजनीति को हवा देती हैं, ताकि मुसलमानों का वोट बैंक बना रहे और इसकी कीमत मासूम बच्चों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ रही है। यह एक आपराधिक लापरवाही है।

मालवीय ने भाजपा के चार विधायकों को विधानसभा से निलंबित किए जाने पर आरोप लगाया कि राज्य में एक अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति है। उन्होंने कहा, यह शासन नहीं, यह घबराहट में तानाशाही वाला कदम उठाया गया है। ममता बनर्जी बतौर मुख्यमंत्री अपने आखिरी दौर में हैं और उनकी पार्टी की तानाशाही दिखाती है कि वह अपनी जमीन खोने को लेकर कितने डरे हुए हैं।

गोपालपुर समुद्र तट पर छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म मामले में एनएचआरसी सख्त

सरकार और पुलिस को भेजा नोटिस

गुवाहाटी, 23 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सोमवार को ओडिशा सरकार और राज्य के पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस गंजाम जिले के गोपालपुर समुद्र तट पर एक 20 वर्षीय कॉलेज छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में जारी किया गया है।

मामले में आयोग ने राज्य सरकार से दो हफ्ते के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जिसमें जांच की स्थिति, पीड़िता के स्वास्थ्य और मुआवजे की जानकारी शामिल होनी चाहिए। बता दें कि कथित तौर पर बीते 15 जून को पीड़िता अपने एक पुरुष मित्र के साथ त्योहार मनाने के लिए समुद्र तट पर गई थी। एनएचआरसी ने एक बयान में कहा कि अपराधियों ने पीड़िता के दोस्त को जबरन पकड़ लिया, और फिर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।

एनएचआरसी ने मीडिया रिपोर्ट का लिया स्वतः संज्ञान

मामले में एनएचआरसी ने कहा कि उसने एक मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें कहा गया है कि 15 जून को ओडिशा के गंजम जिले के गोपालपुर समुद्र तट पर लगभग 10 पुरुषों द्वारा 20 वर्षीय कॉलेज छात्रा के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। आयोग ने कहा कि मीडिया द्वारा किया जा रहा दावा यदि सदी है, तो ये मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा को उठाती है। इसलिए, इस मामले में राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

सिंगल मदर के बच्चों को हक देने की मांग सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। देश में सामाजिक न्याय और बराबरी को लेकर एक अहम मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। यह मामला उन बच्चों से जुड़ा है, जिनकी परवरिश अकेली मां कर रही हैं और वे ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) वर्ग से आती हैं। लेकिन मौजूदा नियमों के तहत इन बच्चों को ओबीसी सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाता। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार से जवाब तलब किया है।

पिता की जाति पर आधारित है मौजूदा नियम

दरअसल, मौजूदा समय में ओबीसी सर्टिफिकेट के लिए बच्चे के पिता, दादा या चाचा की जाति प्रमाणित करना जरूरी होता है। यही वजह है कि जिन बच्चों की परवरिश अकेली मां कर रही हैं, उन्हें ओबीसी सर्टिफिकेट मिलने में परेशानी होती है, भले ही मां खुद ओबीसी वर्ग से क्यों न हो। इसी व्यवस्था को चुनौती देते हुए यह याचिका दायर की गई है। याचिका में इस बात को भी प्रमुखता से उठाया गया है कि एससी (अनुसूचित जाति) और एसटी (अनुसूचित जनजाति) वर्ग में यदि कोई महिला अकेली मां है, तो उसके बच्चों को मां की जाति के आधार पर जाति प्रमाणपत्र मिल जाता है। लेकिन ओबीसी वर्ग के मामले में ऐसा नहीं है। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह भेदभाव संविधान में मिले समानता के अधिकार का उल्लंघन है।

दत्तक बच्चों को भी सर्टिफिकेट में दिक्कत

याचिका में यह भी बताया गया है कि अगर कोई सिंगल मदर किसी बच्चे को गोद लेती हैं और वह महिला खुद ओबीसी वर्ग से आती हैं, तब भी उनके दत्तक बच्चे को ओबीसी सर्टिफिकेट नहीं मिलता। कारण वही है कि मौजूदा नियम सिर्फ पिता की जाति पर आधारित हैं।

रॉबर्ट वाड्रा पर शिकंजा कसने की तैयारी! 3 मामलों में जल्द चार्जशीट दाखिल कर सकती है ईडी

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के तीन मामलों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द ही चार्जशीट दाखिल कर सकता है। ये चार्जशीट अगले तीन महीनों में दाखिल होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक चार्जशीट दाखिल होने के बाद, ईडी वाड्रा और दूसरे आरोपियों के खिलाफ मुकदमा शुरू करने के लिए अदालत से मंजूरी लेने की कोशिश करेगी।

प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत ईडी की जांच में इन मामलों में अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों को जब्त किया जा सकता है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से इस साल अप्रैल में हरियाणा के शिकोहपुर में जमीन सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पूछताछ की जा चुकी है। उन्हें ब्रिटेन बेस्ड हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। वाड्रा को राजस्थान के बीकानेर में जमीन सौदे के मामले में भी जल्द ही अंतिम दौर की पूछताछ का सामना करना पड़ेगा।

आरोपों को गलत बताते आए हैं वाड्रा

रॉबर्ट वाड्रा ने हमेशा इन आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने इसे राजनीतिक साजिश करार दिया है। बता दें कि हरियाणा जमीन सौदे का मामला 2018 का है। इस मामले में तत्कालीन हरियाणा के मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा, वाड्रा और रियल एस्टेट कंपनियां डीएलएफ और ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। आरोप है कि फरवरी 2008 में वाड्रा की स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी कंपनी ने मानेसर-शिकोहपुर में 3.5 एकड़ जमीन 7.5 करोड़ में खरीदी थी। कहा जाता है कि जमीन का मालिकाना हक 24 घंटे के भीतर वाड्रा को हस्तांतरित कर दिया गया था। एक महीने बाद, हुड्डा के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार ने कथित तौर पर स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी को एक हाउसिंग प्रोजेक्ट विकसित करने की अनुमति दी, जिससे जमीन की कीमत काफी बढ़ गई। जून 2008 में डीएलएफ ने कथित तौर पर 58 करोड़ में प्लॉट खरीदने पर सहमति जताई, जिससे वाड्रा को काफी फायदा हुआ।

इस मामले में मां से भी हो चुकी है पूछताछ

बीकानेर जमीन सौदे में वाड्रा पर 72 लाख में 275 बीघा जमीन खरीदकर और उसे काफी अधिक कीमत पर बेचकर 615% लाभ कमाने का आरोप है। ईडी ने 2019 में वाड्रा और उनकी मां से इस मामले में पूछताछ की थी। जनवरी 2020 की एक रिपोर्ट में बताया गया कि ईडी ने निष्कर्ष निकाला कि वाड्रा और उनकी कंपनी, मेसर्स स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने बीकानेर में दो जमीन के टुकड़े खरीदते समय उचित सावधानी नहीं बरती थी। चेक 'भूमि मालिकों' को केवल एक कंपनी के प्रतिनिधि के कहने पर जारी किए गए थे।

किशन रेड्डी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की सेवाओं को याद किया

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने आज जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के कृष्णनगर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर बलिदान दिवस कार्यक्रम में भाग लिया। एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के तत्वावधान में वे पिछले कई वर्षों से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की। आजादी के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने अनुच्छेद 370 के मामले में अस्थायी लाभ के लिए देश के भविष्य को गिरवी रख दिया। उन्होंने कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान को सौंप दिया। पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया और भारतीय जनसंघ की स्थापना की। अनुच्छेद 370 से बचाव के लिए आंदोलन शुरू किया गया। पूरे देश में जहां तिरंगा झंडा था, वहीं कश्मीर का अलग झंडा था। पूरे देश में एक प्रधानमंत्री था, वहीं कश्मीर में दूसरा प्रधानमंत्री था। अंबेडकर का संविधान पूरे देश में लागू था, वहीं जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 के जरिए विशेष अधिकार मिले हुए थे। रेड्डी ने कहा कि जब श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू के स्वार्थी फैसलों से देश को नुकसान हुआ है, तो नेहरू ने उनकी बातों को नजरअंदाज कर दिया और कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी पहले व्यक्ति थे जिन्होंने अनुच्छेद 370 को खत्म करने और जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने के लिए आंदोलन शुरू किया था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने सवाल किया कि अगर जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, तो वहां अलग प्रधानमंत्री, विशेष अधिकार और विशेष शक्तियां कैसे हो सकती हैं?

उन्होंने वीजा और परमिट सिस्टम का पुरजोर विरोध करते हुए जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया। उनके साथ अटल बिहारी वाजपेयी भी थे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने वाजपेयी से देश के लोगों को जागरूक करने और उन्हें कश्मीर में हो रही असमानताओं के बारे में बताने का आग्रह किया। हालांकि, जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करते ही उन्हें परमिट न होने के आधार पर गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में जम्मू-कश्मीर में संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई। इस घटना के हत्या होने के आरोप आज भी कायम हैं। देश की अखंडता की रक्षा के संकल्प के साथ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने उस विचार को पूरी तरह लागू करने का बीड़ा उठाया और अपना बलिदान दे दिया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के लक्ष्य को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में पूरा किया। अनुच्छेद 370 को खत्म करने के साथ ही जम्मू-कश्मीर में दलितों और महिलाओं को देश के अन्य हिस्सों की तरह समान अधिकार दिए गए। जब अनुच्छेद 370 लागू था, तब 42 हजार सैनिक और जम्मू-कश्मीर में 150 से अधिक नागरिकों की जान चली गई। उस समय कांग्रेस पार्टी ने उनकी अनदेखी की। गरीबों ने कमजोर तबकों को धोखा दिया। वहां की सरकारों और कुछ नेताओं ने पाकिस्तान की आईएसआई के पक्ष में काम किया। उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक एकता यात्रा का आयोजन कर लाल चौक पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया था और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यात्रा के संयोजक की भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई और कहा कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद लाल चौक पर आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

इंदिरा सागर चेरुवु में एक व्यक्ति और 10 वर्षीय लड़की डूबे

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को शहर के बाहरी इलाके अब्दुल्लापुरमेट के अनाजपुर में इंदिरा सागर चेरुवु में एक 10 वर्षीय लड़की सहित दो लोग दुर्घटनावश डूब गए। पीड़ितों की पहचान इंद्रसेन रेड्डी (20) और उनकी रिश्तेदार प्रणिता (10) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, प्रणिता, उसके माता-पिता और इंद्रसेन रेड्डी इंदिरा सागर चेरुवु के पास स्थित एक रियल एस्टेट उद्यम में गए थे। जलाशय के पास खेलते समय प्रणिता फिसलकर पानी में गिर गई। यह देखकर इंद्रसेन रेड्डी उसे बचाने के लिए दौड़े और उसे बचाने की कोशिश की। दुर्भाग्य से दोनों डूब गए। शिकायत के आधार पर अब्दुल्लापुरमेट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

बड़े पैमाने पर रैतु भरोसा की सफलता बैठक आयोजित करने की योजना : तुम्मला

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रैतु भरोसा योजना के माध्यम से केवल नौ दिनों के भीतर किसानों को 9,000 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक वितरित करने के बाद, राज्य सरकार मंगलवार को सचिवालय के सामने स्थित राजीव गांधी प्रतिमा पर किसानों के साथ एक बड़ी बैठक आयोजित करने की तैयारी कर रही है।

कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने मुख्य सचिव रामकृष्ण राव और विभिन्न विभागों के कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोमवार को राजीव गांधी प्रतिमा पर बैठक के लिए स्थल का निरीक्षण किया। इस यात्रा के दौरान, मंत्री ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और अन्य मंत्री इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। "सरकार तेलंगाना में किसानों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका प्राथमिक लक्ष्य उन्हें राजाओं की तरह मानना है। एक उल्लेखनीय उपलब्धि में, केवल नौ दिनों के भीतर किसानों के खातों में 9,000 करोड़ रुपये जमा किए गए हैं। इस सफलता का जश्न मनाने के लिए, सचिवालय के सामने एक विजय सभा आयोजित की जा रही है। मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि कार्यक्रम की व्यवस्था त्रुटिहीन हो, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसानों को किसी भी कठिनाई का सामना नहीं करना चाहिए। रायथु भरोसा योजना से लाभान्वित होने वाले सभी जिलों के प्रतिभागियों के इसमें शामिल होने की उम्मीद है। अधिकारियों को बिजली, पेयजल, टेंट व्यवस्था, बैठने की क्षमता, यातायात प्रबंधन और वाहन पार्किंग सहित विभिन्न रसद मामलों पर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रमुख सचिव (कृषि) रघुनंदन राव, हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद, अतिरिक्त महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था एम.एम. भागवत, परिवहन आयुक्त सुरेन्द्र मोहन, जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, आई.एंड.पी.आर. आयुक्त सी.एच. प्रियंका, बागवानी आयुक्त यास्मीन भाषा, एसपीडीसीएल के एम.डी. मुशर्रफ अली, कृषि एवं अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

हरीश राव ने कल्याणकारी योजनाओं को रोकने के लिए कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं को बंद करने और अपने चुनावी वादों को लागू करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने शासन को खोखली बयानबाजी तक सीमित कर दिया है, बीआरएस युग की योजनाओं और चुनाव घोषणापत्र से अपनी खुद की गारंटी दोनों को हटा दिया है। हरीश राव ने बढ़िया किस्म के धान के लिए बोनस, इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा, एलपीजी गैस सब्सिडी और वादा किए गए राजीव युवा विकासम को बंद करने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई यादव और कुरुमा समुदायों के लिए भेड़ वितरण योजना को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया, जबकि कांग्रेस ने सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर इसे फिर से शुरू करने का वादा किया था।

सोमवार को यादव और कुरुमा समुदाय के लोगों द्वारा अपनी भेड़ों को गांधी भवन में ले जाकर किए गए विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि यह बढ़ती अशांति का संकेत है। उन्होंने भेड़ वितरण योजना को लागू करने या कम से कम लाभार्थियों से लिए गए डिमांड ड्राफ्ट वापस करने में विफल रहने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी बड़े-बड़े भाषण देने में माहिर हैं, लेकिन उनका प्रशासन उन्हें वास्तविक कार्रवाई में बदलने में विफल रहा है। हरीश राव ने कांग्रेस नेतृत्व को चेतावनी भी दी कि वे अधूरे वादों को लेकर व्यापक जनाक्रोश के पूर्ण विद्रोह में तब्दील होने से पहले ही कार्रवाई करें।

कोमटिरेड्डी ने कोप्पुला कृष्ण रेड्डी को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कोप्पुला श्रीकर रेड्डी के पिता स्वर्गीय कोप्पुला कृष्ण रेड्डी के सम्मान में आयोजित 12वें दिन के समारोह (द्वादशा दिनकर्म) में भाग लिया, जो वर्तमान में सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया में भारत के महावाणिज्यदूत के रूप में कार्यरत हैं।

समारोह के दौरान, मंत्री ने दिवंगत के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कोमटिरेड्डी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना भी व्यक्त की। उनके साथ अतिरिक्त डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) महेश भागवत और अग्निशमन सेवा महानिदेशक नागीरेड्डी (आईपीएस) सहित अन्य लोग भी दिवंगत कृष्ण रेड्डी को श्रद्धांजलि देने आए थे।

पंचायत प्रशासन को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना

मेदक, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने सोमवार को कहा कि धनराशि जारी न होने और पंचायत कर्मचारियों को वेतन न मिलने के कारण तेलंगाना भर में ग्राम पंचायतों में प्रशासन ठप्प हो गया है। नरसापुर मंडल के चिप्पलतुर्थी गांव का निरीक्षण करने के बाद राव ने सफाई कर्मचारियों और एक ट्रैक्टर चालक से बातचीत की, जिन्होंने उन्हें बताया कि डीजल की कमी के कारण वे कचरा इकट्ठा करने में असमर्थ हैं, क्योंकि उनके पास कोई फंड नहीं है।

हाइड्रा के खिलाफ प्रदर्शन

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को सुन्नम चेरुवु के आसपास के कई निवासियों ने माधापुर में अयप्पा सोसाइटी में हाइड्रा और राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिससे हल्का तनाव पैदा हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि हाइड्रा के अधिकारी उनके घरों को ध्वस्त करने की योजना के तहत सर्वेक्षण कर रहे थे। निवासियों ने आरोप लगाया कि सुन्नम चेरुवु की 15 एकड़ जमीन को 32 एकड़ दिखाया जा रहा है और उनसे घर खाली करने को कहा जा रहा है। अधिकारियों द्वारा सर्वेक्षण किए जाने से नाराज प्रदर्शनकारियों ने मुख्य सड़क पर धरना दिया, जिससे क्षेत्र में यातायात जाम हो गया। सर्वेक्षण पर पहले ही अदालत ने रोक लगा दी थी। कुछ प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल की बोतलें लेकर न्याय की मांग करते हुए अपनी जान देने की धमकी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में किया।

नाबालिग लड़की को परेशान करने के आरोप में 8 गिरफ्तार

आदिलाबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गुड़ीहाथनूर मंडल केंद्र में रविवार को एक नाबालिग लड़की के निजी वीडियो को दूसरों के साथ साझा करके उसे परेशान करने के आरोप में दो नाबालिगों सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों से सात मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। उटनूर एएसपी काजल सिंह ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों में 15 और 16 साल की उम्र के दो नाबालिगों के साथ-साथ सज्जनार वामशी, पवार थारुन, सांबले बालावंत, गुंडलवार वरुण, कराड सुधीर और मुर्केट विट्ठल शामिल हैं, जो गुडीहथनूर मंडल के विभिन्न गांवों से हैं।

पूछताछ के दौरान, नाबालिगों में से एक ने सोशल मीडिया पर बचपन का दोस्त बनकर लड़की से दोस्ती करने की बात कबूल की। उसने लड़की के माता-पिता को उनकी चैट के स्क्रीनशॉट दिखाने की धमकी देकर उसे निजी वीडियो शेयर करने के लिए ब्लैकमेल किया और बाद में वीडियो दूसरों के साथ शेयर कर दिया।

अन्य आरोपियों ने वीडियो को आगे प्रसारित किया। लड़की ने आखिरकार अपने पिता को सूचित किया, जिन्होंने इकोडा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और अपराधियों को पकड़ने के लिए एक विशेष टीम बनाई गई। एएसपी काजल सिंह ने लोगों से आग्रह किया कि वे लड़कियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न की घटनाओं की सूचना एसएचई टीम के अधिकारियों को 87126 59953 पर व्हाट्सएप के माध्यम से दें।

रैली में 300 से अधिक राइडर हुए शामिल

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वाया मोका स्थित बाइकर्स फूड हब में आयोजित कैस्ट्रॉल पावर 1 वर्ल्ड मोटरसाइकिल डे राइड में 300 से अधिक बाइकर्स ने भाग लिया। राइडर्स रैली ने प्रमुख बाइकिंग समूहों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें सुरक्षा और जिम्मेदार सवारी प्रथाओं को बढ़ावा देते हुए मोटरसाइकिल चलाने की स्वतंत्रता का जश्न मनाया गया। इस राइड में शहर भर से बाइकिंग के शौकीनों को एक साथ लाया गया।

राइडर्स रैली का आयोजन बाइकर नाइट्स हैदराबाद, तेलंगाना बाइकर्स ब्रदरहुड, ट्रेलब्लेज़र राइडिंग क्लब, फ्रीडम राइडर्स, सैम्स, तेलंगाना महिला मोटो बाइकर्स और अन्य बाइकिंग समूहों के सहयोग से किया गया।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि सुरक्षा उद्देश्यों के लिए सवारों को हेलमेट दिए गए और इस कार्यक्रम की सफलता हैदराबाद में बढ़ती मोटरसाइकिल संस्कृति का प्रमाण है।

सड़कों पर आधी रात को जन्मदिन मनाने के दौरान बढ़ रहा सार्वजनिक उपद्रव का चलन

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मध्य रात्रि में जन्मदिन समारोह के दौरान सार्वजनिक उपद्रव की बढ़ती घटनाओं के बीच, शहर की पुलिस ने पूरे शहर में देर रात विशेष चेकिंग अभियान शुरू किया है। इन अभियानों का लक्ष्य सार्वजनिक स्थानों पर, विशेष रूप से सड़कों और फ्लाईओवरों पर केक काटने, पटाखे फोड़ने और खुले में शराब पीने के लिए एकत्रित होने वाले युवाओं का समूह है। उप्पल, नागोले, एलबी नगर, चैतन्यपुरी और दिलसुखनगर जैसे इलाकों में चलाए जा रहे विशेष अभियान का उद्देश्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और कानून-व्यवस्था में व्यवधान को रोकना है। इस तरह की भीड़ की पहचान करने और उसे रोकने के लिए देर रात के समय पुलिस कर्मियों की टीमें तैनात की जाती हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इनमें से कई समारोह यातायात या सार्वजनिक शिष्टाचार के प्रति बहुत कम सम्मान के साथ आयोजित किए जाते हैं। कई मामलों में, युवाओं के समूहों ने सड़कों और फ्लाईओवरों को अवरुद्ध कर दिया है, जिससे खुद को और दूसरों को खतरा पैदा हो रहा है। समूहों को शोरगुल करते हुए जश्न मनाते, वाहनों की आवाजाही को रोकते और यहां तक कि सार्वजनिक रूप से शराब पीते हुए पाया गया है, जो शहर के कानून के तहत अपराध है।

मध्य रात्रि की ऐसी मौज-मस्ती के वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिसके बाद अधिकारियों ने त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त की है। एलबी नगर जोन के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, युवाओं को पकड़कर पुलिस स्टेशन लाया जा रहा है, जहां उन्हें काउंसलिंग दी जा रही है। उन्हें सख्त चेतावनी देकर छोड़ दिया जा रहा है। अगर दूसरी बार पकड़े गए तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी और मामला दर्ज किया जाएगा।' पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर पटाखों के इस्तेमाल के खिलाफ भी चेतावनी दी है, क्योंकि इससे सुरक्षा संबंधी खतरे और शोरगुल की समस्या हो सकती है। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीना, इन समारोहों के दौरान एक और आम समस्या है, जिसे गंभीरता से लिया जा रहा है और जांच के दौरान शराब की बोतलें जब्त की जा रही हैं।

अधिकारियों का कहना है कि इन उपायों का उद्देश्य व्यक्तिगत समारोहों पर अंकुश लगाना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि इनसे सार्वजनिक शांति और सुरक्षा बाधित न हो। नागोले के इंस्पेक्टर ए सूर्या नायक ने कहा, हम जिम्मेदारी से मनाए जाने वाले समारोहों का स्वागत करते हैं, लेकिन सार्वजनिक असुविधा या सुरक्षा की कीमत पर नहीं। उन्हें जिम्मेदारी से और निजी स्थानों पर आयोजित किया जाना चाहिए। सड़कें पार्टियों के लिए नहीं हैं। उन्होंने कहा कि किसी के खिलाफ दर्ज किया गया कोई भी छोटा-मोटा मामला भविष्य में उपयुक्त नौकरी या पासपोर्ट या वीजा हासिल करने में समस्या बन सकता है। पुलिस शहर के विभिन्न हॉटस्पॉट में नियमित रूप से इन अभियानों को जारी रखने की योजना बना रही है, जिसमें देर रात के समय ज्ञात हॉटस्पॉट पर गश्त और निगरानी बढ़ाई जाएगी।

घातक शाकनाशी पैराक्वाट पर की प्रतिबंध लगाने की मांग

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के वरिष्ठ चिकित्सकों ने पैराक्वाट पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है, जो आसानी से उपलब्ध होने वाला एक खरपतवारनाशक है, जो किसानों और युवाओं के लिए आत्महत्या करने का एक घातक विकल्प बनता जा रहा है। पिछले महीने, तेलंगाना के कागजनगर, करीमनगर, मंचेरियल और आंध्र प्रदेश के चित्तूर में कई मामले सामने आए हैं, जिसमें कृषि पृष्ठभूमि वाले किसानों और युवाओं ने आत्महत्या करने की कोशिश में पैराक्वाट का सेवन किया।

इस खरपतवारनाशक का एक चम्मच भी रक्तप्रवाह में पूरी तरह अवशोषित होने के लिए पर्याप्त है, जहां से यह गुर्दे, यकृत और फेफड़ों सहित अंगों तक पहुंचता है, और उन्हें गंभीर रूप से प्रभावित करता है।

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

निविदा सं. 30256102, दिनांक: 18.06.2025

कार्य का नाम : COFMOW विनिर्देश संख्या COFMOW/IR/MT/CNC AJTB/BG/2020 के अनुसार आनुषंगिक (Concomitant) महायक उपकरणों के साथ CNC यूनिवर्सल एक्सल जर्नल टर्निंग एवं बर्निशिंग लेद (BG के लिए) ट्रेड डाय-1300-750 MM, एक्सल लेंगल- 2650-2200 MM (डबल टूल पोस्ट के साथ) की आपूर्ति, संस्थापन, ट्रायल रन, प्रशिक्षण एवं शुरुआत। (वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 30 महीने)। TPI एजेन्सी द्वारा निरीक्षण, मात्रा : 01 संख्यक।

द्रष्टव्य : सामग्री 60 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 14.07.2025 को 1500 बजे।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-270/Q/25-26

अब्दुल्लापुरमेट तालाब में एक ही परिवार के दो लोग डूबे

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अब्दुल्लापुरमेट में रविवार शाम को हुई एक दुखद घटना में एक 10 वर्षीय लड़की सहित दो लोग तालाब में डूब गए। पीड़ितों की पहचान प्रणिता (10) और चिंतन रेड्डी इंद्रसेना रेड्डी (20) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, प्रणिता, उसके माता-पिता और एक रिश्तेदार इंद्रसेन रेड्डी इंदिरा सागर चेरुवु अब्दुल्लापुरमेट के पास स्थित एक रियल एस्टेट उद्यम में गए थे। अब्दुल्लापुरमेट पुलिस ने बताया, 'तालाब के पास खेलते समय प्रणिता फिसलकर पानी में गिर गई। यह देखकर इंद्रसेन रेड्डी उसकी मदद के लिए दौड़े। इस दौरान दोनों डूब गए।' एक मामला दर्ज किया गया है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

रूचि की अभिव्यक्ति
सीजीएचएस-हैदराबाद सिटी टैरिफ दरों पर आपात स्थिति में रेलवे लाभार्थियों को रेफर करने हेतु महबूबनगर के प्रतिष्ठित निजी अस्पतालों से रुचि की अभिव्यक्ति का आमंत्रण

PUB/0758

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, हैदराबाद डिवीजन, हेल्थ युनिट महबूबनगर द्वारा सीजीएचएस-हैदराबाद सिटी टैरिफ दरों पर, आपातस्थिति में रेल लाभार्थियों के लिए, रेफर्रल हास्पिटल के रूप में सूचीबध्द (एम्पैनलमेंट) करने के लिए, महबूबनगर स्थित प्रतिष्ठित निजी अस्पतालों से रूचि की अभिव्यक्ति(इओआय) आमंत्रित हैं।

इच्छुक होने पर, आप अपने- अपने रूचि की अभिव्यक्ति (ईओआय) को मुहरबंद लिफाफे में डालकर, उस पर रेफर्रल अस्पतालों के पैनल हेतु रूचि की अभिव्यक्ति या ईओआय अंकित किया जाना चाहिए तथा इसे अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर तिथि 4-%-2025 तक प्रेषित किए जाने चाहिए।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, हैदराबाद

A0939

नीतीश कुमार के इस तोहफे से गदगद हुए राघोपुरवासी, कहा-अब दुख के दिन दूर हुए

वैशाली, 23 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैशालीवासियों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने सोमवार को कच्ची दरगाह से बिदुपुर तक जाने वाली गंगा पुल परियोजना का शुभारंभ कर दिया है। पटना से से राघोपुर की सम्पर्कता का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित छह लेन गंगा पुल का राघोपुर तक निरीक्षण किया। राघोपुर पहुंचने पर वहां उपस्थित जनसमूह ने ताली बजाकर एवं जिंदाबाद के नारे लगाकर मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। ग्रामीणों ने इस पुल के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और उनकी प्रशंसा की। कई लोगों के आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। ग्रामीणों ने कहा कि इस दिन का इंतजार हमलोग आजादी मिलने के बाद से ही कर रहे थे। अब हमलोगों के दुख के दिन दूर हो गए। मानसून आने के बाद हमलोग पटना से कट जाते थे। तब नाव ही एक सहारा बचता था। लेकिन, गंगा के उफान पर होने के कारण कई बार नाव डूबने का खतरा रहता था।

आजादी के बाद 76 साल से इंतजार कर रहे थे हमलोग

महेश राय ने बताया कि राघोपुर दो नदियों के बीच में है और आजादी के 76 साल बीत जाने के बाद भी राघोपुर के लोगों को नाव के अलावा दूसरा कोई भी साधन एक जगह से दूसरे जगह जाने के लिए नहीं था। राघोपुर के लोगों को हाजीपुर जिला मुख्यालय आने के लिए भी छह महीने नाव का सहारा लेना होता था तो छह महीने पीपा पुल के सहारे लोग आया और जाया करते थे। अब लोग सात से 10 मिनट में राघोपुर से पटना पहुंच जाएंगे। जितेन्द्र राय ने बताया कि राघोपुर के लोग अधिकतर दूध का कारोबार करते हैं और वह दूध लेकर राघोपुर के द्वारा इलाके से पटना के इलाके में बेचते हैं। लेकिन, अब आसानी से वह अपना व्यापार भी कर सकेंगे।

बाढ़ के दिनों में कई नांव हादसा हो चुका है

स्थानीय रवि सिंह ने बताया कि राघोपुर दियारा इलाके में सबसे बड़ी समस्या पुल के नहीं होने के कारण गैस सिलेंडर और राशन का सामान का हुआ करता था। नाव के जरिए पहुचने वाला गैस सिलेंडर और राशन के समान में दुकानदार और भेन्डर लोगों से ज्यादा पैसा भी लिया करते थे लेकिन अब पुल हो जाने के कारण सहूलियत से लोगों के बीच हर सामान पहुंच जाएगा। छोटू सिंह ने बताया कि राघोपुर में पुल होना लोगों का सपना हुआ करता था जो अब सकार हो चुका है। फर्स्ट लेन का उद्घाटन मुख्यमंत्री के द्वारा कर दी गई है। लोग अपने गांव से ही अब गाड़ी पकड़ कर एक जगह से दूसरे जगह जाएंगे पहले किसी जगह जाने के लिए कई जगहों पर गाड़ी बदलनी पड़ती थी लेकिन अब ऐसा नहीं होगा लोगों के उद्घाटन के बाद खुशी का माहौल है। बरसात के दिनों में लोग जान हथेली पर लेकर एक जगह से दूसरे जगह जाते थे। बाढ़ के दिनों में कई नांव हादसा हो चुका है, इसमें कितने लोगों की जान भी जा चुकी है। बता दें कि पटना जिला अन्तर्गत एनएच 30 पर अवस्थित कच्ची दरगाह एवं वैशाली जिला अन्तर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ सख्या-103 पर अवस्थित बिदुपुर के बीच गंगा नदी पर कुल 19.76 किमी लम्बाई के छह लेन ग्रीन फिल्ड पुल परियोजना का निर्माण किया जा रहा है।

अमृतसर-हावड़ा मेल में मिले 22 जिंदा कछुए

पटना, 23 जून (एजेंसियां)। 13006 अमृतसर-हावड़ा मेल एक्सप्रेस में रविवार की देर रात विशेष टीम को चेकिंग के दौरान पटना साहिब और फतुहा के बीच स्लीपर कोच के शौचालय के पास दो लावारिस बैग मिले। जब टीम ने यात्रियों से उन बैगों के बारे में पूछा, तो सभी ने बताया कि उनकी नहीं है। उधर, बैग खोलने पर टीम के होश उड़ गए। एक बैग में जहां 22 जिंदा कछुए (छोटे-बड़े सभी शामिल) भरे हुए थे, वहीं दूसरे बैग में 7 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। फतुहा जीआरपी प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि यह एक गंभीर मामला है। इन कछुओं को कहां से लाया जा रहा था और इनका आगे क्या किया जाना था, साथ ही शराब की तस्करी में कौन लोग शामिल हैं, इसकी गहन जांच की जा रही है।

मस्जिद में तीन भाइयों के साथ इमाम ने की दरिंदगी

पता चलने पर मां-बाप हैरान, पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

चंदौसी, 23 जून (एजेंसियां)। मस्जिद में दीनी तालीम हासिल करने वाले मासूमों के साथ दुष्कर्म के आरोपी टांडा निवासी इमाम फरहान उर्फ फैजान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इमाम मासूमों को कमरे में बंद कर गलत काम करता था और शिकायत करने पर बच्चों के साथ मारपीट करता था।

बच्चों ने परिवार को बताया। बच्चों के पिता ने शिकायत दर्ज कराई थी, इसके बाद से इमाम फरार था। पुलिस ने इमाम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बीते दिनों नगर के एक मोहल्ला निवासी बच्चों के पिता ने पुलिस को शिकायतीपत्र दिया था। पत्र में कहा था कि उसके तीन मासूम बेटे क्षेत्र की एक मस्जिद में दीनी तालीम के लिए जाते थे। जहां रामपुर जिले के टांडा निवासी फरहान उर्फ फैजान इमामत करता था। आरोप है कि इमाम तीनों मासूमों को मस्जिद में ही एक कमरे में ले जाता था और कमरा बंद करके तीनों बच्चों के साथ गलत काम करता था। साथ ही किसी से शिकायत करने पर बच्चों के साथ मारपीट करता था और उन्हें जान से मारने की धमकी देता था। पीड़िता ने बताया कि जब बच्चे इमाम की गंदी हरकतों से परेशान हो गए, तो उन्होंने आपबीती अपनी मां को बताई। इस मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने आरोपी इमाम के खिलाफ संगीन धाराओं में केस दर्ज किया था।

जब से इमाम फरार चल रहा था। प्रभारी निरीक्षक मोहित चौधरी ने बताया कि रविवार को पुलिस ने आरोपी इमाम को कब्रिस्तान रेलवे फाटक के पास से गिरफ्तार कर उसे न्यायालय में पेश किया। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया। बिलासपुर की युवती ने युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाते हुए नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली प्रभारी बलवान सिंह ने बताया कि ग्राम बहांपुर निवासी राज गौतम ने युवती से नजदीकियां बढ़ा लीं।

इसके बाद शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध भी स्थापित कर लिए। जब उसने युवक से शादी करने को कहा तो वह शादी करने से मुकुर गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली। इसके बाद आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया है।

अखिलेश ने 7 में से 3 बागी विधायकों को निकाला

बगावत के 17 महीने बाद एक्शन, प्रवक्ता बोले-4 बागियों की वापसी संभव

लखनऊ, 23 जून (एजेंसियां)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 3 बागी विधायकों को पार्टी से निष्कासित कर दिया। इसमें अयोध्या की गोसाईगंज सीट से अभय सिंह, अमेठी की गौरीगंज सीट से राकेश सिंह और रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक मनोज पांडेय शामिल हैं। ये तीनों ही लंबे समय से सपा के खिलाफ काम कर रहे थे। पहले उम्मीद की जा रही थी कि सपा इन विधायकों के खिलाफ विधानसभा में सदस्यता खत्म करने की अपील करेगी। लेकिन ऐसा नहीं किया। सपा के इस फैसले से फिलहाल इनकी विधायकी कायम रहेगी। सदन में इनकी स्थिति असंबद्ध विधायक के तौर पर होगी। यानी ये न तो सपा के पाले में बैठेंगे और न भाजपा के पाले में।

सपा ने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा

सांप्रदायिक, विभाजनकारी और पीडीए विरोधी विचारधारा का साथ देने के कारण, सपा जनहित में इन विधायकों को पार्टी से निष्कासित करती है। इनको हृदय परिवर्तन के लिए दी गई अनुग्रह अवधि समाप्त हो चुकी है। यूपी में फरवरी 2024 में राज्यसभा चुनाव में सपा के 7 विधायकों ने पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर भाजपा के उम्मीदवारों के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की थी। इस घटना ने सपा को बड़ा झटका दिया था। इस वजह से सपा का तीसरा राज्यसभा उम्मीदवार हार गया था। जबकि भाजपा के सभी 8 राज्यसभा उम्मीदवार की जीत हुई थी। क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों में अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह, मनोज पांडेय, पूजा पाल, विनोद चतुर्वेदी, आशुतोष मौर्य और राकेश पांडेय शामिल थे। अभय सिंह और मनोज पांडेय ने बाद में भाजपा की सदस्यता भी ग्रहण कर ली थी। इस बगावत के बाद सपा नेतृत्व ने इन विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी थी, और अब यह निष्कासन उसी दिशा में उठाया कदम है। हालांकि, अभी 4 विधायक और हैं, जिनके खिलाफ सपा ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। इसमें सबसे अहम नाम पूजा पाल का है।

2027 के विधानसभा चुनाव के लिए बसपा ने बदली रणनीति

लखनऊ, 23 जून (एजेंसियां)। डेढ़ साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी गांव-गांव जाकर अपना जनाधार बढ़ा रही है। पार्टी की करीब 1600 टीमें गांवों में पोलिंग बूथ और सेक्टर कमेटियां बनाकर लोगों को जोड़ रही हैं। पार्टी का कहना है कि पदाधिकारी भी नामित किए जा रहे हैं, जो लोगों को बसपा की नीतियों और विपक्ष की साजिशों से अवगत करा रहे हैं। बता दें कि पार्टी अध्यक्ष मायावती के निर्देश पर भाईचारा कमेटी और ओबीसी कमेटी लगातार काम कर रही हैं। पार्टी नेताओं का मानना है कि जिस तरह वर्ष 2007 में भाईचारा कमेटियों के जरिये समाज के सभी वर्गों के लोगों का गठबंधन स्थापित करते हुए सरकार बनाई गई थी, उसी फॉर्मूले पर अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी करनी है। इसके तहत गांव-गांव जाकर कमेटियों का गठन करना पहली प्राथमिकता है। जिसके लिए हर विधानसभा क्षेत्र में चार टीमें बनाई जा चुकी हैं।

यूपी में आधी रात 127 एसडीएम के ट्रांसफर

शशि भूषण पाठक अमरोहा, प्रीति जैन सुल्तानपुर की नई एसडीएम

श्वेता सिंह

लखनऊ, 23 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार ने रविवार देर रात 127 पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिए। एसडीएम स्तर के इन अफसरों के ट्रांसफर की प्रक्रिया एक महीने से चल रही थी। ज्यादातर अफसरों को एक जगह तैनाती के 3 साल पूरे हो गए थे। जिन अफसरों का ट्रांसफर किया गया। उनमें सीतापुर के एसडीएम कुमार चंद्रबाबू का बदायूं भेजा गया है। सहारनपुर की एसडीएम संगीता राघव को विशेष कार्याधिकारी, लखनऊ विकास प्राधिकरण बनाया है।

मथुरा की एसडीएम श्वेता को सहायक निदेशक उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी बनाया है। लखनऊ मेट्रो के विशेष कार्याधिकारी अजय आनंद वर्मा को औरैया का एसडीएम बनाया है। एलडीए के विशेष कार्याधिकारी शशि भूषण पाठक को अमरोहा का एसडीएम बनाया है। जितेंद्र कुमार को एसडीएम महराजगंज, आशुतोष कुमार को एसडीएम रामपुर, राहुल को एसडीएम मुजफ्फरनगर, अजय कुमार उपाध्याय को एसडीएम जौनपुर बनाया है। इसके अलावा, कडेदीन को एसडीएम हमीरपुर, सौरभ कुमार पांडेय को संभल, सुरेन्द्र नारायण त्रिपाठी को एसडीएम कासगंज, राजेश कुमार को एसडीएम बदायूं, संजय को एसडीएम आजमगढ़ बनाया गया है।

छपरा में व्यवसायी पर पेट्रोल बम से हमला

छपरा, 23 जून (एजेंसियां)। छपरा में नगर थाना क्षेत्र के पुरानी गुरहट्टी मोहल्ले में एक व्यवसायी पर पेट्रोल बम से हमला किया गया। सोमवार की सुबह हुई इस घटना में व्यवसायी दिवाकर गुप्ता बुरी तरह झुलस गए। उन्हें तुरंत सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। चेहरे, हाथ और पैरों में जलन के कारण उनकी स्थिति चिंताजनक है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, हमलावर सुबह के अंधेरे में दिवाकर के घर पहुंचे। उन्होंने पेट्रोल बम फेंका और फरार हो गए। धमाके की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई। नगर थाना पुलिस ने मौके से सबूत जुटाए हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

पीड़िता को मिलेगा मुआवजा

औरंगाबाद, 23 जून (एजेंसियां)। बिहार के औरंगाबाद जिले की एक विशेष पोक्सो अदालत ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के मामले में आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। स्पेशल पोक्सो कोर्ट के न्यायाधीश लक्ष्मीकांत मिश्रा ने सोमवार को सजा के बिंदु पर अंतिम सुनवाई करते हुए आरोपी को आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना नहीं देने की स्थिति में तीन महीने अतिरिक्त कारावास की सजा भी निर्धारित की गई है।

विशेष लोक अभियोजक (स्पेशल पीपी) शिवलाल मेहता ने बताया कि यह मामला औरंगाबाद महिला थाना कांड संख्या 66/23 एवं जीआर संख्या 145/23 से संबंधित है। कोर्ट ने 20 जून को गोह प्रखंड के उपहारा थाना क्षेत्र के हसामपुर गांव निवासी अभियुक्त कौशल कुमार उर्फ नटवर को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (ए)(बी) और पोक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत दोषी करार दिया था।

पीड़िता को मिलेगा मुआवजा

कोर्ट ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद को निर्देश दिया है कि पीड़िता को तीन लाख रुपये की क्षतिपूर्ति (मुआवजा) प्रदान की जाए, जिससे उसे आगे के पुनर्वास में मदद मिल सके।पीड़िता की ओर से दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, 29 नवंबर 2023 को वह खेत में घास काटने गई थी। इसी दौरान आरोपी ने उसका हाथ पकड़कर जबरदस्ती ज़मीन पर पटक दिया और मुंह दबाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पीड़िता को गंभीर चोटें आई थीं और उसके पेट से खून बहने लगा था। घटना के बाद से अभियुक्त पिछले एक वर्ष छह महीने और 21 दिनों से न्यायिक हिरासत में है।

बचाव पक्ष ने सजा में राहत की लगाई थी गुहार

अंतिम सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने कोर्ट से निवेदन किया कि अभियुक्त का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, वह संपन्न परिवार से है और उसका भविष्य बर्बाद न हो, इसलिए उसे कम सजा दी जाए। हालांकि, विशेष लोक अभियोजक ने अपराध की गंभीरता और पीड़िता की अल्पायु होने का हवाला देते हुए अधिकतम सजा की मांग की।

एक साल के भीतर सुनाया गया फैसला

इस मामले में पुलिस अवर निरीक्षक अनीता कुमारी समेत पांच गवाहों की गवाही हुई, वहीं बचाव पक्ष की ओर से तीन गवाह प्रस्तुत किए गए। 28 जून 2024 को आरोप गठन के बाद महज एक साल के भीतर कोर्ट ने इस मामले में निर्णय सुनाया, जो न्यायिक प्रक्रिया की त्वरित गति को दर्शाता है।

'स्कूल जाना चाहती हूं... मेरा एडमिशन करा दीजिए'

> जनता दर्शन में बोली बच्ची, बात सुन मुस्कुरा उठे सीएम योगी

लखनऊ, 23 जून (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान मुरादाबाद से वाची नाम की नन्हीं बच्ची अपनी बात लेकर मुख्यमंत्री के पास पहुंची। फरियाद सुनते हुए जब मुख्यमंत्री इस बच्ची के पास पहुंचे तो सबसे पहले उसका हाल पूछा। फिर उसका भी प्रार्थना पत्र लिया और पढ़ा।

इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाची से पूछा तू, स्कूल नहीं जाना चाहती है। इस पर बच्ची ने कहा कि 'नहीं, मैं स्कूल जाना चाहती हूं। मैं यह कह रही हूं कि आप स्कूल में मेरा एडमिशन करा दो'। इस पर मुख्यमंत्री ने पूछा, किस क्लास में... 10वीं या 11वीं में? बच्ची ने तपाक से उत्तर दिया- अरे, मुझे नाम नहीं पता। इस पर मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद को प्रार्थना पत्र सौंपा। कहा कि इस बच्ची का एडमिशन हर हर हाल में कराओ।

सीएम ने मुझे बिस्कुट और चॉकलेट भी दी

मुरादाबाद से आई वाची ने बताया कि मैं सीएम योगी से मिलकर आई हूं। मैंने उनसे कहा कि मेरा स्कूल में एडमिशन करवा दें। इस पर उन्होंने कहा कि मैं करवा दूंगा। इसके बाद कहा कि सीएम ने मुझे बिस्कुट और चॉकलेट भी दी।

डंपर और ट्रक की टक्कर में कटकर उछली क्लीनर की गर्दन

सहारनपुर, 23 जून (एजेंसियां)। बेहट कोतवाली क्षेत्र में दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे पर साइड में खड़े खनिज से भरे डंपर में पीछे से आए तेज रफ्तार खनिज से लदे ट्रक ने टक्कर मार दी। जिस समय डंपर में टक्कर लगी, उसका क्लीनर आबिद (30) पुत्र साबिर निवासी गांव कोखनी थाना खतौली मुजफ्फरनगर टायरों को चेक कर रहा था। टक्कर इतनी भीषण हुई कि डंपर आबिद को कुचलते हुए काफी दूर जाकर रुका। उसका सिर बुरी तरह से कुचला गया, जो धड़ से अलग हो गया था।

हादसा आधी रात के बाद बेहट व कलसिया के बीच वन विभाग की नर्सरी के पास हुआ। यहां कुछ खनिज वाहन साइड में लगे खड़े थे। सबसे पीछे आबिद का डंपर खड़ा था। आबिद डंपरों के टायरों को चेक कर रहा था। इसी दौरान बेहट की तरफ से गए खनिज से भरे लक्कड़ बॉडी ट्रक ने डंपर में टक्कर मार दी। डंपर आगे की तरफ कई मीटर तक चला गया और आबिद टायरों के नीचे कुचला गया।

करंट लगने से पांच साल के बच्चे ने तोड़ा दम

सूचना पर बाइक से घर जा रहे बाप की सड़क हादसे में मौत

उन्नाव, 23 जून (एजेंसियां)। उन्नाव जिले के रसूलाबाद कस्बे में रविवार रात दस बजे पंखे के कटे तार की चपेट में आने से पांच साल के बच्चे की मौत हो गई।

बेटे की मौत की सूचना पर घर जा रहे बाइक सवार पिता की सड़क हादसे में मौत हो गई। आसीवन थानाक्षेत्र के कस्बा रसूलाबाद निवासी अयांश (5) पुत्र विष्णु जायसवाल रविवार रात घर में करंट की चपेट में आ गया। सीएचसी ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

तेजप्रताप बोले-मेरी जान को खतरा है

साजिश कर पार्टी से निकाला गया, 4-5 लोगों का पर्दाफाश करूंगा; तेजस्वी सीएम बने मेरा आशीर्वाद है

पटना, 23 जून (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मंत्री और लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने अपनी जान का खतरा बताया है। उन्होंने एक बार फिर कहा कि 'साजिश के तहत मुझे पार्टी से निकाला गया है।' सोमवार को न्यूज एजेंसी से बात करते हुए तेजप्रताप ने कहा- 'लोगों ने मेरी निजी जिंदगी को लेकर उंगली उठाई, जिसे कोई बर्दाश्त नहीं करेगा। अगर लोग ज्यादा हम पर दबाव डालेंगे, तो हम कोर्ट का सहारा लेंगे।'

मैं डरने वाला नहीं हूं, मुकाबला करूंगा

आरजेडी और यादव परिवार से निकाले जाने पर तेजप्रताप यादव ने कहा- 'मैं डरने वालों में से नहीं हूं। मैं मुकाबला करूंगा। मैं उन 4-5 लोगों के नाम उजागर करूंगा, जिन्होंने मेरे साथ ऐसा किया है।' 'मैं कभी भी भटकूंगा नहीं। इसलिए हमें संगठन से, पार्टी से, परिवार से हर तरह से बेदखल कर दिया गया। मैंने कभी किसी के लिए गलत नहीं सोचा, मैंने हमेशा अपने माता-पिता का सम्मान किया है।' 'एक बड़ा भाई छोटे को आशीर्वाद ही दे सकता है। तेजस्वी मुख्यमंत्री बनें। आगे बढ़ने के लिए मेरा पूरा समर्थन और आशीर्वाद रहेगा। ये चुनावी साल है, तेजस्वी 2025 में मुख्यमंत्री बन जाएंगे। छोटे भाई को मेरा आशीर्वाद वो हमें हमेशा बड़े भाई के रूप में देखें।'

मेरे साथ अन्याय हुआ है, आवाज उठाऊंगा

'मैं आपको और बिहार की जनता को ये बताना चाहता हूं कि मेरे साथ अन्याय हो रहा है। ये कौन कर रहा है इसे सस्पेंस में छोड़ दीजिए।' 'चाहे सोशल मीडिया के माध्यम से हो, चाहे अखबार के माध्यम से हो या मंच के माध्यम से हो, सबने देखा है कि मेरे साथ कैसे अन्याय हुआ है। मैं इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाऊंगा।' तेजप्रताप ने आगे कहा-'जो भी परिस्थिति उत्पन्न हुई हैं, इसमें कोई मेरा साथ देने वाला नहीं है। दुख की घड़ी में कोई आपका साथ नहीं देता है। ये सत्य है।' जिस तरह से तस्वीरें वायरल हुईं, शादी की या बाकी सारी तस्वीरें जो वायरल हुईं, क्या ये सच है? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा- 'देखिए, वो हमारी निजी जिंदगी है। उसमें किसी को दखल देने का हक नहीं है। किसी के पास तस्वीर नहीं है। जिसको ज्यादा दिक्कत होगी, वो हमसे पूछेगा।'

4 दिन पहले चेतावनी भरे लहजे में कहा था-जनता मेरा फैसला करेगी

आरजेडी से निकालने के 24 दिन बाद पहली बार तेजप्रताप यादव ने चेतावनी भरे लहजे में अपनी बात रखी थी। गुरुवार को आरजेडी की राज्य परिषद की मीटिंग के बाद तेजप्रताप ने अपने X पर लिखा कि- 'मेरी खामोशी को मेरी कमजोरी समझने की भूल करने वालो, ये मत समझना कि मुझे तुम्हारी साजिशों का पता नही, शुरुआत तुमने की है अंत मैं करूंगा।' 'झूठ और फरेब के बनाए इस चक्रव्यूह को तोड़ने जा रहा हूं, तैयार रहना सच सामने आने वाला है, मेरी भूमिका मेरी प्यारी जनता और माननीय सर्वोच्च न्यायालय तय करेगा, कोई दल या परिवार नहीं।' लड़की के साथ फोटो-वीडियो वायरल होने के बाद लालू यादव ने 26 मई को तेजप्रताप को पार्टी और परिवार से निकाल दिया था।

जमीन विवाद में 2 गुट भिड़े

15 राउंड फायरिंग, गोली लगने से एक शख्स की मौत; पुलिस हिरासत में 6 लोग

मुजफ्फरपुर, 23 जून (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में 30 कड़ी जमीन के विवाद में दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों ओर से जमकर लाठी-डंडे चले। 15 राउंड फायरिंग हुई है। दो सगे भाइयों जितेंद्र भगत(41) और जय प्रकाश भगत(44) को गोली लगी है। जिसमें एक भाई जितेंद्र भगत की मौत हो गई। मारपीट में दोनों गुट से 6 लोग घायल हुए हैं। एसकेएमसीएच में इलाज चल रहा है। पूछताछ के लिए पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लिया है। घटना पारू थाना क्षेत्र के कोरिया निजामत गांव की है। घायल जय प्रकाश भगत ने बताया, '30 कड़ी जमीन का विवाद था। पूर्व में मापी कराई गई थी। इसके बाद भी विवाद खत्म नहीं हुआ। रविवार देर रात विवाद और बढ़ गया। रात करीब साढ़े 10 बजे घर से 50 मीटर दूर दुकान के पास टहल रहा था। इस बीच पड़ोसी अरविंद भगत, राजू भगत, रवि भूषण कुशवाहा, अरुण भगत, सुरेंद्र भगत, मनीष कुमार, अजय राय समेत 30 लोग हथियार से लैस होकर पहुंच गए।

प्रेमी ने युवती की गोली मारकर हत्या की

कन्नौज, 23 जून (एजेंसियां)। कन्नौज में युवक ने प्रेमिका की गोली मारकर हत्या कर दी। थोड़ी ही देर बाद खुद को भी गोली मार ली। युवक का शव तालाब के पास जबकि प्रेमिका का उसके कमरे में मिला। युवक के शव के पास लाइसेंसी बंदूक मिली, जो उसके पिता की है। मामला सौरिख थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव का है। सूचना मिलते ही एसपी विनोद कुमार पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सुल्तानपुर गांव की दीप्ति (22) पुत्री अशोक का पड़ोसी गांव कुठिला के रहने वाले देवांश (25) पुत्र महिपाल सिंह से प्रेम प्रसंग चल रहा था। 15 दिन पहले युवती के परिजनों ने उसकी शादी किसी दूसरी जगह तय कर दी।

'नड्डा के दबाव में सीएम ने कैबिनेट से किया बाहर'

गोवा के बर्खास्त मंत्री गोविंद गौड़े का बड़ा दावा

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। गोवा के पूर्व कला और संस्कृति मंत्री गोविंद गौड़े ने साफ किया कि वे न तो विधायक पद से इस्तीफा देंगे और न ही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) छोड़ेंगे। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी पूछा कि क्या यह गलत है कि कोई मंत्री किसी विभाग से जवाबदेही मांगता है। मंत्रिमंडल से निकाले जाने के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आए गौड़े ने गोवा के मार्सेल में प्रियोल प्रगति मंच के बैनर तले आयोजित एक मीटिंग में कहा कि 18 जून की शाम को उन्हें मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत का फोन आया था, जिसमें उनसे इस्तीफा देने को कहा गया था।

गौड़े ने कहा, 'उन्होंने कहा कि (बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष) जेपी नड्डा का दबाव था। मैंने साफ कर दिया कि मैं इस्तीफा नहीं दूंगा, क्योंकि मेरी लड़ाई हमेशा लोगों के लिए रही है। बाद में, मुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा कि यह उनका अपना फैसला था।' उन्होंने पूछा, 'क्या यह गलत है कि कोई मंत्री किसी विभाग से जवाबदेही की मांग करता है?'

18 जून को गौड़े को मंत्रिमंडल से बाहर किया

आदिवासी नेता गौड़े को 18 जून को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया था। उन्होंने लगभग तीन हफ्ते पहले आदिवासी कल्याण विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। यह विभाग मुख्यमंत्री सावंत के पास में था। यह पूरा का पूरा विवाद उस वक्त शुरू हुआ जब 25 मई को प्रेरणा दिवस के अवसर पर गौड़े ने आदिवासी कल्याण मंत्रालय के कामकाज पर कटाक्ष किया। उस दिन अपने भाषण में गौड़े ने कहा था, 'टैक्सपेयर्स के पैसे का एक बड़ा हिस्सा आदिवासी कल्याण विभाग को आवंटित किया जाता है। अगर यह विभाग इस कार्यक्रम को कुशलतापूर्वक आयोजित करने में असमर्थ है, तो यह प्रशासन पर नियंत्रण की कमी को दिखाता है। मेरे विचार से, आज प्रशासन कमजोर हो गया है। ठेकेदारों की फाइलें चुपके से श्रम शक्ति भवन की इमारत में संभाली जाती हैं। उनसे कुछ लिया जाता है, फिर उनसे अपनी फाइलें जमा करने के लिए कहा जाता है।'

आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए लड़ता रहूंगा—बीजेपी विधायक

रविवार को एक घंटे के भाषण में गौड़े ने कहा कि वह बीजेपी नहीं छोड़ेंगे और आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं पार्टी से इस्तीफा देने के लिए बीजेपी में शामिल नहीं हुआ हूं।' विधायक ने यह भी दावा किया कि 2022 में बीजेपी में शामिल होने के बाद से पिछले साढ़े तीन साल में उन्हें दिल्ली में पार्टी आलाकमान से मिलने की इजाजत नहीं दी गई। गौड़े ने कहा कि वह दिल्ली में किसी से मिले बिना पार्टी में शामिल हो गए क्योंकि उन्हें राज्य नेतृत्व पर पूरा भरोसा था। उन्होंने कहा, 'जीतने और मंत्री बनने के बाद, मैंने केंद्रीय पार्टी नेतृत्व से मिलवाने का अनुरोध किया। बैठक की व्यवस्था कभी नहीं की गई। अब मुझे समझ में आने लगा है कि ऐसा क्यों किया गया।'

पीएम मोदी और जेपी नड्डा को जानकारी दी

गौड़े ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा को पत्र लिखकर उन्हें राज्य में हो रही घटनाओं के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा, 'मैं इस भाषण को हिंदी, अंग्रेजी और मराठी में भी लिखूंगा और दिल्ली में नेताओं को भेजूंगा ताकि कोई गलत कहानी न गढ़ सके।'

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर परिकर के जीवन पर लिखी गई एक किताब का हवाला देते हुए गौड़े ने कहा कि जब पर्रिकर बीमार थे और 2019 में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, तो उन्होंने गौड़े को फोन करके बताया था कि वह एमजीपी नेता सुदीन धवलीकर को कैबिनेट का नेतृत्व करने के लिए कहने पर विचार कर रहे हैं। गौड़े ने कहा कि उन्होंने इस कदम का विरोध किया और सावंत का नाम सुझाया।

पंजाब में नया सियासी बवाल

कैबिनेट ने मुख्य सचिव को सौंपी सभी हाउसिंग डेवलपमेंट की कमान, विपक्ष हमलावर

चंडीगढ़, 23 जून (एजेंसियां)। पंजाब के सभी हाउसिंग डेवलपमेंट की कमान मुख्य सचिव को सौंपने को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ गया है। शिरोमणि अकाली दल, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी ने इसे लेकर आप सरकार पर सियासी हमला बोला है। विपक्ष ने कहा है कि पहली बार किसी सीएम से शक्तियां लेकर ब्यूरोक्रेसी को दी गई है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। शिअद प्रधान सुखबीर बादल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर कहा कि पंजाब की जमीन और विकास का कंट्रोल उस अधिकारी के जरिये आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को सौंप दिया गया है, जो उनका करीबी है। सीएम ने पूरी तरह से सरेंडर कर दिया है। सुखबीर ने आरोप लगाया कि यह पंजाब के साथ धोखा है। प्रदेश को पूरी तरह से अब गैर पंजाबी कंट्रोल कर रहे हैं। सरकार पंजाब की जमीन अधिग्रहण करने की तैयारी कर रही है, जिसमें लुधियाना की 24 हजार एकड़ भी शामिल है, जिसका हमारी पार्टी कड़ा विरोध करेगी।

विपक्ष के नेता प्रताव बाजवा ने कहा कि मुख्य सचिव की शक्तियों में विस्तार करना पंजाब के आत्मसम्मान पर हमला है। लोगों को आप नेताओं से पूछना चाहिए कि आज पंजाब पर वास्तव में कौन शासन करता है। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू ने कहा कि कुछ दिन पहले सीएम ने एक फाइल पर हस्ताक्षर नहीं किए थे और अब वे सीएम से शक्तियां लेकर मुख्य सचिव को दे रहे हैं। अब दिल्ली की टीम भूमि और आवास से संबंधित हर चीज का फैसला करेगी। वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि इस तरह की बयानबाजी ध्यान भटकाने के लिए की जा रही है, क्योंकि इससे पंजाब में विकास कार्य रफ्तार पकड़ेंगे। देश के सभी बड़े शहरों में आईएएस अधिकारी के पास ही हाउसिंग डेवलपमेंट की कमान है।

पत्नी की हत्या का दोषी पाया गया 71 वर्षीय बुजुर्ग, अदालत ने सुनाई उम्रकैद की सजा

ठाणे, 23 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक 71 वर्षीय बुजुर्ग को अपनी बीमार पत्नी की हत्या का दोषी पाया गया है। अदालत ने दोषी पति को सश्रम उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने सजा सुनाते हुए कहा कि दोषी ने जानबूझकर और सोची समझी साजिश के तहत अपनी बीमार पत्नी की हत्या की। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वीएल भोसले ने आरोपी शोभनाथ राजेश्वर शुक्ला को पत्नी शारदा की हत्या का दोषी पाया और आईपीसी की विभिन्न धाराओं में उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

दंपति के बीच होता था विवाद

शारदा एक विधवा थी और उसने शोभनाथ से दूसरी शादी की थी। शोभनाथ की भी ये दूसरी शादी थी और उसकी पहली पत्नी की मौत हो गई थी। शारदा के पहली शादी से तीन बेटे थे। शारदा और शोभनाथ के बीच संपत्ति को लेकर विवाद था। दरअसल शारदा ने अपने पहले पति की संपत्ति बेचकर एक कमरे का निर्माण कराया था।

शारदा इस कमरे को अपने छोटे बेटे को देना चाहती थी, जबकि शोभनाथ इसे अपने बेटे को दिलाना चाहता था। साल 2019 में गिरने की वजह से शारदा चलने फिरने में असमर्थ हो गई थी और पूरे समय बिस्तर पर ही लेटे रहती थी। शारदा के बेटों ने भी शोभनाथ के खिलाफ गवाही दी और बताया कि शोभनाथ अक्सर शारदा को बोझ बताता था और उसे मारने की धमकी देता था। हालांकि बचाव पक्ष ने दावा किया कि शारदा ने आत्महत्या की।

हालांकि अभियोजन पक्ष ने इस दावे को खारिज कर दिया और बताया कि शारदा बिस्तर पर लेटी रहती थी और वह आत्महत्या नहीं कर सकती थी। सुनवाई के बाद जज ने माना कि शोभनाथ ने ही अपनी पत्नी शारदा की गला दबाकर हत्या की और उसे सश्रम उम्रकैद की सजा सुनाई।

अब होटल, गेस्ट हाउस और मनोरंजन पार्क के लाइसेंस नगर निकाय देंगे

सरकार ने दिल्ली पुलिस को किया मुक्त

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। राजधानी में व्यापार को आसान बनाने के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। अब होटल, गेस्ट हाउस, स्विमिंग पूल, वीडियो गेम पार्लर, ऑडिटोरियम और मनोरंजन पार्क जैसे सात कामों के लाइसेंस पुलिस की जगह नगर निकाय और संबंधित विभाग जारी करेंगे। दिल्ली सरकार ने कारोबारियों के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल और तेज करने के लिए ये कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल वीके सक्सेना का आभार जताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये डबल इंजन सरकार का तोहफा है। अब से लाइसेंस नगर निगम, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद और कैंटोनमेंट बोर्ड जैसे निकाय जारी करेंगे। पहले यह जिम्मेदारी पुलिस के पास थी, जिससे कारोबारियों को लाइसेंस पाने में देरी होती थी।

यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' और 'व्यापार की आसानी' के सिद्धांत पर लिया गया है। गृहमंत्री अमित शाह की सोच है कि पुलिस को लाइसेंसिंग जैसे गैर-जरूरी कामों से मुक्त कर कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण पर ध्यान देने का मौका मिले।

उन्होंने इसके लिए उपराज्यपाल विनय सक्सेना के समर्थन को भी महत्वपूर्ण बताया।

आपातकाल के 50 वर्ष

भाजपा ने इमरजेंसी को बताया काला अध्याय, मैदान में उतारे दिग्गज, सीएम करनाल में होंगे वक्ता

चंडीगढ़, 23 जून (एजेंसियां)। देश में आपातकाल को भाजपा ने काला अध्याय बताया है। भाजपा ने 25 जून को आपातकाल के 50 वर्ष होने पर मैदान में दिग्गजों को उतारेगी और जन-जन को आपातकाल से देश को हुए राजनीतिक नुकसान के बारे में यह वक्ता बताएंगे। संगठन के लिहाजे से भाजपा ने सभी 27 जिलों में दो-दो वक्ताओं को तैनात किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को करनाल तो प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली को पंचकूला का जिम्मा सौंपा गया है। वहीं, फरीदाबाद में वक्ता के रूप में केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल वक्ता होंगे।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं कार्यालय प्रभारी सुरेंद्र पूनिया ने आपातकाल के काले अध्याय का 50 वर्ष कार्यक्रम के लिए जिलावार वक्ताओं की ड्यूटी लगाई है। रविवार को जारी पत्र के अनुसार, अंबाला में असीम गोयल, यमुनानगर में शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, कुरुक्षेत्र में प्रो. एसपी सिंह बघेल वक्ता होंगे। कैथल में सहकारिता मंत्री डा. अरविंद शर्मा और उनके साथ रेणु डाबला को वक्ता लगाया है। पानीपत में कंवरपाल गुर्जर, सोनीपत में निकाय मंत्री विपुल गोयल, गोहाना में राज्यसभा सदस्य रामचंद्र जांगड़ा वक्ता के रूप में नियुक्त किए गए हैं। जींद में इसी तरह से डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, रोहतक में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डा. कमल गुप्ता के साथ गुलशन भाटिया को वक्ता के रूप में लगाया है। झज्जर में पंचायती राज मंत्री कृष्णलाल पंवार और डबवाली में मंत्री कृष्ण बेदी को वक्ता का जिम्मा सौंपा गया है। सिरसा में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, हांसी में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, हिसार में राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला, फतेहाबाद में सुरेंद्र पूनिया, भिवानी में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर और दादरी में प्रदीप जैन वक्ता बतौर आपातकाल की खामियों को बताएंगे। रेवाड़ी में पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा, महेंद्रगढ़ में सुनील ग्रोवर को तैनात किया गया है। गुरुग्राम में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, गुरुग्राम ग्रामीण में गोविंद भारद्वाज, नूंह में मंत्री राजेश नागर, पलवल में खेल मंत्री गौरव गौतम, बल्लभगढ़ में राज्यसभा सदस्य रेखा शर्मा वक्ता होंगी।

डीआरडीओ और भारत फोर्ज मिलकर बनाएंगे सीक्यूबी कार्बाइन

भारतीय सेना से मिला दो हजार करोड़ का ठेका

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। भारतीय सैनिकों के हाथ में जल्द ही स्टर्लिंग कार्बाइन की जगह आधुनिक मशीन गन नजर आएगी। भारतीय सेना में सैनिक क्लोज क्वार्टर बैटल (सीक्यूबी) कार्बाइन का इस्तेमाल करते नजर आएंगे। सेना ने रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारत फोर्ज लिमिटेड को सीक्यूबी कार्बाइन बनाने का ऑर्डर दिया है। दो हजार करोड़ के के इस ठेके के साथ डीआरडीओ और भारत फोर्ज लिमिटेड को सेना की प्रमुख खरीद निविदा में सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी (L1) के तौर पर चुना गया है।

डीआरडीओ ने बताया कि 5.56x45 मिमी सीक्यूबी कार्बाइन को डीआरडीओ के आयुध अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई) डीआरडीओ ने डिजाइन और विकसित किया है। साथ ही भारत फोर्ज लिमिटेड ने बनाया है। दोनों के प्रस्ताव को भारतीय सेना आरएफपी (प्रस्ताव के लिए अनुरोध) में एल1 के रूप में चुना गया है। बताया जाता है कि भारत फोर्ज की सहायक कंपनी कल्याणी स्ट्रेटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड की पुणे इकाई में कार्बाइन का

उत्पादन किया जाएगा।

यह अनुबंध दो हजार के दशक में सेना में इंसास राइफल के शामिल होने के बाद भारत में डिजाइन, विकसित और निर्मित हथियार प्रणाली के लिए सबसे बड़ा है।

स्टर्लिंग कार्बाइन से बदलने की तैयारी

भारतीय सेना में मौजूदा समय में 1940 में डिजाइन की गई सब मशीन गन स्टर्लिंग कार्बाइन का उपयोग किया जाता है। सेना लंबे समय से स्टर्लिंग कार्बाइन को बदलने की तैयारी कर रही थी। स्टर्लिंग कार्बाइन मौजूदा युद्ध परिस्थितियों के हिसाब से पुरानी मानी जाती है। इसलिए, पुणे में डीआरडीओ के आयुध अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई) ने नई कार्बाइन डिजाइन का संकल्प लिया।

नई कार्बाइन की विशेषताएं

5.56x45 मिमी सीक्यूबी कार्बाइन की विशेषता है कि यह हल्की, नजदीकी मुठभेड़ों में सटीक जवाब देने में सक्षम है। इसमें कई आधुनिक विशेषताएं हैं। इसके डिजाइन में ऑप्टिक्स, लेजर डिजाइनर और सहायक उपकरण लगाए गए हैं। इस कार्बाइन का निर्माण फोर्ज की पुणे मे इकाई में होगा।

भारतीय सेना के एल1 बोलीदाता के रूप में डीआरडीओ और भारत फोर्ज के चयन से साफ है कि इसमें सभी तकनीकी जरूरतों को पूरा करते हुए सबसे कम कीमत पेश की और बड़ा अनुबंध हासिल किया।

बम विस्फोट की झूठी धमकियां भेजने वाली चेन्नई से गिरफ्तार; वडोदरा के स्कूल को मिली बम की झूठी धमकी

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद साइबर क्राइम यूनिट ने फर्जी बम धमकियों के सिलसिले में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चेन्नई की एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रेनी जोशिल्डा के रूप में हुई है। वह रोबोटिक्स में प्रशिक्षित है और वर्तमान में डेलॉइट में वरिष्ठ सलाहकार के रूप में कार्यरत है।

एकतरफा प्रेम में थी महिला

संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध शाखा) शरद सिंघल ने बताया कि रेनी जोशिल्डा दिविज प्रभाकर नामक व्यक्ति से एकतरफा प्रेम में थी और उनसे शादी करना चाहती थी। लेकिन फरवरी 2025 में दिविज ने दूसरी महिला से शादी कर ली। इसके चलते वह दिविज प्रभाकर के नाम से कई ईमेल आईडी बनाकर उसे फंसाना चाहती थी। वह धमकियाँ भेजने के लिए डार्क वेब का इस्तेमाल करती थी और कभी भी अपने डिजिटल ट्रेल का खुलासा नहीं करती थी। लेकिन एक छोटी सी गलती ने पुलिस को सुराग दे दिया। देश के 11 राज्यों की पुलिस इस केस में अहमदाबाद साइबर यूनिट के संपर्क में है।। इस गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने एक बड़े साइबर मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है।

एक साल में स्कूल को दूसरी बार मिला फर्जी बम भरा ईमेल

वडोदरा के समा इलाके के एक निजी स्कूल को आज सुबह बम की धमकी से संबंधित एक ईमेल मिला। इसके बाद स्कूल से छात्रों को वास घर भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि पिछले पांच महीने में इस शैक्षणिक संस्थान को यह दूसरी धमकी मिली है। इससे पहले 24 जनवरी को स्कूल को बम की धमकी मिली थी। एक अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक एवं निरोधक इकाई के साथ खोजी कुत्तों ने तीन घंटे तक तलाशी की।

इस दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिसके बाद धमकी को अफवाह घोषित कर दिया गया। पुलिस निरीक्षक एम.वी. राठौड़ ने बताया कि स्कूल प्रशासन ने सोमवार सुबह बम विस्फोट की धमकी वाले ई-मेल के बारे में पुलिस को सूचित किया और छात्रों को घर वापस भेज दिया।

अब कैदी बनाएंगे रजिस्टर, प्रशासन ने तैयार किया प्रस्ताव

तिहाड़ जेल में बढ़ेगा रोजगार

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। तिहाड़ जेल में रोजगार और जेल में परिचालन खर्च में कटौती करने के लिए जेल प्रशासन नई निर्माण इकाइयां स्थापित करने की तैयारी कर रही है। जेल में बंद कैदी जल्द ही वहां रजिस्टर बनाते दिखेंगे, जिसका इस्तेमाल जेलकर्मी करेंगे। जेल प्रशासन ने रजिस्टर के साथ-साथ अन्य वस्तुओं के उत्पादन के लिए इकाइयों की स्थापना का प्रस्ताव तैयार किया है। इसे जल्द ही सरकार को भेजा जाएगा। दिल्ली के तिहाड़ जेल में 20 हजार कैदी बंद हैं। कैदियों की सुधार के लिए जेल प्रशासन रोजगार देने के लिए जुट गई है, ताकि जेल से बाहर निकलने के बाद कैदी अपराध के रास्ते पर जाने के बजाए अपने हुनर के मुताबिक काम करने लगें। अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि कैदियों को रोजगार के साथ-साथ जेल में होने वाले खर्च को कम करना जेल प्रशासन की प्राथमिकता है।

जेल में इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर वस्तु जेल के कारखाने में ही तैयार किए जाते हैं। इसमें फाइल, साबुन, मिठाइयां, मसाला, तेल, ब्रेड, बिस्कुट, फर्नीचर, एलईडी लाइट, कंबल, चादर सहित अन्य चीजें शामिल है। इसमें से कुछ सामान को बाहर भी बिक रहे हैं, जिससे जेल की कमाई हो रही है। कैदियों के बनाए गए फाइल का इस्तेमाल अदालतों और सरकारी दफ्तरों में हो रहा है। वहीं फर्नीचर दिल्ली सरकार के स्कूलों में इस्तेमाल हो रहे हैं। जेल में तैयार बेकरी और कपड़े तिहाड़ के आउटलेट और बाजार में उपलब्ध है। जेल में जल्द ही दो इकाइयों को लगाने का प्रस्ताव है। एक में रजिस्टर के साथ-साथ चप्पल, टूथपेस्ट और अंडरवियर तैयार करने का प्रस्ताव है। प्रस्ताव को जल्द ही जेल के आला अधिकारियों की स्वीकृति के बाद सरकार को भेजा जाएगा।

सात से दस हजार रुपये कमाते हैं कैदी

जेल के इकाइयों में काम करने वाले कैदियों को उनके हुनर के अनुसार वेतन दिए जाते हैं। एक अकुशल कैदी प्रतिमाह सात हजार रुपये कमाते हैं, वहीं छह माह के काम का अनुभव होने के बाद उनका वेतन दस हजार हो जाता है। रजिस्टर इकाई में कैदियों को पन्नों को रंगने, प्रिंट करने और बाइंड करने जैसे कार्य करने होंगे। जेल के अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि यहां के नियम के मुताबिक जेल में बंद कम से कम आठ फीसदी कैदियों को किसी न किसी प्रकार का रोजगार प्रदान करने का है।

दुश्मन को हवा में खोजकर तबाह कर सकता है 'नागास्त्र'

रात में भी चकमा नहीं दे सकता कोई

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने स्वदेश में बने अत्याधुनिक लुइटरिंग म्यूनिशन नागस्त्र-1आर की पहली खेप हासिल कर ली है। नागपुर की सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड द्वारा बनाए गए इस हथियार को सेना की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए मंगवाया गया है। सेना ने कुल 450 नागस्त्र-1आर मंगाने का ऑर्डर दिया है। यह एक ऐसा हथियार है जो दुश्मन पर नजर रखने के साथ-साथ उसे हवा में ही खोजकर तबाह करने की क्षमता रखता है। खास बात ये है कि यह सिस्टम पूरी तरह से देश में बना है और इसमें 80 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल हुआ है। इसमें कई सेंसर लगे हैं, जिससे रात में भी ऑपरेशन संभव है। आइए इस रिपोर्ट में जानते हैं कि ये शस्त्र भारत के लिए कितना अहम है और साथ ही ये भी समझेंगे कि ये कितना ताकतवर है।

हवा में मंडराकर हमला करने वाला सिस्टम

नागस्त्र-1 एक लोइटरिंग म्यूनिशन है, जिसे आम भाषा में 'घूमकर हमला करने वाला हथियार' कहा जा सकता है। यह एक तरह से हवाई एंबुश यानी घात लगाकर हमला करता है। दुश्मन के इलाके में उड़कर पहुंचने के बाद यह लक्ष्य के ऊपर हवा में मंडराता है और जैसे ही सही मौका मिलता है, यह सटीक निशाना लगाकर दुश्मन को खत्म कर सकता है। खास बात यह है कि अगर हमला रद्द करना हो तो इसे वापस भी बुलाया जा सकता है, जिससे यह दुबारा इस्तेमाल किया जा सकता है।

जीपीएस आधारित सटीक हमला

नागस्त्र-1 को जीपीएस आधारित तकनीक से लैस किया गया है, जिससे यह दुश्मन पर बेहद सटीक हमला कर सकता है। कंपनी के मुताबिक, यह 2 मीटर सीईपी यानी सिर्फ 2 मीटर के भीतर ही निशाना लगाने में सक्षम है। इतना ही नहीं, जब यह कामिकाजे मोड (आत्मघाती हमला) में जाता है, तो यह दुश्मन के ठिकानों पर खतरनाक हमला कर सकता है, जिससे दुश्मन को भारी नुकसान होता है।

रडार से बच निकलने की खासियत

नागस्त्र-1 को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह दुश्मन की रडार तकनीक से बच निकलता है। यह 4,500 मीटर से ज्यादा ऊंचाई तक उड़ सकता है और वहां से दुश्मन पर नजर रख सकता है। इसकी यह खूबी इसे दुश्मन के इलाके में गुपचुप पहुंचने और वहां से सुरक्षित हमले करने में मदद करती है। खासतौर पर आतंकवादियों के काफिले पर इसका इस्तेमाल कारगर हो सकता है।

रेंज और संचालन क्षमता में सबसे आगे

इस फिक्स्ड-विंग इलेक्ट्रिक यूएवी की 'मैन-इन-लूप' रेंज 15 किलोमीटर है, जबकि ऑटोनोमस मोड में यह 30 किलोमीटर तक ऑपरेट हो सकता है। इसकी एंड्योरेंस यानी हवा में लगातार बने रहने की क्षमता 60 मिनट तक की है। यानी यह एक घंटे तक दुश्मन के इलाके में मंडराता रह सकता है और जैसे ही मौका मिले, हमला कर सकता है। नागस्त्र-1 को भारत में ही डिजाइन और डेवलप किया गया है।

रात में भी दुश्मन पर नजर रखने की ताकत

नागस्त्र-1 में 360 डिग्री जिम्बल कैमरा लगा है, जिससे यह हर दिशा में नजर रख सकता है। इसके साथ ही इसमें थर्मल कैमरे लगाने का विकल्प भी है, जिससे रात के समय या कम रोशनी में भी दुश्मन पर नजर रखी जा सकती है। यह ऑपरेशन के दौरान बेहद अहम साबित होता है।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अहम कदम

नागस्त्र-1 की पहली खेप सेना को मिलना भारत की रक्षा क्षमताओं में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सेना ने आपातकालीन खरीद नीति के तहत कुल 480 लोइटरिंग म्यूनिशन का ऑर्डर दिया है। यह देश के सैन्य ढांचे को और मजबूत करेगा। आने वाले समय में ऐसे और भी अत्याधुनिक स्वदेशी हथियार सेना को मिल सकते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 24 जून - 2025

ट्रंप का बिना शर्त समर्थन!

इजरायल ने गाजा, लेबनान और ईरान के खिलाफ एक साथ युद्ध छेडकर खुद ही मुसीबत मोल ले ली है। यह रणनीति एक छोटे से देश के लिए असाधारण ही मानी जा सकती है। इजरायल को इस बात का गुमान था कि उसकी सैन्य और कूटनीतिक साझेदारी तो जबर्दस्त है ही साथ ही उसे अमेरिका का भरपूर समर्थन है। बता दें कि जब 1948 में इजरायल का गठन किया गया था तब कई मुस्लिम देशों ने इसे मान्यता नहीं दी थी, लेकिन अमेरिका ने इसे पूर्ण समर्थन दिया था। यही वजह है कि आज यह अमेरिका के प्रॉक्सी के रूप में कार्य करने में गर्व महसूस करता है। इजरायल की सैन्य ताकत का आधार इसकी ऐतिहासिक जड़ें और लोगों की प्रखर बुद्धि में है। बाइबल में यहूदियों के घूमने और बाद में देश बनाने की बात ने एक ऐसी संस्कृति को जन्म दिया, जहां हर व्यक्ति- चाहे लड़का हो या लड़की- लड़ाई के लिए तैयार रहता है। इजरायल ने तकनीकी क्षेत्र में जो अभूतपूर्व प्रगति की है, उसका उदाहरण दुनिया में और कहीं नहीं मिलता। पेगासस जैसे जासूसी सॉफ्टवेयर, उन्नत हथियार प्रणालियां और साइबर सुरक्षा में वह विश्व में अग्रणी है। अमेरिका का साथ मिला तो वह और मजबूत बन गया, जिसमें विमान, मिसाइलें और खुफिया जानकारी शामिल हैं। इसकी प्रौद्योगिकी न केवल इसकी अपनी जरूरतों को पूरा करती है, बल्कि यह अमेरिकी रक्षा और बिजनेस उद्योगों में भी योगदान देती है। इतने बड़े पैमाने पर सैन्य अभियानों की लागत आसमान छूती है, जिसमें हवाई हमले, मिसाइल रक्षा और सैन्य तैनाती शामिल हैं। इजरायल इसे अपने आर्थिक संसाधनों, अमेरिकी सहायता और उन्नत तकनीक की मदद से अंजाम देता है। कुछ मानते हैं कि यह दीर्घकालिक कर्ज भी ले सकता है, लेकिन तकनीकी दक्षता और अमेरिका से मिलने वाली वित्तीय मदद इसे स्थिर रखती है। इजरायल हथियार प्रणालियां, मिसाइलें और हवाई जहाज अक्सर अमेरिका से सहायता लेकर बनाता है। हालांकि, लगातार युद्धों को झेलने की वजह से इसकी जनसंख्या पर दबाव और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप शासन के दौरान इजरायल को अमेरिका का जबर्दस्त समर्थन मिल रहा है। यही वजह है कि अमेरिका ने ईरान के न्यूक्लियर ठिकाने पर अचानक हमला भी किया है। सवाल है कि क्या अमेरिकी सैन्य मदद के बिना इजरायल ऐसे युद्ध लंबे समय तक लड़ सकता है? शायद नहीं। मोसाद और आईडीएफ इजरायल की रीढ़ हैं। ईरान में न्यूक्लियर साइंटिस्ट्स और सेना कमांडरों की हत्याएं इसकी सटीकता का सबूत हैं। मोसाद को विश्व की सबसे प्रभावी और खतरनाक खुफिया एजेंसियों में माना जाता है, जो जासूसी और लक्षित हमलों में माहिर है। क्योंकि इसकी तकनीक और योजना बेजोड है। दूसरी ओर उसका पाला ईरान से पड गया है जो अपनी मिसाइलों, ड्रोनों और प्रॉक्सी समूहों के जरिए इजरायल का जबर्दस्त जवाब दे रहा है। ईरान को चीन और रूस से हथियार मिल रहे हैं। अमेरिका ईरान के कट्टरपंथी शासन का प्रभाव खत्म करना चाहता है। शाह रजा पहलवी के समय ईरानी महिलाएं पूरी तरह से आधुनिक थीं, लेकिन कट्टरपंथियों के शासन में आने पर सबकुछ बदल गया है। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध और 1972 के शिमला समझौते से सबक लेते हुए पाकिस्तान ने परमाणु शक्ति हासिल की। तब जुल्फिकार अली भुट्टो ने कहा था कि 'पाकिस्तान हजार साल तक घास खाएगा, लेकिन परमाणु बम बनाएगा।' अमेरिका ने पाकिस्तान को नहीं रोका, लेकिन ईरान पर सख्ती क्यों? यह अमेरिकी नीति का दोहरा चरित्र नहीं तो और क्या है? आज भी पाकिस्तान की न्यूक्लियर क्षमता इजरायल के लिए खतरा है और इससे क्षेत्रीय संतुलन बिगड़ रहा है। क्या अमेरिका का ईरान पर ध्यान केवल अपने हितों के लिए है। मध्य पूर्व में अमेरिका, इजरायल के जरिए ईरान को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा है। 56 मुस्लिम देशों में सुन्नी-शिया विभाजन इसे और जटिल बनाता है। अमेरिका ने मध्य पूर्व में हथियार और विमान तैनात कर रखे हैं, जो रूस और चीन के खिलाफ इस्तेमाल हो सकते हैं। भारत जैसे देश भी इस खेल में अपनी कूटनीति से संतुलन बनाए हुए हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री के कनाडा दौरे के बाद देखा गया। इस बीच, अमेरिका की इस युद्ध में आगे क्या भूमिका रहती है, इस पर भी दुनिया की निगाह है।

क्या विश्व युद्ध के कगार पर है मानवता?

सुरेश गांधी

ट्रम्प का "अमेरिका फर्स्ट" एजेंडा जितना उनके देश के लिए बना था, उतना ही बाकी देशों के लिए परेशानी का कारण बन गया। नाटो देशों को चेतावनी दी कि खर्च बढ़ाओ वरना अमेरिका सुरक्षा नहीं देगा। जलवायु समझौतों और अंतरराष्ट्रीय संधियों से खुद को अलग कर लिया। ईरान परमाणु समझौते से हटना, मध्य-पूर्व में अस्थिरता की बड़ी वजह बना। चीन पहले ही ताइवान को लेकर आक्रामक है। ट्रम्प के दौर में चीन से रिश्ते सबसे निचले स्तर पर पहुंचे। उनके आने से आशंका है कि ताइवान मुद्दा अमेरिका-चीन के बीच सीधे टकराव का रूप ले सकता है। ट्रम्प की मध्य-पूर्व नीति ने फिलिस्तीनियों को नाराज किया और इस्राइल को खुला समर्थन दिया। फिलिस्तीन में विरोध भड़का और ईरान-इस्राइल के रिश्ते और तल्ख हुए। अब ट्रम्प की वापसी वहां नई लड़ाई की आशंका को बल दे रही है। आज जब दुनिया यूक्रेन युद्ध, ताइवान तनाव और पश्चिम एशिया के संघर्ष से जूझ रही है, ऐसे में ट्रम्प जैसे नेता की दादागिरी इसे और विस्फोटक बना सकती है।

इजराइल-ईरान युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका पर अब सवाल उठ रहे हैं. उन पर इजराइल को धोखा देने का आरोप लग रहा है। ट्रंप ने कहा है, 'मैं अगले दो हफ्तों के भीतर जाने या न जाने का फैसला करूंगा।' इस बीच, इजराइल बिना अमेरिकी मदद के भी ईरान के खिलाफ कार्रवाई जारी रखे हुए है, जबकि ईरान भी झुकने को तैयार नहीं है। युद्ध में अमेरिका के शामिल होने को लेकर एक बड़ा बयान सामने आया है. इस बयान में कहा गया है कि जंग में शामिल होने का अंतिम फैसला ट्रंप को लेना है. वहीं, इजराइल ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका इस युद्ध में शामिल हो या न हो, वह अपनी बेहतरी के लिए लगातार काम करता रहेगा. ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है क्या डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सामने इजरायल को अकेला छोड़ा? बता दें, इजरायल और ईरान के बीच 10 दिनों से जारी संघर्ष ने दुनियाभर के देशों की चिंता बढ़ा दी है. इजरायल के हवाई हमलों और ईरान के मिसाइल हमलों के बीच विश्व समुदाय युद्ध के विस्तार को लेकर सतर्क है.

फिलहाल अमेरिकी सरकार अभी सीधे युद्ध में शामिल नहीं हुई है, इसके पीछे भारी आर्थिक खर्च और कूटनीतिक पहल बताया जा रहा है. तर्क है अगर आप युद्ध में उतरते हैं तो हर दिन अरबों रुपये खर्च होंगे. इजरायल, पिछले दो सालों से फिलिस्तीनी आतंकी संगठन हमास से लड़ रहा था और अब वो पिछले 10 दिनों से ईरान से जंग लड़ रहा है. अभी की जो स्थिति है उसमें इजरायल, ईरान के साथ युद्ध में बहुत दिनों तक टिक नहीं पाएगा, क्योंकि ..इजरायल पहले से ही फिलिस्तीन के साथ चल रहे युद्ध में काफी खर्चा कर चुका है. ईरान के साथ युद्ध में इजरायल हर दिन करीब 6 हजार 300 करोड़ रुपये खर्च कर चुका है. फिलिस्तीन युद्ध की वजह से इजरायल पर पहले से ही आर्थिक बोझ था, जो ईरान युद्ध की वजह से और बढ़ गया है. इजरायल के वित्त मंत्रालय का कहना है कि साल 2025 में देश की आर्थिक विकास दर का अनुमान पहले 4.6 प्रतिशत लगाया था. लेकिन अब उसे घटाकर 3.6 प्रतिशत कर दिया गया है. युद्ध की वजह से फैक्ट्रियों में प्रोडक्क्शन और लोगों की प्रोडक्टिविटी में कमी आई है, जिससे आर्थिक विकास रुक गया है. इजरायल की जीडीपी का 7 प्रतिशत हिस्सा रक्षा खर्च में जा रहा है जो यूक्रेनके बाद दूसरे नंबर पर है. रक्षा खर्च बढ़ने से बजट पर असर हो रहा है.

अगर इजरायल-ईरान में युद्ध परमाणु त्रासदी तक पहुंचा तो, इस मौके का कई देश फायदा उठाना चाहेंगे. सबसे पहले ईरान के साथ खड़े चीन और रशिया, अमेरिका से भिड़ जाएंगे. अमेरिका और यूरोपीय देश मिलकर ईरान, चीन और रशिया पर मिसाइल अटैक कर सककर सकते हैं, और इसके जवाब में चीन और रशिया भी मिसाइल हमले करेंगे. ईरान भी इजरायल पर बड़े हमले शुरू कर देगा और इस बार उसके साथ इजरायल के पुराने दुश्मन भी होंगे. इजरायल को हराने के लिए ईरान, लेबनान, सीरिया और मिस्र एक साथ हमला कर सकते हैं. जिसमें मिस्र और लेबनान की थल सेना, इजरायल के न्यूक्लियर फेसिलिटेज़ी पर कब्जा करेंगी. उधर, ईरान और लेबनान मिलकर तेल अवीव पर मिसाइल हमले करते रहेंगे. अमेरिका अपनी लड़ाई में व्यस्त होगा, इसीलिए वो अपना ही राग अलापता नजर आयेगा। सवाल अब ये नहीं है कि ट्रंप क्या करेंगे, सवाल ये है कि क्या दुनिया ट्रंप जैसे नेता को युद्ध और शांति के बीच संतुलन का सूत्रधार मान सकती है? देखा जाएं तो डोनाल्ड ट्रंप एक ऐसा नाम है जो कभी अब्राहमिक समझौतों के लिए नोबेल पुरस्कार की चर्चा में था, तो कभी मध्य-पूर्व की राजनीति में एक तानाशाही दखल के लिए बदनाम। लेकिन आज, जब इज़राइल और ईरान युद्ध के सबसे भयावह मोड़ पर हैं, तब सवाल उठ रहा है क्या ट्रंप वास्तव में शांति दूत हैं या यह जंग उनके लिए वैश्विक मंच पर 'पुरस्कार' पाने का मौका बन चुके है? जबकि हालात बता रहे है यह सिर्फ एक पारंपरिक युद्ध नहीं, बल्कि तीसरे विश्व युद्ध की संभावित प्रस्तावना है।

जब मास्को सीधा कह रहा है कि "खामेनेई को कुछ हुआ तो अमेरिका भुगतेगा", और चीन भी चुपचाप युद्ध-स्थितियों पर नज़र गड़ाए बैठा है तो ट्रंप की चुप्पी क्या विश्व को युद्ध की आग में झोंकने की तैयारी नहीं तो और क्या है? अगर युद्ध लंबा खिंचा, तो इज़राइल के पास हथियार खत्म होने की कगार पर होंगे, और ईरान के शीर्ष सैन्य नेतृत्व का संकट और गहराएगा। चीन, रूस, तुर्किये जैसे देश एक तरफ, अमेरिका-इज़राइल दूसरी तरफ दुनिया फिर से 'कोल्ड वॉर' 2.0 की ओर बढ़ सकती है। भारत सहित एशिया के कई देश संकट में घिर सकते हैं, खासकर तेल कीमतों और सुरक्षा चिंताओं को लेकर। मतलब साफ है दुनिया एक बार फिर युद्ध की दहलीज़ पर खड़ी है। ईरान और इज़रायल के बीच जारी संघर्ष ने 10वें दिन भी अपनी विनाशलीला को नहीं रोका। इज़रायल के हमलों में ईरान में अब तक 500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों ने तेल अवीव सहित इज़रायल के कई शहरों को दहला दिया है। इज़रायल ने एक बड़ा सैन्य ऑपरेशन चलाकर ईरान की खतरनाक सैन्य इकाई आईआरजीसी के दो बड़े कमांडरों सईद इजादी और बेहनाम शाहरियारी को मार गिराया है। जवाब में ईरान ने बेत शीआन में ड्रोन हमले कर भारी तबाही मचाई है। इन हमलों से स्पष्ट है कि यह युद्ध सिर्फ एक सीमित टकराव नहीं, बल्कि तीसरे विश्व युद्ध की भूमिका बनता जा रहा है। ईरान और इज़रायल की सीधी सरहद नहीं है, लेकिन सीरिया और इराक के वायुक्षेत्र से होते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले जारी हैं। यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों की भी खुली अवहेलना है।

इस संघर्ष का असर सिर्फ इन दोनों देशों तक सीमित नहीं है। यूक्रेन-रूस युद्ध पहले से जारी है, और अब यह तीसरा मोर्चा खुलने से वैश्विक महाशक्तियां दो खेमों में बंटती दिख रही हैं. इस संघर्ष का सबसे बड़ा खतरा है तेल की कीमतों में उछाल। पेट्रोलियम उत्पाद फिलहाल अपने न्यूनतम स्तर पर हैं, लेकिन यदि युद्ध लंबा चला तो विशेषज्ञों का अनुमान है कि कच्चे तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इससे पूरी दुनिया में महंगाई और मंदी दोनों का खतरा बढ़ जाएगा। भारत के लिए भी यह संकट चेतावनी है। एक ओर वह ईरान के साथ सदैव मित्रवत संबंधों में रहा है, तो दूसरी ओर इज़रायल से रणनीतिक साझेदारी भी है। यदि अमेरिका इस युद्ध में उतरता है, तो भारत के सामने कूटनीतिक संतुलन बनाए रखने की कठिन चुनौती खड़ी हो जाएगी. डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका इस पूरे घटनाक्रम में संदेह के घेरे में है। उन्होंने पहले गाजा पट्टी पर इज़रायली हमले रोकने की कोशिश की थी, लेकिन ईरान के मसले पर वे इज़रायल को खुली छूट दे चुके हैं। इस तरह उनकी रणनीति शांति के बजाय टकराव को बढ़ावा देने जैसी प्रतीत हो रही है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो न केवल मध्यपूर्व, बल्कि सम्पूर्ण एशिया युद्ध की चपेट में आ सकता है। इस युद्ध के गंभीर परिणाम होंगे. परमाणु खतरा, वैश्विक मंदी, नागरिक उड़ानों का अवरोध, और कूटनीतिक गठजोड़ों में भारी उलटफेर। ट्रम्प का "अमेरिका फर्स्ट" एजेंडा एक राष्ट्रवादी नीति थी, जिसमें अमेरिका के हितों को सर्वोपरि रखते हुए वैश्विक सहयोग की धारणा को तिलांजलि दी गई। ट्रम्प ने नाटो देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने का दबाव बनाया और कहा कि "अगर वे खर्च नहीं करेंगे, तो हम उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं देंगे।

पशुओं के निर्मम वध से बिगड़ा सृष्टि का संतुलन

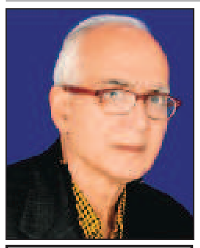

निरंकार सिंह

अब से लगभग ढाई हजार वर्ष पहले जब धरती पर हिंसा बढ़ गयी थी और धर्म के नाम पर निर्दोष पशुओं का वध किया जा रहा था। उस समय जीवों की हत्या रोकने के लिए महाराजा शुद्धोदन और मायादेवी के यहां भगवान स्वयं बुद्ध के रूप में अवतरित हुए। बचपन में उनका नाम सिद्धार्थ था और बाद में वे बुद्ध के नाम से पूरी दुनिया में विख्यात हुए। उन्होंने बलि के नाम पर पशुओं का वध बन्द कराया और पूरी दुनिया को दया और करूणा का संदेश दिया था। सम्पूर्ण मानव जाति को एक दृष्टि से देखने और आदर भाव करने का उपदेश दिया। उनकी मृत्यु के कुछ सौ वर्षो के बाद फिर लोग पशुओं को मारकर उनका मांस खाने लगे। आज पूरी दुनिया में शाकाहारियों से अधिक मांसाहारियों की संख्या है। लेकिन नई खोजों से पता चला कि पशुओ को जिस निर्ममता के साथ मारकर उनके मांस का व्यापार किया जा रहा है उससे कई घातक नतीजे आज दिखाई दे रहे हैं। एक तो रोग बढ़ रहे हैं और उनकी जटिलताएं भी बढ़ गयी हैं। पूरी दुनिया के पर्यावरण का संतुलन भी बिगड़ रहा है। भूकम्प और तूफानों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है।

इस धरती पर सभी प्रकार के जीव जन्तुओं और पेड़ पौधों का महत्व है। उनके बिना सृष्टि का संतुलन कायम नहीं रह सकता है। जब जीवित प्राणियों का वध किया जाता है या उन्हें मार दिया जाता है, तो उत्सर्जित होने वाली तरंगों को दर्द तरंगें कहते हैं। इस घटना को पूरी तरह से और प्रयोगात्मक रूप से देखा गया है। ये दर्द तरंगें तकनीकी रूप से नोकिसेप्शन तरंगें हैं। चूंकि अल्बर्ट आइंस्टीन हिंसा के बारे में बहुत चिंतित थे, इसलिए 1924 के आसपास उन्होंने जीवित प्राणियों की हत्या को रोकने में बहुत रुचि दिखाई और एक दयालु जीवन शैली के पक्ष में कई टिप्पणियाँ प्रकाशित कीं। हमने विश्व प्रसिद्ध महान वैज्ञानिक के प्रति अपना सम्मान दिखाने के लिए इन दर्द तरंगों को आइंस्टीनियन दर्द (ईपी) तरंगें नाम दिया है। अल्बर्ट आइंस्टीन के विचारों और देखे गए प्रयोगात्मक अवलोकनों में कोई अंतर नहीं है। बूचड़खानों और हत्या के अन्य केंद्रों (मशीनीकृत और गैर-मशीनीकृत) में इन ईपी तरंगों का कई स्थानों पर गहन अध्ययन किया गया था, उदाहरण के लिए, ब्रेन रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम (हरियाणा): राष्ट्रीय विश्वविद्यालय। भारत और विदेशों में ऐसे अध्ययनो और प्रयोगों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और उन्हें कई वैज्ञानिकों की मौजूदगी में भी प्रस्तुत किया। गैर-गणितीय सरल शब्दों में यह पाया गया है कि ईपी तरंगें उन तरंगों से अलग हैं जिनका हम अन्य स्रोतों से सामना करते हैं और ये तरंगें करुणा तरंगों के ठीक विपरीत हैं। ईपी तरंगें बेहद खतरनाक, क्रूर और नुकसानदायक होती हैं और कई भूकंपों का कारण बनती हैं।

पिछले दिनों रूस के सूजडल में हुए भूस्खलन और प्राकृतिक आपदा पर हुए एक सम्मेलन में भारत से गए भौतिकी के तीन वैज्ञानिकों ने एक शोध पत्र पढ़ा। डॉ. मदन मोहन बजाज, डॉ. इब्राहिम और डॉ. विजय राज सिंह के अलावा दुनिया भर के 23 से अधिक वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किए शोध पत्र के आधार पर कहा गया कि भारत, जापान, नेपाल, अमेरिका, जॉर्डन, अफगानिस्तान, अफ्रीका में पिछले दिनों आए तीस बड़े भूकंपों में आइंन्स्टाईन पेन वेव्ज (ईपीडब्ल्यू) बड़ा कारण रही है। इन तरंगों की व्याख्या यह की गई है कि कत्लखानों में जब पशु काटे जाते हैं तो उनकी अव्यक्त कराह, फरफराहट, तड़प वातावरण में तब तक रहती है जब तक उस जीव का मांस, खून, चमड़ी पूरी तरह नष्ट नही होती। उस जीव की कराह, खाने वालों से लेकर पूरे वातावरण मे भय रोग और क्रोध उत्पन्न करती है। यों कहें कि प्रकृति अपनी संतानों की पीड़ा से विचलित होती है। अध्ययन मे बताया गया है कि प्रकृति जब ज्यादा क्षुब्ध होती है तो मनुष्य आपस में भी लड़ने भिड़ने लगते है, चिडचिडे हो जाते है और विभिन्न देश प्रदेशों में दंगे होने लगते हैं। सिर्फ स्वाद के लिए बेकसूर जीव जंतुओं की हत्या ही इस तरह के दंगों का कारण बनती है और कभी कभी आत्महत्या का भी। ज्यादातर मामलों में प्राकृतिक उत्पात, जैसे अज्ञात बीमारियाँ, हार्टअटॅक, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, भूकंप, ज्वालामुखी के विस्फोट जैसे संकट आते हैं। इस अध्ययन के मुताबिक एक कत्लखाने से जिसमें औसतन पचास जानवरों को मारा जाता है 1040 मेगावॅट ऊर्जा फेंकने वाली ईपीडब्ल्यू पैदा होती है। दुनिया के करीब 50 लाख छोटे बड़े कत्लखानों में प्रतिदिन 50 लाख करोड़ मेगावॅट की मारक क्षमता वाली शोक तरंगे या ईपीडब्ल्यू पैदा होती है। विश्व के 700 से अधिक वैज्ञानिकों सहित अनेक डाक्टरों के सम्मेलन में माना गया कि कुदरत कोई डंडा ले कर तो इन तंरगों के गुनाहगार लोगों को दंड देने नहीं निकलती। उसकी एक ठंडी सांस भी धरती पर रहने वालों को कंपकंपा देने के लिए काफी है। कत्लखानों में जब जानवरों को कत्ल किया जाता है तो बहुत बेरहमी के साथ किया जाता है, बहुत हिंसा होती है, बहुत अत्याचार होता है। जानवरों का कत्ल होते समय उनकी जो चीत्कार निकलती है, उनके शरीर से जो स्ट्रेस हारमोन्स निकलते है और उनकी जो शोक वेब्ज निकलती है वो पूरी दुनिया को तरंगित कर देती है, कम्पायमान कर देती है। परीक्षण के दौरान लॅबोरेटरी में भी जानवरों पर ऐसा ही वीभत्स अत्याचार होता है। जानवरों को जब काटा जाता है तो बहुत दिनों तक उनको भूखा रखा जाता है और कमजोर किया जाता है, फिर उनके ऊपर 80 डिग्री सेंट्रीगेड गर्म पानी की बौछार डाली जाती है, उससे उनका शरीर फूलना शुरु हो जाता है, तब गाय भैंस बकरी तड़पना और चिल्लाने लगते हैं तब जीवित स्थिति में उनकी खाल को उतारा जाता है और खून को भी इकठ्ठा किया जाता है। फिर धीरे धीरे गर्दन काटी जाती है, एक एक अंग अलग से निकाला जाता है। आज के आधुनिक विज्ञान ने ये सिद्ध किया है के मरते समय जानवर हो या इन्सान अगर उसको क्रूरता से या उम्र पूरी होने के पहले मारा जाता है तो उसके शरीर से निकलने वाली जो चीख पुकार है उसकी वाइब्रेशन में जो निगेटिव्ह वेव्स निकलते हैं वो पूरे वातावरण को बुरी तरह से प्रभावित करते है और उससे सभी मनुष्यों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, खासतौर पर सबसे ज्यादा असर ऐसे जीव का उन मनुष्यों पर पड़ता है जो उसका मांस खाते है और ये दुष्प्रभाव एक बार खाने के बाद कम से कम 18 महीनों तक रहता है।

इजरायल-ईरान युद्ध में अन्य देशों का कूदना क्या विश्व युद्ध की सुगबुगाहट है?

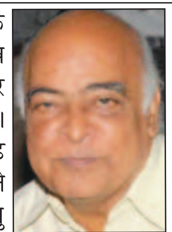

अशोक भाटिया

इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध में अब अमेरिका भी खुलकर शामिल हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की तीन बड़ी परमाणु साइट्स फोर्डो, नतांज और इस्फहान हमला किया है, जो पूरी तरह सफल रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि लड़ाकू विमानों ने फोर्डो को मुख्य रूप से निशाना बनाकर बमबारी की और अब सभी विमान सुरक्षित लौट चुके हैं। उन्होंने इस हमले को अमेरिका की सैन्य ताकत की मिसाल बताया और कहा कि अब शांति का समय है। अमेरिका के हमल से ईरान आगबबूला हो गया है। मिडिल ईस्ट में युद्ध के भयानक रूप लेने का खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी हमले के बाद कई देश भड़क गए हैं। इन देशों में रूस, चीन, उत्तर कोरिया जैसे देश शामिल हैं। इन देशों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि इस्राइल-ईरान के युद्ध में अमेरिका के शामिल होने पर हालत और बिगड़ेंगे। ईरान पर अमेरिका की हमले के बाद तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका बढ़ गई है। इन सबके बीच बुल्गारिया की भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की भविष्यवाणी वायरल हो गई है, जिसमें उन्होंने साल 2025 में तीसरा विश्वयुद्ध होने की बात कही है।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी के प्रमुख तुलसी गबार्ड ने हाल ही में बताया कि यह ईरान के लिए कितना कमजोर है, जो परमाणु बम बनाने के लिए इतनी दूर चला गया है और उसे अपने परमाणु बम को रोकने की जरूरत है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी के प्रमुख तुलसी गबार्ड ने हाल ही में बताया कि यह कितना कमजोर है। लेकिन ट्रम्प ने कहा, यह गबार्ड कौन है? यह कहकर उसने सार्वजनिक रूप से अपने ही सहयोगी का मजाक उड़ाया और ईरान पर अपने हमले की दिशा बताई। उसी दिशा में जाते हुए, उसने ईरान में तीन परमाणु ऊर्जा स्टेशनों पर बमबारी की। यह वीरतापूर्ण कार्य (?) अपनी खुद की घोषणा करते हुए, राष्ट्रपति ने खुद को पीठ पर थपथपाया और उम्मीद जताई कि मध्य पूर्व में शांति अब प्रबल होगी जो बेशर्मी की ऊंचाई है। इसने न केवल यह दिखाया कि एकमात्र वैश्विक महाशक्ति का यह प्रमुख किस स्तर तक जा सकता है, बल्कि इसने यह भी दिखाया कि ऐसे अविश्वसनीय लोग किस हद तक हैं। वास्तव में, ईरान ने इजरायल-ईरान युद्ध में अमेरिकी हितों के लिए कोई खतरा पैदा नहीं किया था। उसी दिन जब संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता का अगला दौर स्थगित कर दिया गया था, नियोजित वार्ता से कुछ घंटे पहले, इजरायल के दूरदर्शी युद्ध स्वामी बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर हमला किया। इसका इरादा ईरान को जवाबी कार्रवाई करने और अमेरिका-ईरान वार्ता को उकसाने के लिए उकसाना था। ईरान अपने हाथों पर हाथ रखकर तब भी नहीं बैठ सकता था जब इजरायल अकारण हमले कर रहा था। ईरान ने इजरायल पर अपेक्षा से अधिक तीव्र पलटवार किया। यह तीव्रता वह नहीं थी जिसकी नेतन्याहू को उम्मीद थी। हिज़्बुल्लाह, हूती विद्रोहियों आदि के लिए ईरान और लेबनान के मौन समर्थन के बावजूद, दोनों देश आधिकारिक तौर पर इजरायल के सामने खड़े नहीं हुए, लेकिन ईरान पर इजरायल के हमले ने ईरान को सीधे मैदान में जाने के लिए मजबूर कर दिया, और जब यह पूरी ताकत से आया, तो नेतन्याहू विफल रहे।

हमास, हिजबुल्लाह और दूसरे को ईरान जैसे मजबूत देश को गले लगाने के लिए जवाब देना अलग था। ट्रम्प के लिए इजरायल की सहायता के लिए नहीं जाना असंभव था। संयुक्त राज्य अमेरिका में यहूदी और उनके दबाव समूह एकमात्र कारण नहीं हैं।

इसका असली कारण क्षेत्र में ट्रम्प और उनके परिवार के बीच आर्थिक संबंध हैं, जो जल्द ही सामने आएंगे, लेकिन ट्रम्प के राजनयिक व्यवसाय में पाकिस्तानी सरकार का अरबों का निवेश, ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर इजरायल और सऊदी अरब देशों द्वारा कई अनुबंधों में शामिल हैं, और ट्रम्प का बिना किसी कारण के इजरायल की ओर से ईरान को निशाना बनाना। संयुक्त राज्य अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं ने मध्य पूर्व में धर्म का हवाला दिया। अपने स्वयं के आर्थिक स्वार्थ के घोड़े हमेशा लाइन पर थे। बुश पिता-पुत्र सीधे तेल कंपनियों के मालिक थे और ट्रम्प भवन, कूटनीति आदि के माध्यम से अपने हितों को आगे बढ़ाने के पीछे हैं ।

बुश के बेटों के लापरवाह युद्धों में लाखों लोगों की जान चली गई है और ट्रम्प को मानव जीवन की परवाह नहीं है। ईरान पर हमले का बचाव करते हुए ट्रंप ने कहा कि देश आतंकवादी गतिविधियों में शामिल है। अपराधियों के रूप में आतंकवादी दो प्रकार के होते हैं - निर्वस्त्र और वर्दीधारी। यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि यह किस समूह में आता है। अमेरिका ने अब तक कई लोगों पर इस आधार पर हमला किया है कि उसने उन देशों में आतंकवाद को बढ़ावा दिया है जिनका कोई हित नहीं है, कोई व्यवसाय नहीं है। ईरान पर ताजा हमला इन देशों में शामिल किया जाएगा। यह इतिहास और वर्तमान की वास्तविकता है।

एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना और अनेक सपनो की असमय मौत!

मनोज कुमार अग्रवाल

एक बड़ा हादसा न जाने कितने जीवन उनके सपने उनके परिवारों की खुशियों को एक ही पल में नेस्तनाबूद कर आश्रितों परिवार जनों के जीवन में अंधकार भर जाता है। दुर्घटना के साथ प्रभावित लोगों मे न सिर्फ अपना जीवन गंवाने वाले लोग वरन उनके पीछे छूटे परिवार रिश्तेदार मित्र सहकर्मी परिचित भी भीतर गहराईयों से आहत होते हैं । हर प्रभावित जीवन गहन दुख और संवेदना से जुड़ी ऐसी कहानी पीछे छोड़ जाता है जिसको जानकर कोई भी संवेदनशील ह्रदय रो उठता है कि आखिर यह मानव जीवन जितना दुर्लभ है उतना ही क्षण भंगुर है जीवन में लाखों सपने है अनन्त असीम संभावनाएं छिपी हुई है लेकिन उससे भी अधिक अनिश्चितता जुड़ी है। कल तो सपना है साहब पल का भी पता नहीं है। अहमदाबाद की विमान दुर्घटना ने भी सैकड़ों परिवारों को अन्तस्थ दुःख दिया है दुर्घटनाओं में हताहतों के जीवन से जुड़ी कहानियां और भावनाएं अव्यक्त और गर्भित रह जाती हैं। हरेक प्रभावित जीवन के साथ संबंधों रिश्तों कार्य क्षेत्र योजनाओं और भावनाओं का लंबा सिलसिला जुड़ा होता है। इनमें से कुछ का जिक्र अखबारों और चैनलों में होता है और बहुत सारे प्रभावित जीवन जिक्र बिना पार्श्व में छिपे बगैर किसी चर्चा के खत्म हो जाती हैं।इन असमय काल के मुहँ में समाने वाले अधिकांश जिंदगी के भीतर छिपी गहरी संभावना अव्यक्त रह जाती है। ज्यादा से ज्यादा एक या दो दिन हम इन्हें याद रखते हैं और फिर दुनिया आगे बढ़ जाती है।

भारत के छोटे-छोटे गांवों और कस्बों के छोटे-छोटे लोगों की उम्मीदों, सपनों और दुश्वारियों को बयान करती ऐसी दुखभरी खबरें सुनाई पड़ती हैं, तो मन खिन्न हो जाता है। ऐसा ही कुछ अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के बाद सुनाई पड़ रहा है। इस हादसे में बचे एकमात्र यात्री विश्वास कुमार रमेश की कहानी भी अकल्पनीय है। वे कैसे बचे, वे खुद नहीं जानते। रमेश के भाई ने बताया कि दुर्घटना के कुछ समय फोन कॉल में रमेश ने अपने परिवार से कहा, मुझे नहीं पता कि मैं कैसे जीवित हूं। दूसरी तरफ इस दुर्घटना ने तमाम सपनों को तोड़ा और घर-परिवारों में विषाद की गहरी लकीर खींच दी। ऐसी तमाम कहानियां अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के साथ खत्म हो गईं। इनमें राहत और बचाव से जुड़ी सकारात्मक कहानियां भी शामिल हैं। सेवानिवृत्ति से कुछ महीने दूर एक पायलट, ग्यारह वर्ष से अधिकअनुभव वाली एक फ्लाइट अटेंडेंट, केबिन क्रू में शामिल दो मणिपुरी लड़कियों की कहानी और पनवेल की एक युवा फ्लाइट अटेंडेंट जो अपने गांव की असंख्य युवा लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई थी। वे उन 12 सदस्यीय चालक दल में शामिल थे, जो एयर इंडिया के इस ड्रीमलाइनर के साथ काल-कवलित हो गए।

मुहूर्त शादी का या कुछ और

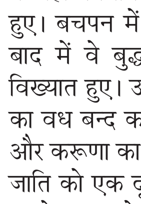

डॉ टी महादेव राव

छत्तीस में से तीस गुण मिल रहे हैं और दोनों की जोड़ी भी अच्छी रहेगी आजीवन। इससे पहले कि मैं आकर शादी का मुहूर्त निकालूं आप ऐसा करें कि सौ सौ रुपए के दो स्टांप पेपर होने वाले दूल्हा और दुल्हन के नाम पर लेकर रखें और दुल्हन के साथ उनके मां-बाप और दूल्हे के साथ उनके मां-बाप की उपस्थिति को सुनिश्चित करें।

पंडित जी! लेकिन स्टांप पेपर की जरूरत क्या है? हम आपकी झोली दक्षिणा से भर देंगे इसके लिए लिखा पढ़ी की क्या जरूरत? और तो और हम लोग मुहूर्त निकलवा कर वधू पक्ष को खबर भिजवाते हैं यही तो परंपरा है। अब शादी के पहले दुल्हन ससुराल में कैसे आएगी? जजमान! आपको बता दूं कि आप पुराने जमाने की बात कर रहे हैं। आज कल यह सब कॉमन है। देखिए ऐसा है कि हमें भी अपने जान माल को नुकसान होने से बचाना होगा। कल को कोर्ट कचहरी के झंझट से भी हमें दूर रहना होगा। इसीलिए स्टांप पेपर, जिस पर हम दूल्हे दुल्हन से अलग-अलग लिखवाएंगे की शादी की मुहूर्त निकलवाने के बाद शादी के बाद पंडित का कोई भी दायित्व नहीं होगा उन्हें किसी तरह की तकलीफ नहीं दी जाएगी यदि कोई अनहोनी, घटना, दुर्घटना, हत्या आदि के लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे इसमें कुंडली मिलाने, मुहूर्त निकालने वाले पंडित जी का किसी भी तरह से कोई दायित्व नहीं होगा। यह हम आश्वासन देते हैं और शादी के बाद की सारी जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ हमारी यानी वर और वधू की होगी। लेकिन ऐसा क्यों पंडित जी? इससे पहले भी आपने मेरे बड़े भाई के बेटे और बेटी की शादी कराई थी। उसे समय तो ऐसा कुछ नहीं था।

देखिए जजमान! अब हम लोग कलयुग के अंत में आ गए हैं मतलब सारी अनहोनियां सारे कुकर्म और सारा कुछ बेसिर पैर का घटित हो रहा है। यह आप भी देख रहे हैं और हम भी जान रहे हैं। ऐसे में हमें अपनी सावधानी तो रखनी ही होगी वरना कल को लोग कुंडली मिलाने और शादी का मुहूर्त निकलवाने के जुर्म में हमें ठोंक पीट देंगे। कुछ ज्यादा बुद्धिमान लोग हम पर कोर्ट कचहरी में दवा भी ठोक सकते हैं। वैसे तो मैं ने बीमा करा लिया है लेकिन अग्रिम सावधानी और सतर्कता इन दिनों आवश्यक हो गया है। अच्छा! तो पिछले दिनों जो बड़े नीले ड्रम, सीमेंट, लाशों के टुकड़े, फ्रिज में लाश, हनीमून, मेघालय, रस्सी के पुल, खाई में हत्या के विषय में आप बोल रहे हैं? लेकिन हमारे बच्चे ऐसे नहीं हैं पंडित जी! उनका और हमारा दोनों का खानदान अच्छा है और दोनों परिवारों में देखा गया है कि सुसंस्कार ही हैं वर वधू में। ऐसी किसी दुर्घटना की हम उम्मीद ही नहीं कर सकते। स्टांप पेपर और दूल्हा-दुल्हन का साइन करना मेरा ख्याल है कि हमारे लिए आवश्यक नहीं होगा। संस्कारी और सभ्य या वे नहीं थे जिन्होंने हत्याकांड निबटाए? सभी जनों में ही यह सारा कुछ संभव है। अगर आपको मेरी बातें रुचती नहीं है तो क्षमा करें किसी और पंडित को देख लें। मुझे आधे घंटे में परिहार जी के यहां सत्यनारायण पूजा कराना है। न न रुकिए पंडित जी। आप जानते ही हैं कि हमारे यहां के सारे शुभ कार्य शादियां आदि आप ही कराते आए हैं अब हम नया पंडित ढूंढने कहां जाएंगे और इस बात की भी क्या गारंटी है कि वह पंडित भी ऐसी शर्तें नहीं लगाएंगे?

अमावस पर तीर्थ दर्शन और नदी स्नान कर महालक्ष्मी और श्रीहरि का करें अभिषेक

बुधवार, 25 जून को आषाढ़ मास की अमावस्या है, इस दिन आषाढ़ का कृष्ण पक्ष खत्म हो जाएगा और 26 जून से शुक्ल पक्ष शुरू होगा। आषाढ़ मास को हलहारिणी अमावस्या कहते हैं। इस दिन तीर्थ दर्शन और नदियों में स्नान करने के साथ ही हल, कृषि उपकरण की पूजा करने की भी परंपरा है। दोपहर में पितरों के लिए धूप-ध्यान किया जाता है।

आषाढ़ मास अमावस्या पर देवी लक्ष्मी और विष्णु जी का विशेष अभिषेक करने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है, ऐसी मान्यता है। अमावस्या तिथि पर ही देवी लक्ष्मी समुद्र मंथन के समय प्रकट हुई थीं, इस वजह से हर महीने की अमावस्या पर महालक्ष्मी की पूजा की जाती है। जानिए कैसे कर सकते हैं लक्ष्मी पूजा...

अमावस्या तिथि पर महालक्ष्मी और विष्णु जी की पूजा सूर्यास्त के बाद करेंगे तो बहुत शुभ रहेगा। घर के मंदिर में देवी लक्ष्मी और विष्णु जी की पूजा की व्यवस्था करें। सबसे पहले गणेश जी का पूजन करें। गणेश जी को स्नान कराएं। वस्त्र, हार-फूल अर्पित करें। कुमकुम से तिलक करें। पूजन सामग्री चढ़ाएं। श्रृंगार करें। दूर्वा चढ़ाएं। लड्डू का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

गणेश पूजा के बाद लक्ष्मी जी और विष्णु जी का पूजन करें। देवी-देवता की प्रतिमा का जल से, फिर केसर मिश्रित दूध से और फिर जल से अभिषेक करें। लक्ष्मी जी को लाल चुनरी ओढ़ाएं। विष्णु जी को पीले चमकीले वस्त्र अर्पित करें। हार-फूल चढ़ाएं। तिलक करें। इत्र चढ़ाएं। अन्य पूजन सामग्री चढ़ाएं।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। देवी लक्ष्मी के मंत्र ॐ महालक्ष्म्यै नमः का भी जप करें। मिठाई का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाएं। आरती करें। इस तरह पूजा करने के बाद भगवान से पूजा में हुई भूल-चूक के लिए क्षमा मांगें। पूजा के बाद प्रसाद बांटें और खुद भी लें।

अमावस्या पर छाते का करें दान

अभी बारिश का समय है तो जरूरतमंद लोगों को छाते का दान करें। इसके साथ ही वस्त्र, अनाज और धन का दान भी करें। किसी मंदिर में पूजन सामग्री भेंट करें। गौशाला में हरी घास और गायों की देखभाल करने के लिए धन का दान करें।

दोपहर में करें पितरों के लिए धूप-ध्यान

अमावस्या तिथि के स्वामी पितर देव माने जाते हैं। इसलिए इस दिन पितरों के लिए विशेष धूप-ध्यान करना चाहिए। धूप-ध्यान के लिए दोपहर करीब 12 बजे का समय सबसे अच्छा होता है। गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं, जब अंगारों से धुआं निकलना बंद हो जाए, तब पितरों का ध्यान करते हुए अंगारों पर गुड़-घी अर्पित करें।

हार मानने से पहले आखिरी कोशिश जरूर करें

कई बार सफलता पाने का रास्ता हमेशा सीधा और आसान नहीं होता है। जीवन में कई मोड़ ऐसे आते हैं, जब हम थक कर बैठ जाना चाहते हैं। हमें लगने लगता है कि अब कुछ नहीं हो सकता। लेकिन ठीक उसी समय, जब हम हार मानने की सोचते हैं, हम असफल हो जाते हैं। जबकि हमें हार मानने से पहले एक बार और प्रयास करना चाहिए, तब हमें सफलता जरूर मिलती है। ये बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं...

पुराने समय की बात है, एक राजा एक बड़े युद्ध में बुरी तरह हार गया था। उसके सभी सैनिक मारे जा चुके थे और वह खुद बड़ी मुश्किल से जान बचाकर जंगल की ओर भागा। लेकिन शत्रु सैनिक उसका पीछा करते हुए जंगल में भी पहुंच गए। जान बचाने के लिए वह एक गुफा में छिप गया।

सैनिक गुफा तक पहुंचे और अंदर जाकर राजा को ढूंढा, लेकिन वे उसे नहीं ढूंढ सके। शत्रु सैनिकों ने बाहर से गुफा के द्वार को बड़े-बड़े पत्थरों से बंद कर दिया।

अब राजा उस गहरी गुफा में अकेला था। भूख, प्यास और थकान से उसका शरीर जवाब देने लगा था। मन में निराशा घर करने लगी थी। उसे लगने लगा कि अब जीवन समाप्त है। लेकिन तभी उसे अपनी मां की कही एक बात याद आईः "कुछ तो कर, यूं ही मत मर।"

मां की सीख याद आते ही राजा के भीतर नई ऊर्जा आ गई। उसने ठान लिया कि कोशिश किए बिना हार नहीं मानना चाहिए। पत्थरों को हटाने में उसने अपनी पूरी ताकत लगा दी। लंबे संघर्ष और मेहनत के बाद वह गुफा से बाहर निकलने में सफल हुआ। गुफा से निकलकर वह अपने मित्र राजा के पास पहुंच गया, मित्र राजा की सहायता से दुश्मनों पर विजय प्राप्त की और अपना खोया हुआ राज्य पुनः प्राप्त कर लिया।

कहानी की सीख

हार मानना ही असली हार है

राजा उस गुफा में बैठकर अगर सोच लेता कि अब कुछ नहीं हो सकता, तो वह उसी गुफा में खत्म हो जाता। लेकिन उसने सफल होने तक प्रयास किया और यही उसकी जीत की शुरुआत बनी। जीवन में भी कई बार हम मुश्किलों के सामने निराश हो जाते हैं, लेकिन अगर हम एक और प्रयास कर लें तो परिणाम बदल सकता है।

कठिनाई में सकारात्मक ऊर्जा ही सबसे बड़ा सहारा है

शारीरिक रूप से राजा कमजोर था, परंतु जब उसे मां की बात याद आई, तब सकारात्मक ऊर्जा ने उसे फिर से खड़ा कर दिया। यह बताता है कि संकट के समय हमारी सोच और आत्म-प्रेरणा ही सबसे बड़ा सहारा होती है।

कोशिश करने वाले जीतते जरूर हैं

प्रयास करते रहना जरूरी है, यह एक व्यावहारिक रणनीति है। निरंतर प्रयास करने से व्यक्ति समाधान तक पहुंच सकता है।

मुश्किल समय में सही व्यक्ति से लेनी चाहिए मदद

राजा ने गुफा से बाहर निकलकर सने अपने मित्र राजा से मदद ली और सही व्यक्ति की मदद से उसने शत्रुओं को पराजित कर दिया। यह दर्शाता है कि सही मदद किसी भी मुश्किल समय में आपको नई राह दिखा सकती है।

आषाढ़ अमावस्याः इन जगहों पर जला दें दीपक, देवी लक्ष्मी दौड़ी आएंगी

आषाढ़ अमावस्या आने वाली है। यह दिन पितरों को समर्पित माना गया है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान कर दान-पुण्य करने का विशेष महत्व है। इससे पितृ भी तृप्त होते हैं। इस दिन तर्पण और पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं, अगर आप नदी में स्नान या दान-पुण्य न कर पाएं तो कुछ उपाय से भी पितरों को लाभ पहुंचाया जा सकता है। इसमें दीपक के विशेष उपाय शामिल हैं।

कब है आषाढ़ अमावस्या?

आषाढ़ माह की अमावस्या तिथि की शुरुआत पंचांग के अनुसार 24 जून की शाम 7 बजकर 2 मिनट से होगी। वहीं इसकी समाप्ति 25 जून की शाम 4 बजकर 4 मिनट पर हो जाएगी। उदयातिथि की मान्यता के अनुसार आषाढ़ अमावस्या तिथि 25 जून को मानी जाएगी। इसी दिन तर्पण, दान-पुण्य और धार्मिक क्रियाकलापों को करना शुभ माना जाएगा।

जरूर जलाएं यहां दीपक

आषाढ़ अमावस्या पर माता लक्ष्मी के स्वागत के लिए घी या सरसों के तेल का दीपक जलाएं। साथ में एक लोटा जल रखें। शाम के समय घर का दरवाजा खुला रखें। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और मां लक्ष्मी का आगमन होता है।

तो आशीर्वाद देंगे पितृ

आषाढ़ अमावस्या पर पितृ देव की कृपा पाने के लिए एक दीपक सरसों के तेल का मुख्य द्वार पर लगाना चाहिए। मान्यता है कि अमावस्या की शाम पितर धरती से अपने लोक की ओर लौटते हैं। उन्हें मार्ग में प्रकाश मिले तो वे प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं।

तस्वीर पर जरूर जलाएं दीपक

ऐसे तो कई लोग रोजाना देवी-देवताओं के साथ पितरों की तस्वीर के आगे दीपक लगाते हैं, लेकिन आषाढ़ माह की अमावस्या पर घर में जहां पितरों की तस्वीर लगाई हो, वहां दीपक जरूर जलाना चाहिए। यह श्रद्धा का प्रतीक है।

पीपल के नीचे दो दीपक

आषाढ़ अमावस्या पर पीपल की पूजा विशेष फलदायी होती है। पीपल के नीचे देवताओं के लिए तिल तेल और पितरों के लिए सरसों के तेल का दीप जलाएं। इससे खूब लाभ होगा।

ये हैं रामपुर के 5 चमत्कारी मंदिर

रामपुर में आस्था से जुड़े कई चमत्कारी स्थल हैं, लेकिन इनमें खास हैं वे पांच प्राचीन मंदिर जहां स्वयं प्रकट शिवलिंग स्थापित हैं। मान्यता है कि इन शिवलिंगों को किसी ने स्थापित नहीं किया, बल्कि ये धरती से खुद प्रकट हुए थे। यही कारण है कि सावन और महाशिवरात्रि पर यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

राठौड़ा गांव का श्री बामेश्वर महादेव मंदिर मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर राठौड़ा गांव में ये मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि 800 साल पहले यहां दीमकों की बॉमी से शिवलिंग प्रकट हुआ था ।लोग मानते हैं कि यहां दर्शन से मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

भमरौआ का श्री पातालेश्वर महादेव मंदिरः यह मंदिर बेहद प्राचीन और ऐतिहासिक माना जाता है। मान्यता है कि सन 1788 में बंजर जमीन से शिवलिंग खुद प्रकट हुए थे। नवाब अहमद अली ने 1822 में इस मंदिर की नींव रखी थी और खास बात ये है कि यहां मुस्लिम श्रद्धालु भी दर्शन को आते हैं।

रामपुर के टांडा बादली में स्थित पंचायती उदासीन अखाड़ा मंदिर को चमत्कारी माना जाता है। मान्यता है कि बांस काटते वक्त कुल्हाड़ी जमीन में छिपे शिवलिंग से टकराई और खून निकलने लगा यहां नंदी जी की मूर्ति भी खुद धरती से निकली मानी जाती है। सावन और महाशिवरात्रि पर यहां भारी भीड़ जुटती है।

पंजाब नगर का ॐ नागेश्वर महादेव मंदिर
की स्थापना 1993 में हुई थी, लेकिन शिवलिंग खुदाई के दौरान प्रकट हुआ था। एक दूध व्यापारी को यहां दिव्य दर्शन हुए थे, जिसने दूध चढ़ाकर मन्नत मांगी, जो पूरी हो गई। सावन में यहां बड़ी संख्या में लोग कांवड़ और जल चढ़ाने पहुंचते हैं।

फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित श्री शिव मंदिर यह मंदिर करीब 37 साल पुराना है और जिला पंचायत रोड सिविल लाइंस में स्थित है। यहां भी भगवान भोलेनाथ लिंग रूप में स्वयं प्रकट हुए थे। मान्यता है कि इस शिवलिंग के दर्शन से चर्म रोगों में राहत मिलती है।

पैसे के पीछे नहीं भागना चाहते? तो ध्यान दें घर की इस खास दिशा पर

ये तो सब मानते हैं कि हर दिशा की अपनी एक खास ऊर्जा होती है। नॉर्थ दिशा जहां मौके और कनेक्शन से जुड़ी है, वहीं ईस्ट दिशा सोच और हेल्थ से जुड़ी मानी जाती है। लेकिन वेस्ट दिशा की बात करें, खासकर W3 और W4 ज़ोन की, तो यहां की ऊर्जा व्यक्ति को स्टेबलिटी देती है और उसके काम में मजबूती लाती है।

यही कारण है कि अगर घर की एंट्रेंस W3 या W4 में है, तो वहां रहने वाला इंसान धीरे-धीरे ऐसी स्थिति में पहुंच जाता है कि पैसा, नाम और स्थिरता – तीनों उसके साथ जुड़ जाते हैं।

प्रॉपर्टी लेते समय क्यों भूल जाते हैं असली पॉइंट?

जब भी हम कोई घर या प्लॉट देखने जाते हैं, तो लोग बाहर से देखकर ही तय कर लेते हैं – "अरे! इसका मुंह तो ईस्ट में है, ठीक है।" लेकिन वो ये नहीं देखते कि अंदर एंट्रेंस कहां बन रही है। क्या वो एंट्रेंस वास्तु के पॉजिटिव ज़ोन में है या नेगेटिव में?

W3 और W4 की एंट्रेंस अगर घर में हो रही है, तो वो घर सिर्फ एक आशियाना नहीं होता, वो एक अवसर बन जाता है।

ध्यान रखें ये बातः

अगर आपको कोई नॉर्थ या ईस्ट फेंसिंग घर न मिले, तो घबराइए नहीं। अगर कोई वेस्ट फेंसिंग घर मिल रहा है और उसमें एंट्रेंस W3 या W4 में है – तो ज्यादा सोचने की ज़रूरत नहीं है। ये वही जगह है, जो आपके पैसों के रास्ते खोल सकती है।

असलियत ये है कि वास्तु शास्त्र में सबसे शुभ मानी जाने वाली एंट्रेंस न तो सिर्फ नॉर्थ होती है, न ही सिर्फ ईस्ट। वास्तु के असली जानकार बताते हैं कि अगर किसी घर की एंट्रेंस वेस्ट साउथ वेस्ट (WSW) यानी W3 दिशा में है, तो वो घर पैसा खींचने वाला बन जाता है।

इतना ही नहीं, अगर एंट्रेंस W4 जोन यानी वेस्ट के एक और खास हिस्से में हो, तो ऐसा भी कहा जाता है कि उस घर में रहने वालों को पैसों के पीछे भागना नहीं पड़ता – पैसा खुद उनके पीछे आता है।

नॉर्थ और ईस्ट की रेस में क्यों छूट जाती है वेस्ट?

बुरे व्यक्ति की संगत संग जीवन में निराशा, ईर्ष्या, आलस और कई बुराइयां लाता है

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी **अवधेशानंद जी गिरि** के जीवन सूत्र में जानिए हमारी बुद्धि निर्मल कैसे बनती है?

सत्संग अत्यंत कल्याणकारी साधन है। सत्संग से जीवन का निर्माण होता है। इसके विपरित कुसंग यानी बुरे विचार और गलत प्रवृत्ति वाले लोगों का संग हमारे जीवन में अवसाद, ईर्ष्या, द्वेष, आलस और कई बुराइयों को लाता है। कुसंग से हमारा जीवन गर्त में चला जाता है। गलत लोगों की वजह से न केवल मन विकृत होता है, बल्कि जीवन की दिशा भी भटक जाती है। इसलिए सत्संग की आवश्यकता केवल धर्म के लिए ही नहीं, बल्कि हमारे जीवन सुधार के लिए भी है।

कल्कि अवतार का मिलता है प्रमाण!

जयपुर अपनी ऐतिहासिक और प्राचीन मंदिरों के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। यहां के प्राचीन मंदिरों में आज भी रहस्यमय इतिहास की झलक देखने को मिलती हैं। ऐसे ही जयपुर के हवामहल बाजार के पास स्थित 300 साल पुराना कल्कि मंदिर है, जिसका इतिहास आज भी रहस्यमय है। अक्सर कलयुग के खात्मे के साथ ही नए दौर की शुरुआत हिंदू धार्मिक मान्यताओं में लिखी, पढ़ी और बताई जाती है, जिसमें भगवान विष्णु के कल्कि अवतार को इससे जुड़ा हुआ माना जाता है।

आपको बता दें कि जयपुर में स्थित कल्कि मंदिर के बारे में यहां के पुजारी और स्थानीय लोग बताते हैं कि इस मंदिर का इतिहास धरती पर भगवान विष्णु के 10वें अवतार कल्कि से जुड़ा है। मंदिर के बारे में श्रीमद् भागवत गीता में कहा गया है कि जब-जब धर्म की हानि होगी, तब-तब धर्म की स्थापना के लिए भगवान विष्णु अवतार लेंगे।

जयपुर में स्थित कल्कि मंदिर का निर्माण सवाई जयसिंह द्वितीय ने 1739 में करवाया था, जिसके बारे में कवि श्री कृष्ण भट्ट 'कलानिधि' जो जय सिंह के दरबार में एक कुलीन व्यक्ति थे, उनकी पुस्तक के उल्लेख के अनुसार, जयसिंह द्वितीय ने अपने पोते कलिक की याद में भगवान कल्कि का मंदिर बनवाया था, जिनका निधन उनके बचपन में ही हो गया था।

आज भी जयपुर के कल्कि मंदिर में प्रवेश करते ही यहां मंदिर में सालों पुरानी वास्तुकला देखने को मिलती है, जो बेहद सुंदर है। इस मंदिर का निर्माण दक्षिणायन शिखर शैली में कराया गया था, मंदिर के हर हिस्से में पुराने समय की अद्भुत वास्तुकला देखने को मिलती है, जो बेहद खास और रहस्यमय है।

आपको बता दें कि प्राचीन मंदिर और उनसे जुड़ी रहस्य घटनाओं पर बॉलीवुड में कई फिल्में बनी हैं। ऐसे ही हाल ही में बनी फिल्म कल्कि 2898 AD, जिसमें भगवान विष्णु के 10वें और अंतिम अवतार से जुड़ी कहानी को दिखाया गया था, जिसके बाद लोगों में भगवान विष्णु के 10वें अवतार को लेकर खूब जिज्ञासा रही। ऐसे ही इस फिल्म में जुड़ी कहानी और रहस्य से ही जयपुर का कल्कि मंदिर का इतिहास भी जुड़ा है। आने वाले दिनों में फिल्म कल्कि 2898 AD का दूसरा भाग लोगों को देखने को मिलेगा, जिसके बाद लोगों में इस मंदिर के प्रति और भी रूची बढ़ेगी।

आपको बता दें मंदिर भव्य रूप में एक परकोटे में बना है, जहां मंदिर की वास्तुकला अपने इतिहास को आज भी समेटे हुए है। मंदिर को हल्के लाल पत्थर और संगमरमर से तैयार किया गया है। मंदिर के अंदर भगवान कल्कि के अलावा माता लक्ष्मी, लड्डू गोपाल, शिव-पार्वती, ब्रह्मा जी भी विराजित हैं। साथ ही मंदिर के दरवाजों पर भगवान विष्णु के सभी अवतारों को भी उकेरा गया है। यह मंदिर एकमात्र ऐसा मंदिर है, जो पूरी तरह से भगवान कल्कि को समर्पित है। आपको बता दें कि कल्कि मंदिर में भगवान विष्णु के 10वें अवतार के अलावा मंदिर के प्रांगण में एक चबूतरा है, जो इस मंदिर को किसी भी अन्य मंदिर से ज़्यादा रहस्यमय बनाता है। यह चबूतरा देवदत्त घोड़े की मूर्ति के साथ बना है। देवदत्त कल्कि भगवान का घोड़ा है, जिसके बाएं पैर में गड्डा है, जो समय के साथ अपने आप भर रहा है।इतिहास के पन्नों में भी इसका उल्लेख है कि इस अश्व के पैर में एक घाव है और समय के साथ-साथ ये घाव भरता जा रहा है। जिस दिन ये घाव पूरी तरह भर जाएगा, उसी दिन भगवान विष्णु के 10वें अवतार कल्कि अवतरित होंगे।

तीन गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं 'भाईजान'

देश में जब भी सेलिब्रिटीज के फिटनेस और डोले-शोले की बात होती है, तो सबसे पहला नाम सलमान खान का याद आता है। सलमान युवाओं के पसंदीदा रहे हैं, उनका फैशन स्टाइल ट्रेंड बन जाता है। हालांकि, अभिनेता ने हाल ही में खुलासा किया कि फिट दिखने के बावजूद वह कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। सेहत से संबंधित कई प्रकार की चुनौतियों के बावजूद वह लगातार काम भी कर रहे हैं।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो के नए सीजन में पहले गेस्ट के रूप में भाग लेने पहुंचे सलमान ने कार्यक्रम के दौरान अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की चर्चा की। अभिनेता ने कहा-मुझे ट्राइजेमिनल न्यूरलजिया, ब्रेन एन्यूरिज्म और एवी मालफॉर्मेशन जैसी गंभीर समस्याएं हैं, इनके बावजूद काम कर रहा हूं। सेहत से संबंधित कई प्रकार की चुनौतियां आपके सामने लगातार बनी रहती हैं पर आपको काम भी करते रहना होत है।

ट्राइजेमिनल न्यूरलजिया के बारे में अभिनेता ने 2017 में भी एक कार्यक्रम के दौरान जिक्र किया था। अब आपके मन में भी ये सवाल आ रहे होंगे कि आखिर ये कौन सी बीमारियां हैं और इनमें किस तरह की दिकक्तें होती हैं? आइए इन सबके बारे में समझते हैं।

पहले जानिए ट्राइजेमिनल न्यूरलजिया क्या है?

ट्राइजेमिनल न्यूरलजिया, जिसे टिक डौलोरेक्स के नाम से भी जाना जाता है, ये एक प्रकार का क्रॉनिक दर्द विकार है। इस समस्या के कारण चेहरे पर अचानक और गंभीर रूप से बिजली के झटके जैसा दर्द होता है। दांतों को ब्रश करने या मेकअप लगाने जैसे हल्के से स्पर्श के कारण भी आपको अचानक दर्द के झटके जैसा महससूस हो सकता है। यह बीमारी ट्राइजेमिनल नामक तंत्रिका के प्रभावित होने के कारण होती है, ये तंत्रिकाएं चेहरे में संवेदनशीलता बनाने चबाने जैसे मोटर कार्यों के लिए जिम्मेदार है।

ये बीमारी महिलाओं और 50 से अधिक उम्र के लोगों में अधिक आम है। विशेषज्ञों का मानना है कि रक्त वाहिका और ट्राइजेमिनल तंत्रिका के बीच संपर्क अक्सर दर्द का कारण बनती है। किसी प्रकार की चोट या सर्जरी इस समस्या का कारण बनती है।

ब्रेन एन्यूरिज्म क्या होता है?

सलमान खान को ब्रेन एन्यूरिज्म की भी दिक्कत है। ब्रेन एन्यूरिज्म को मस्तिष्क धमनीविस्फार के नाम से जाना जाता है जिसमें मस्तिष्क की रक्त वाहिका में उभार या गुब्बारा जैसा फूलने की दिक्कत हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब रक्त वाहिका से बहने वाला रक्त, वाहिका की दीवार के कमजोर हिस्से पर अतिरिक्त दबाव डालने लगता है तो इस तरह की समस्या होती है। दबाव बढ़ने पर वाहिकाओं के फटने और खून के लीक करने का भी खतरा रहता है जिससे रक्तस्रावी स्ट्रोक हो सकता है।

वैसे तो ये समस्या आम है और ज्यादातर मामलों में गंभीर दिक्कतें नहीं बढ़ाता है, पर कुछ स्थितियों में ये रक्तस्राव के कारण जटिलताएं बढ़ भी सकती हैं।

एवी मालफॉर्मेशन

एवी मालफॉर्मेशन रक्त वाहिकाओं में उलझाव की समस्या है जो धमनियों और नसों के बीच अनियमित कनेक्शन बनाता है। यह रक्त प्रवाह को बाधित करता है जिससे ऊतकों तक रक्त का संचार बाधित हो सकता है। ये समस्या शरीर में कहीं भी हो सकती है, जिसमें मस्तिष्क भी शामिल है। धमनियां ऑक्सीजन युक्त रक्त को हृदय से मस्तिष्क और अन्य अंगों तक ले जाती हैं। वहीं शिराएं (वेन्स) के माध्यम से ऑक्सीजन रहित रक्त को फेफड़ों और हृदय में वापस ले जाती हैं।

एवी मालफॉर्मेशन इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को बाधित करता है जिससे आस-पास के ऊतकों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है। इससे मस्तिष्क में रक्तस्राव, स्ट्रोक या हेमरेज का भी खतरा हो सकता है।

इटली में दिखाई जाएगी ओरिजिनल क्लाइमैक्स वाली 'शोले', अमिताभ और धर्मेंद्र ने दी प्रतिक्रिया

बॉलीवुड की बेहतरीन फिल्म 'शोले' को आज भी लोग खूब पसंद करते हैं। इसके हर दृश्य बहुत अच्छे हैं। फिल्म की 50वीं वर्षगांठ पर उसे खास श्रद्धांजलि दी जाएगी। फिल्म को इटली के 'इल सिनेमा रिट्रोवाटो फेस्टिवल' में दिखाया जाएगा। खास बात यह है कि इस फिल्म को बिना काटे हुए दिखाया जाएगा। फिल्म की स्क्रीनिंग 27 जून को होगी।

बिना काटे हुए हिस्सों के साथ रिलीज होगी फिल्म

फिल्म का पुनर्स्थापित संस्करण, फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन और सिप्पी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच तीन साल के सहयोग से बनाया गया है। पहली बार, दर्शक फिल्म को उसके असली अंत और पहले हटाए गए दृश्यों के साथ देख पाएंगे। यह फिल्म जब सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी तो इसके कुछ हिस्से हटा दिए गए थे।

अमिताभ बच्चन ने फिल्म को लेकर जताई उम्मीद

इस मौके पर फिल्म में अभिनय करने वाले अमिताभ बच्चन ने कहा 'जिंदगी में कुछ चीजें हमेशा के लिए आपके दिमाग में बस जाती हैं। शोले ऐसी ही एक फिल्म है। इस फिल्म की शूटिंग करना एक अच्छा तजुर्बा था। उस समय मुझे नहीं पता था कि यह भारतीय सिनेमा के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। असफल घोषित होने से लेकर बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई तक, इसके नाटकीय बदलाव हम सभी के लिए बेहतरीन थे। अच्छा है कि फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन ने शोले को पुनर्स्थापित किया है। यह भी अच्छी बात है कि वे इसके असली अंत के साथ-साथ कुछ हटाए गए दृश्यों को भी इसमें जोड़ने में कामयाब हुए। मुझे उम्मीद है कि 50 साल बाद भी, यह फिल्म दुनिया भर के नए दर्शकों को अच्छी लगेगी।'

धर्मेंद्र को दी गई थीं अलग भूमिकाएं

धर्मेंद्र ने कहा 'शोले दुनिया का आठवां अजूबा है। मैं यह सुनकर रोमांचित हूं कि फिल्म को दोबार दिखाया जा रहा है। मुझे यकीन है कि इसे वैसी ही सफलता मिलेगी जैसी 50 साल पहले मिली थी। सलीम-जावेद के संवाद और रमेश सिप्पी के निर्देशन को कौन भूल सकता है? भारतीय सिनेमा के इतिहास में बहुत से दृश्य दर्ज हो गए हैं और हर किरदार स्टार बन गया है। लेकिन असली हीरो तो सिक्का था। बहुत कम लोग जानते हैं कि मुझे गब्बर और ठाकुर की भूमिकाएं ऑफर की गई थीं, लेकिन मैं वीरू की भूमिका निभाना चाहता था क्योंकि वह मेरे जैसा ही है। मुझे शूटिंग में बहुत मजा आया। मेरे पसंदीदा दृश्य टंकी वाला दृश्य, मंदिर वाला दृश्य और बहुत से अन्य दृश्य थे, लेकिन मुझे लगता है कि सबसे शक्तिशाली दृश्य जय की मृत्यु थी, जो आज भी मेरे दिमाग में बसा हुआ है।'

फिल्म के बारे में

साल 1975 में रिलीज हुई फिल्म 'शोले' भारतीय सिनेमा की सबसे अच्छी फिल्मों में से एक है। फिल्म का निर्देशन रमेश सिप्पी ने किया था। इसमें अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, हेमा मालिनी, जया बहादुरी और अमजद खान ने अहम किरदार निभाया था।

हानिया आमिर के साथ फिल्म करने से दिलजीत दोसांझ पर आगबबूला फैंस, बोले- 'एक्टर ने गद्दारी की'

बीते रविवार सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ की आगामी पंजाबी फिल्म 'सरदार जी 3' का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमें पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर भी नजर आ रही हैं। इस बात से नेटिजंस भड़क गए हैं और अभिनेता को खरी-खोटी सुनाने लगे हैं। कुछ ने तो उन्हें पाकिस्तान का सबसे बड़ा हितैषी बता दिया है। इसी वजह से 'सरदार जी 3' के लिए दिलजीत दोसांझ को विरोधों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने इसे भारत में ना रिलीज करने का फैसला किया है।

नेटिजंस ने अभिनेता को कहा शर्म करो

'सरदार जी 3' का ट्रेलर आते ही नेटिजंस का गुस्सा दिलजीत दोसांझ पर जमकर फूट पड़ा है। क्योंकि अभिनेता इस फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के साथ नजर आने वाले हैं। एक यूजर ने अभिनेता को कहा कि वो देश के लिए सबसे बड़े दुश्मन हैं। दूसरे यूजर ने बोला कि उनका बहिष्कार करो। इसके अलावा कुछ अन्य यूजर्स ने इन्हें खालिस्तानी बता दिया है।

क्या है पूरा मामला?

रविवार को सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ की आगामी फिल्म 'सरदार जी 3' का ट्रेलर जारी हुआ, इसी के बाद से अभिनेता का विरोध हो रहा है। क्योंकि उनकी इस फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर भी नजर आएंगी। आपको बताते चलें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत ने पाकिस्तानी मनोरंजन उद्योग पर कड़ा हमला किया था। इस कड़ी में सभी पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट भारत मे बैन कर दिए थे और उन्हें भारत में काम ना देने का भी फैसला किया गया था। इन्हीं कारणों की वजह से वाणी कपूर के साथ फवाद खान की फिल्म 'अबीर गुलाल' को भी भारत में रिलीज नहीं होने दिया गया था। अब इसी वजह से दिलजीत दोसांझ का भी विरोध हो रहा है।

कब और कहां रिलीज होगी फिल्म?

अमर हुंदल द्वारा निर्देशित पंजाबी हॉरर कॉमेडी फिल्म 'सरदार जी 3' फ्रैंचाइजी की तीसरी सीक्वल है।

फिल्म में दिलजीत दोसांझ के साथ नीरू बाजवा, मानव विज, हानिया आमिर जैसे कलाकार अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 जून को सिर्फ विदेशों में रिलीज की जाएगी। विरोधों के बाद मेकर्स ने इसे भारत में ना रिलीज करने का फैसला किया है।

हिट 3 के निर्माताओं के खिलाफ साहित्यिक चोरी का मामला दर्ज?

नेचुरल स्टार नानी की तेलुगु क्राइम थ्रिलर फिल्म 'हिटः द थर्ड केस' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर भी कई भाषाओं में रिलीज हो चुकी है। लेकिन अब इस फिल्म के निर्माताओं को मद्रास उच्च न्यायालय ने साहित्यिक चोरी के मामले में 7 जुलाई 2025 तक अपना जवाब देना को कहा है।

क्या है पूरा मामला

एक खबर के मुताबिक, मद्रास उच्च न्यायालय ने हिट 3 फिल्म की टीम को साहित्यिक चोरी के आरोपों का जवाब 7 जुलाई 2025 तक देने का आदेश दिया है। लेखक विमलवेलन का कहना है कि उन्होंने कुछ समय पहले अभिनेता नानी के साथ अपनी एक कहानी साझा की थी। बाद में उन्हें पता चला कि हिट 3 की कहानी उनकी कहानी से मिलती-जुलती है। विमलवेलन ने आरोप लगाया कि फिल्म के निर्माताओं ने उनकी स्क्रिप्ट चुराई है। उन्होंने नानी, निर्देशक शैलेश कोलानू और निर्माताओं के खिलाफ केस दर्ज किया है। अब देखना है कि हिट 3 के निर्माता इस मामले में क्या कदम उठाते हैं।

फिल्म हिट 3

सैलेश कोलानू के निर्देशन में बनी फिल्म 'हिट 3' 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में कई भषाओं में रिलीज की गई थी। इस फिल्म को नानी और प्रशांति टिपिरनेनी द्वारा निर्मित किया गया। मिकी जे मेयर ने फिल्म का संगीत तैयार किया है। 'हिटः द थर्ड केस' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। यह हिटः द सेकंड केस (2022) के बाद हिट फिल्म श्रृंखला की तीसरी किस्त है। फिल्म में नानी और श्रीनिधि शेट्टी हैं फिल्म में, एक क्रूर पुलिस अधिकारी को होमिसाइड इंटरवेंशन टीम द्वारा हत्यारों के एक समूह को खोजने और उनकी जघन्य हत्या की होड़ को खत्म करने के लिए भेजा जाता है।

राज बब्बर @73, रेखा से नजदीकियां बढ़ीं थी

एक्टर से राजनेता बने राज बब्बर की गिनती फिल्म इंडस्ट्री के बेहतरीन एक्टर्स में की जाती है। हालांकि करियर की शुरुआत में उन्हें कई फिल्मों में छोटी-मोटी भूमिकाएं करनी पड़ीं। सबसे बड़ा मौका उन्हें दिलीप कुमार की फिल्म 'शक्ति' में मिला था, लेकिन बाद में इस फिल्म में उनकी जगह अमिताभ बच्चन की एंट्री हुई। इतना ही नहीं, अमिताभ बच्चन की वजह से राज बब्बर डायरेक्टर प्रकाश मेहरा की फिल्म 'नमक हलाल' भी नहीं कर पाए। बी आर चोपड़ा की फिल्म 'इंसाफ का तराजू' राज बब्बर के करियर की सबसे यादगार फिल्मों में से एक है। एक्टर ने इस फिल्म में नेगेटिव रोल निभाया था। जिसे करने से कई स्टार्स पहले मना कर चुके थे। राज बब्बर ने नेगेटिव रोल को इतनी शिद्दत से निभाया था कि दर्शक उनसे नफरत करने लगे थे।

फिल्म में सेकेंड लीड, मिले सिर्फ 500 रुपए

करियर की शुरुआत में राज बब्बर ने लगभग 14 फिल्मों में छोटी-मोटी भूमिकाएं कीं। उनमें से कुछ फिल्में रिलीज हुई थीं। जिसमें से एक फिल्म 'शारदा' है। लेख टंडन के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में जितेंद्र और रामेश्वरी लीड भूमिका में थे।

एक इंटरव्यू में राज बब्बर ने कहा था- 'शारदा' में मुझे सिर्फ 500 रुपए मिले थे। कहने को तो सारिका के सामने सेकेंड हीरो की भूमिका थी, लेकिन फिल्म के एंड में चेहरा नजर आता है। जितेंद्र जब पकड़ते हैं तब सिर्फ इतना ही डायलॉग था कि 'नहीं पहचाना मुझे..'सारिका कहती हैं वही है। बस इतनी सी लाइन फिल्म में थी।

खलनायक बनकर छाए, दर्शक नफरत करने लगे

राज बब्बर के करियर की 'इंसाफ का तराजू' ऐसी फिल्म थी, जिससे बतौर एक्टर वे फिल्म इंडस्ट्री में स्थापित हो गए। इस फिल्म में राज बब्बर ने एक बलात्कारी की भूमिका निभाई थी। इस किरदार को निभाने से कई स्टार्स ने पहले मना कर दिया था।

रेपिस्ट के किरदार पर दिमाग अटक गया

राज बब्बर ने बताया था- जब बीआर चोपड़ा के ऑफिस पहुंचा तो चोपड़ा साहब ने कहा कि वह एक फिल्म बना रहे हैं। जीनत से बात हो गई है। जब उन्होंने कहानी सुनाई गई तो मेरा दिमाग रमेश के किरदार पर अटक गया। मैं थिएटर के बैकग्राउंड से आया था। मेरे दिमाग में हीरो और विलेन वाली बात नहीं थी। बस मुझे अच्छे किरदार करने थे। मैं मन ही मन प्रार्थना कर रहा था कि रमेश का किरदार मिल जाए। कहानी सुनाने के बाद चोपड़ा साहब ने खुद कहा कि तुम रमेश का किरदार कर रहे हो।

बड़ी हीरोइनें पहले 'हीरो दिखाई' करती थीं

जैसे आजकल शादी के लिए लड़कियां देखी जाती हैं। वैसे बड़ी हीरोइनें किसके साथ काम करेंगे, ये देखती थीं। पहली मुलाकात में ही जीनत जी ने मेरे साथ काम करने के लिए हामी भर दी थी। उन्होंने मुझसे कहा, तुम्हें कोई दिक्कत तो नहीं है ना, मेरा रोल बढ़िया, मैं तो करूंगी।

रेप सीन में थोड़ा सा बदलाव चाहते थे

राज बब्बर फिल्म में काम करने के लिए तैयार हो गए, लेकिन अपनी इमेज को लेकर सबसे ज्यादा डरे हुए थे। राज बब्बर ने कहा था- मैंने चोपड़ा साहब से यह गुजारिश की थी कि रेप सीन में कुछ बदलाव करें। इसे वीभत्स और खौफनाक बनाने की बजाय थोड़ा नरम रुख अपनाएं, लेकिन चोपड़ा साहब अपनी फिल्म और स्क्रिप्ट को लेकर स्पष्ट थे। वह ऐसा कोई बदलाव नहीं चाहते थे।

फिल्म देखने के बाद मां फूट-फूटकर रोईं थी

फिल्म में रेप सीन की वजह से लोगों ने राज बब्बर को खूब खरी-खोटी सुनाई थी। राज बब्बर ने आप की अदालत में बताया था- मैं अपनी मां के साथ फिल्म देखने गया था। इंटरवल में हर आदमी गाली दे रहा था। खासकर औरतें बहुत गालियां दे रही थीं। मेरी मां को बहुत बुरा लगा।

यूजर्स को नहीं पसंद आया 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो', कहा- भद्दी और डबल मीनिंग है कॉमेडी

कॉमेडियन कपिल शर्मा ने 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के तीसरे सीजन से नेटफ्लिक्स पर वापसी की है। पहले शो में सलमान खान मेहमान बन कर आए। उन्होंने दर्शकों को खूब हंसाया। उम्मीद की जा रही थी कि शो में अच्छा एंटरटेनमेंट देखने को मिलेगा लेकिन सोशल मीडिया पर शो को अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है।

यूजर्स कर रहे मेकर्स और कपिल की आलोचना

इस शो की कई वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल रही हैं। सोशल मीडिया यूजर्स इनकी आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने शो के मेकर्स और कपिल शर्मा की आलोचना की है। कुछ यूजर्स का कहना है कि शो में डबल मीनिंग कॉमेडी है और कॉमेडी को बार-बार दोहराया जा रहा है। कई यूजर्स ने शो को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी निराशा जाहिर की है। उनका कहना है कि ज्यादातर जोक्स पुराने हैं।

एंटरटेनमेंट के बहाने दूसरी चीजों को प्रमोट किया जा रहा है

शो की एक क्लिप जिसमें कृष्णा अभिषेक ने महिलाओं के कपड़े पहने हैं उसकी काफी आलोचना हो रही है। शो में कृष्णा अभिषेक सलमान खान को रिझाने की कोशिश कर रहे हैं। यह क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। कई यूजर्स ने इसे भद्दी कॉमेडी बताया है। कई लोगों ने कहा है कि एंटरटेनमेंट के बहाने दूसरी चीजों को प्रमोट किया जा रहा है।

यूजर्स ने किए कमेंट

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के बारे में एक यूजर ने लिखा है 'वे हमेशा से अश्लील, डबल मीनिंग वाले, महिला विरोधी, शरीर पर भद्दा मजाक करते हैं।' एक और यूजर ने लिखा है 'इस तरह के पुराने क्लिप बहुत मिल जाएंगे।' एक और यूजर ने लिखा है 'कपिल शर्मा शो जब कलर्स पर प्रसारित होता था तब चरम पर था। अब उनके पास कोई असली शो नहीं है। हर सीजन में वही पुरानी चीज।' हालांकि कई यूजर्स ने कपिल शर्मा का बचाव भी किया है। एक यूजर ने लिखा है 'यूट्यूब पर इससे ज्यादा व्यस्क कॉमेडी है।'

'द ग्रेट कपिल शो' के बारे में

आपको बता दें कि 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के तीसरे सीजन का पहला शो 21 जून को प्रसारित हुआ। शो में अर्चना पूरन सिंह, सुनील ग्रोवर, कृष्णा और कीकु शारदा नजर आए हैं। नए सीजन में नवजोत सिंह भी बतौर जज शामिल हुए हैं।

व्हाइट मोनोकिनी में काजल अग्रवाल ने शेयर की मालदीव से जन्मदिन की तस्वीर

काजल अग्रवाल ने हाल ही में अपना जन्मदिन मनाया। एक्ट्रेस ने आज मालदीव से अपनी शानदार तस्वीरें शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। वहीं फैंस और सेलेब्स ने भी एक्ट्रेस को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

काजल का इंस्टाग्राम पोस्ट

काजल ने 19 जून को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट किया था। उन्होंने आज पति और बच्चे के साथ कई शानदार तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, 'प्यार और कृतज्ञता से भरा हुआ - मेरे प्यारे दोस्तों, प्रशंसकों और परिवार, जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद, जिसने मेरे दिन को रोशन कर दिया। मेरे दिव्य, मेरे प्रियजनों से घिरा हुआ, दिल भरा हुआ और पेट और भी खुश, मैं आपके द्वारा भेजी गई सारी खुशी और गर्मजोशी में डूबा हुआ हूं।'

काजल ने किया शुक्रिया

काजल अग्रवाल ने आगे लिखा, 'धन्यवाद स्वर्ग के इस टुकड़े में मेरे जन्मदिन को इतना अविश्वसनीय रूप से विशेष बनाने के लिए।' इसके साथ ही काजल ने अपने फोटोग्राफर का भी शुक्रिया अदा करते हुए लिखा- 'क्लिक के लिए धन्यवाद।' वहीं काजल की इस पोस्ट पर कई सेलेब्स ने भी मजेदार कमेंट कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। साउथ एक्ट्रेस राशि खन्ना ने लिखा, 'जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं सुंदरी! भगवान आपको अपने सबसे अच्छे

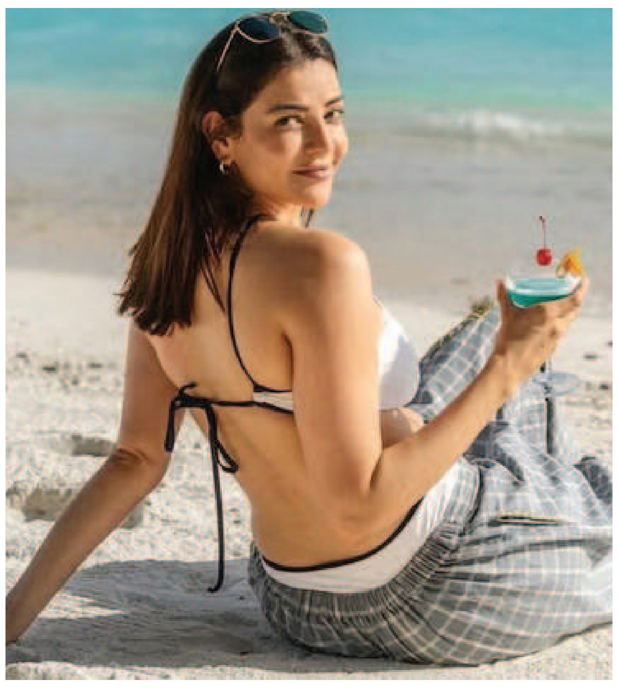

आशीर्वाद से आशीर्वाद दें', डॉ रिक्सन ने लिखा, 'बहुत सुन्दर तस्वीरें! आप बहुत सुन्दर लग रही हैं', अमाला पॉल ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो, के... बहुत खूबसूरत लग रही हो।'

फैंस के कमेंट्स

काजल की इन शानदार तस्वीरों पर सेलेब्स के अलावा कई फैंस ने भी जमकर प्यार बरसाया है। एक फैंस ने लिखा, 'हॉटी', एक और फैन ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो चंदा', एक और फैन ने लिखा, 'बहुत खूबसूरत महिला', एक और फैन ने लिखा, 'जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं', एक और फैन ने लिखा, 'बेहद खूबसूरत', एक और फैन ने लिखा, 'आप बहुत प्यारी हैं।'

काजल का वर्कफ्रंट

काजल अग्रवाल फिल्म कन्नप्पा में नजर आएंगी। काजल अग्रवाल फिल्म कन्नप्पा में देवी पार्वती का किरदार निभाएंगी। कन्नप्पा एक पौराणिक एक्शन ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म को मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित और मोहन बाबू द्वारा निर्मित है।

यह हिंदू धर्म में भगवान शिव के भक्त कन्नप्पा की कथा पर आधारित है। फिल्म में विष्णु मांचू मुख्य भूमिका में हैं। सहायक भूमिकाओं में मोहन बाबू, आर. सरथकुमार, अर्पित रांका, ब्रह्मानंदम, ब्रह्माजी, मोहनलाल, प्रभास, अक्षय कुमार के अलावा भी कई कलाकार नजर आएंगे।

डिलीवरी के बाद 5 संकेतों को न करें नजरअंदाज हो सकते हैं पोस्टपार्टम डिप्रेशन के लक्षण

बच्चे के जन्म के साथ ही पैरेंट्स कई तरह के इमोशन को एक्सपीरियंस करते हैं. एक्साइटमेंट, खुशी, डर, एंजायटी, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि इतने सारे पावरफुल इमोशन के बीच न्यू मॉम स्ट्रॉन्ग डिप्रेशन की शिकार भी हो सकती है. बता दें कि ज्यादातर न्यू मॉम्स को बच्चे के जन्म के बाद बेबी ब्लू से भी स्टॉन्ग पोस्टपार्टम डिप्रेशन के दौर से गुजरना पड़ता है.

पोस्टपार्टम डिप्रेशन के लक्षण के रूप में मूड स्वींग्स, रोना, बच्चे पर चिल्लाना, एंजायटी और नींद ना आने की समस्या दिखाई पड़ती है. आमतौर पर बेबी ब्लू डिप्रेशन बच्चे के जन्म के 2 से 3 दिन के बाद शुरू होता है और दो से तीन हफ्ते के बाद ठीक हो भी जाता है. लेकिन कुछ महिलाएं लंबे समय तक इस इमोशन से जूझती रहती हैं जिसे पोस्टपार्टम डिप्रेशन कहा जाता है.

पोस्टपार्टम डिप्रेशन के लक्षणों की बात करें तो इसमें प्रेग्नेंट या न्यू मॉम्स हर वक्त डिप्रेशन से जूझती रहती हैं और बार बार उनका मूड बदलता रहता है. कई बार वे बेवजह रोती हैं और उन्हें अपने बेबी से बॉन्डिंग बनाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है.

इस हालात में न्यू मॉम्स अपने दोस्तों और परिवार के अन्य सदस्यों से मिलने जुलने में कंफर्टेबल नहीं रहतीं, वे सामान्य की तुलना में कम खाती हैं और उनकी भूख भी खत्म हो जाती है. नींद प्रभावित होने की वजह से वे इनसोम्निया की शिकार हो जाती हैं और उन्हें दिन रात कभी भी नींद नहीं आती. जबकि कई न्यू मॉम्स दिनरात सोती रहती हैं.

पोस्टपार्टम डिप्रेशन की वजह से न्यू मॉम्स लो एनर्जी और थकान महसूस करती हैं. ऐसे हालात में वे उन चीजों से भी इंट्रेस्ट खो देती हैं जिसे करना उन्हें बेहद पसंद हुआ करता था. उन्हें इस बात का डर सताने लगता है कि वह अच्छी मां नहीं बन पाएंगी.

वह खुद से उम्मीद खोने लगती हैं और वह खुद को बेकार, वेवजह महसूस करती हैं. उन्हें खुद पर शर्म आती है और गिल्ट भी महसूस होता है. कई बार पोस्टपार्टम डिप्रेशन में महिला पैनिक अटैक से गुजरती हैं, हर वक्त बेचैनी महसूस करती हैं, उन्हें सीवियर एंग्जायटी होता है. उन्हें किसी बात का निर्णय लेने में असुविधा होती है, किसी भी तरह की सोच को लेकर क्लीयर नहीं हो पातीं और कई बार तो खुद और बच्चे के साथ खतरनाक काम भी कर सकती हैं. इसलिए अगर आप भी पोस्टपार्टम डिप्रेशन से जूझ रही हैं तो डॉक्टर से मिलें और उनकी मदद दें.

क्या आपके पेट में भी बनती है ज्यादा गैस? तुरंत राहत के उपाय

पेट में गैस बनना एक ऐसी आम समस्या है जिससे शायद ही कोई अछूता हो। यह सिर्फ पेट फूलने या हल्की असहजता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि अक्सर तेज दर्द, ऐंठन और सामाजिक असहजता का कारण भी बन जाती है। चाहे मीटिंग हो या कोई पार्टी, गैस की समस्या हमारी एकाग्रता और आत्मविश्वास दोनों को प्रभावित करती है।

यह परेशानी अक्सर हमारे खानपान की गलत आदतों,

अनियमित जीवनशैली या फिर कुछ अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याओं का नतीजा होती है। जब पाचन तंत्र ठीक से काम नहीं करता, तो भोजन के कण पेट में फर्मेंट होने लगते हैं, जिससे गैस का उत्पादन बढ़ जाता है। इस समस्या को समझना और सही उपायों को अपनाना बेहद जरूरी है, ताकि आप पेट की असहजता से बचकर एक आरामदायक और स्वस्थ जीवन जी सकें। आइए जानें पेट में गैस बनने के चार आम कारण और राहत के प्रभावी उपाय।

अनुचित खानपान

कुछ खाद्य पदार्थ, जैसे फलियां, गोभी, ब्रोकली, डेयरी उत्पाद और उच्च फाइबर वाली चीजें, पेट में गैस बना सकती हैं। इनमें मौजूद लैक्टोज या जटिल कार्बोहाइड्रेट्स आंतों में गैस पैदा करते हैं। कार्बोनेटेड ड्रिंक्स और प्रोसेस्ड फूड्स भी गैस बढ़ाते हैं। ऐसे में इससे बचने के लिए इन खाद्य पदार्थों को सीमित मात्रा में खाएं। भोजन को अच्छी तरह चबाएं और हल्का भोजन, जैसे मूंग दाल या खिचड़ी खाएं।

जल्दबाजी में खाना

बहुत से लोग बहुत तेज और कम समय में भोजन करते हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो खाते समय बात करते हैं। ऐसे में वे भोजन को अच्छे से चबाकर नहीं खा पाते हैं। जिससे पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं और पेट में गैस बनने लगता है। इससे बचने का उपाय बहुत सरल है कि खाना धीरे-धीरे चबाकर खाएं और खाते समय बातचीत कम करें।

पाचन संबंधी विकार

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम, लैक्टोज इंटॉलरेंस या गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंफेक्शन गैस के प्रमुख कारण हो सकते हैं। ये आंतों में गैस उत्पादन को बढ़ाते हैं और सूजन पैदा करते हैं। बार-बार गैस की शिकायत होने पर ऐसी स्थिति में चिकित्सक से जांच कराएं। लैक्टोज इंटॉलरेंस के लिए डेयरी उत्पादों से परहेज करें और प्रोबायोटिक्स, जैसे सादा दही, अपने आहार में शामिल करें।

तनाव और सैडेंटरी लाइफस्टाइल

तनाव पाचन तंत्र को धीमा करता है, जिससे गैस और सूजन की समस्या बढ़ती है। घंटों एक स्थान पर एक पोजिसन में बैठे रहना भी पाचन को प्रभावित करती है। ऐसे में अपनी दिनचर्या में रोज 20-30 मिनट टहलने और योग करने की आदत को शामिल करें। तनाव कम करने के लिए गहरी सांस लें और मेडिटेशन करें।

पेट गैस होने पर क्या करें?

पेट में गैस होने पर आप एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पी सकते हैं। इससे गैस की समस्या से आपको राहत मिल सकती है।

सुबह की इन 3 आदतों से वजन रहेगा कंट्रोल, बीमारियां रहेंगी कोसों दूर

मोटापा लाइफस्टाइल से जुड़ी आम समस्या है, जिससे आजकल ज्यादातर लोग परेशान हैं। इसका मुख्य कारण फिजिकल एक्टिविटी की कमी है। बढ़ते वजन से न सिर्फ शर्मिंदगी महसूस होती है, बल्कि कई तरह की बीमारियां भी घेरने लगती हैं।

लोग अपने मोटापे को कम करने के लिए कई तरह के उपाय आजमाते हैं। कुछ लोग हैवी वर्कआउट करते हैं, तो कुछ तरह-तरह की डाइट फॉलो करते हैं। इतना ही नहीं, कुछ लोग तो वजन कम करने के लिए खाना भी छोड़ देते हैं। लेकिन, अब आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हम अपनी खास सीरीज 'दिल से इंडियन' के माध्यम से 3 ऐसी आदतों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप मॉर्निंग रूटीन में शामिल करके वजन कम कर सकते हैं। इनके बारे में हमें डाइटीशियन, क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट और वेलनेस कंसल्टेंट शीनम के मल्होत्रा बता रही हैं।

एक्सपर्ट का कहना है, "आजकल के बिजी लाइफस्टाइल में हेल्थ का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। हालांकि, खुद को समय दे पाना काफी मुश्किल होता जा रहा है। इससे मोटापा बढ़ने लगता है और शरीर में कई तरह की बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप सुबह खुद के लिए थोड़ा-सा समय निकालकर लाइफस्टाइल में थोड़ा बदलाव करेंगे, तो सेहतमंद बने रहेंगे।"

ऑयल पुलिंग

पुराने समय में लोग ऑयल पुलिंग करके शरीर की कई समस्याओं को दूर करते थे।

आयुर्वेद में भी इसे करने की सलाह दी जाती है। रेगुलर ऑयल पुलिंग करने से मुंह के बैक्टीरिया और बदबू दूर होती है, मसूड़ों की सूजन दूर होती है, बॉडी डिटॉक्स होती है और शरीर को एनर्जी मिलती है।

विधि

एक बड़ा चम्मच तिल का तेल या वर्जिन कोकोनट ऑयल अपने मुंह में लें।

इसे 5 से 20 मिनट तक मुंह में घुमाएं।

फिर इसे थूक दें।

सावधानी

ऑयल पुलिंग करते समय तेल को निगलने से बचें, क्योंकि इसमें बहुत सारे बैक्टीरिया होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

दो गिलास पानी

खाली पेट 2 कप पानी पीने की आदत से शरीर के जरूरी अंग हाइड्रेट और हेल्दी रहते हैं, जिससे वे अच्छी तरह से काम कर सकते हैं। पानी ब्लड सर्कुलेशन में मदद करता है, जो न्यूट्रिएंट्स को सेल्स तक पहुंचाता है और टॉक्सिंस को हटाता है।

अगर आप सुबह उठने के बाद पानी पीते हैं, तो बॉडी हाइड्रेटेड रहती है। इससे आपका मेटाबॉलिज्म मजबूत होता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। इसके अलावा, सुबह पानी पीने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और आप खुद को बीमारियों से बचाकर रख सकते हैं। इसके अलावा, पानी से बॉडी डिटॉक्स होती है, जिससे चेहरे पर निखार आता है और बालों की हेल्थ अच्छी रहती है।

भीगे हुए नट्स और सीड्स

जब नट्स और सीड्स का सेवन पानी में भिगोकर किया जाता है, तब नुकसान पहुंचाने वाले एंजाइम्स निकल जाते हैं और इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व बढ़ जाते हैं। ये फैटी एसिड, एंटी-ऑक्सीडेंट, कार्बोहाइड्रेट, अमीनो एसिड आदि से भरपूर होते हैं। इन्हें खाने से ना सिर्फ आप कई रोगों से बचे रह सकते हैं, बल्कि त्वचा और बालों की सेहत और खूबसूरती भी बढ़ती है। सुबह भीगे हुए नट्स और सीड्स खाने से आप पूरा दिन एनर्जी से भरपूर रहते हैं। साथ ही, ये आपके ब्लड शुगर लेवल और वजन को कंट्रोल करता है। इसके अलावा, इससे कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम होता है, मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है। यह आपके हार्ट हेल्थ के लिए अच्छा होता है और हार्मोन्स को कंट्रोल में रखता है।

आप भी सुबह इन 3 आदतों को अपनाकर वजन को कंट्रोल और खुद को हेल्दी रख सकते हैं। अगर आपको भी हेल्थ से जुड़ी जानकारी चाहिए, तो हमें आर्टिकल के नीचे दिए कमेंट बॉक्स में बताएं। अगर आपको यह स्टोरी अच्छी लगी है, तो इसे शेयर जरूर करें। ऐसी ही अन्य स्टोरी पढ़ने के लिए जुड़ी रहें हरजिंदगी से।

देर रात तक जागना, स्मोकिंग और शराब का सेवन ज्यादा करते हैं तो हो जाएं सावधान, वर्ना कम उम्र में हो सकते हैं मौत का शिकार

आज के जमाने में बड़ी संख्या में लोग रातभर जागते रहते हैं. ऐसे लोगों को नाइट आउल कहा जाता है. रात में जागना सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है. इससे हमारी स्लीप साइकल खराब हो जाती है और कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. अब तक इस बारे में कई स्टडी भी सामने आ चुकी हैं, जिनमें रात में जागने के खतरों के बारे में बताया गया है. अब फिनलैंड के शोधकर्ताओं ने एक स्टडी में दावा किया है कि रात को जागने वाले लोगों को मौत का खतरा अन्य लोगों को अपेक्षा ज्यादा होता है. रिसर्च करने वाले रिसर्चर्स ने इसकी वजह का भी खुलासा किया है. इस रिसर्च के बारे में विस्तार से जान लेते हैं.

एक रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड में हुई एक हालिया स्टडी में खुलासा हुआ है कि रातभर जागने वाले लोगों को अन्य लोगों की तुलना में मौत का खतरा ज्यादा होता है. विशेषज्ञों का मानना है कि उन्हें इसका कारण मिल गया है:

रात में जागने वाले लोग जल्दी उठने वाले लोगों की तुलना में स्मोकिंग और शराब का सेवन ज्यादा करते हैं. इससे उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है और कम उम्र में मौत का खतरा बढ़ जाता है. शोधकर्ताओं ने लगभग 23,000 लोगों का 1981 से 2018 तक डाटा इकट्ठा किया था. इसके बाद 8728 लोगों की मौत के रिकॉर्ड का विश्लेषण किया. स्टडी के रिजल्ट में पता चला कि जल्दी सोने-उठने वाले लोगों की तुलना में रातभर जागने वाले लोगों में मौत की संभावना 9% अधिक है.

आंखों की बेहतर रोशनी के लिए खाएं 5 फूड्सआगे देखें...

एक संस्था द्वारा की गई स्टडी के अनुसार रातभर जागने वाले लोगों को मौत का खतरा स्मोकिंग, तंबाकू और शराब की बड़ी खपत के कारण ज्यादा होता है. खास बात यह है कि जो लोग रातभर जागते हैं, लेकिन शराब या सिगरेट नहीं पीते, उन्हें मौत का खतरा नहीं होता है. रात में जागने का असर मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है.

ऐसा करने से मेंटल हेल्थ बिगड़ सकती है. साल 2019 के एक अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं सुबह जल्दी नहीं उठती हैं, उनमें सुबह जल्दी उठने वाली महिलाओं की तुलना में स्तन कैंसर विकसित होने का जोखिम ज्यादा है. रात में अधिकतर लोग मोबाइल फोन और लैपटॉप पर ज्यादा वक्त बिताते हैं, जो सेहत के लिए नुकसानदायक है.

लंबे समय से सिर दर्द से परेशान

प्रश्न : मुझे इ्योडनल अल्सर है। मेरे लिए पथ्य क्या है? इसकी आयुर्वेदिक चिकित्सा क्या है? कृपा कर बताएं।

- नवनीत रेड्डी, खम्मम

उत्तर : भोजन से किसी ना किसी रूप से संबंध रखने वाला शूल ड्योडनल अल्सर का कारण बनता है। पेट के दर्द के दो बड़े भेद होते हैं : १) अन्नद्रव शूल - जो पेप्टिक अल्सर में होता है ।

२) परिणाम शूल -जो ड्योडनल अल्सर में होता है।

परिणाम शूल ग्रहणी के आरंभिक प्रदेश डियोडिनम में उत्पन्न व्रण (अल्सर) के कारण होता है, जो कि पच्यमानावस्था के बाद अनुभव किया जाता है। यह भोजन के 3 - 4 घंटे के बाद देखा जाता है। इसके अन्य लक्षणों में उरोदाह (छाती में जलन), उत्क्लेष(वमन की इच्छा) व वमन आदि होते हैं।

अम्ल, कटु, लवण रस, तले पदार्थ, मसाले, शराब, चाय, कॉफी का प्रयोग ना करें। अंग्रेजी दर्द निवारक दवाओं का सेवन त्यागे। रात में जगना, धूप, वेगधारण न करें (मूत्रादि वेगो को न रोके), क्रोध व दुख का परित्याग करें। आयुर्वेद में ड्योडनल अल्सर का इलाज है। एकौषधि में:* शतावरी मूल चूर्ण 3 से 6 ग्राम 100 ग्राम गाय के दूध से सुबह-शाम लेने पर आराम मिलता है।

* आंवले का चूर्ण 5 ग्राम गाय के गर्म दूध से लेने पर राहत मिलती है ।

*ऊंझा अविपत्तिकर चूर्ण सौ ग्राम, कामदुधा रस मोती युक्त 6 ग्राम, स्वर्ण सुतशेखर रस 25 टैबलेट को एक जीव कर लेवें। और एक -एक चम्मच सुबह-शाम भोजन के पहले शहद में या जल में मिलाकर लेवें।

* भोजन के बाद औरा डायलुसिड सिरप 10 से 15 मिलीलीटर की मात्रा में लेवें। होटल और दावत के भोजन से सदैव बचें।

प्रश्नः मेरी उम्र 56 वर्ष है। जब भी हाथ पैर में दर्द होता है सीधे मेडिकल हाल से काम्बिफ्लाम टिकिया ले लेता हूं। महीने में 15-20 गोलियां लेनी ही पड़ती है। क्या मुझे चिकित्सक को दिखाना चाहिए?

- शेषगिरी राव, कोंपल्ली

उत्तर : अपनी मर्जी से दवाई लेने की आदत बुरी है ,गलत है। इसकी वजह से कभी-कभी लेने के देने भी पड़ सकते हैं। एक सर्वे की रिपोर्ट कहती है कि 52% भारतीय बिना चिकित्सकीय सलाह के अपनी मर्जी से दवाई खाते हैं। अपनी इस आदत के चलते कभी लिवर डैमेज, स्ट्रोक, अल्सर , डायरिया, एलर्जी और यहां तक कि किडनी फेल होने तक की समस्या आ सकती है। सभी एलोपैथिक दवाएं विभिन्न केमिकल से बनी होती है, जिनके मात्रा में लेने पर अच्छे

असर होते हैं और वही बेहिसाब लेते रहने से यह बेहद हानिकारक और कभी-कभी प्राणघातक भी बन जाते हैं। दवा विक्रेता डॉक्टर या वैद्य नहीं होता। दवा की बारीकियों की उसको पूरी जानकारी नहीं होती। ऐसे व्यक्ति की सलाह ₹नीम हकीम- खतरे जान₹ ही साबित होती है। हिंदुस्तान में सबसे सरल काम बन गया है राय देना, सलाह देना। हर व्यक्ति स्वयं को किसी एक्सपर्ट या विशेषज्ञ से कम नहीं समझता। राय चंदों की राय बिना दिमाग के प्रयोग करने पर हम कभी भी बड़े खतरे में पड़ सकते हैं । इंटरनेट देखकर या गूगल कर केवल लक्षणों को मिलाकर दवा लेना मौत से खेलने के बराबर है। मेरी आपसे गुजारिश है कि आप self-medication ना कर अच्छे वैद्य या चिकित्सक से अपनी पूरी जांच करवाएं। और अपने वैद्य की सलाह पर ही दवा का सेवन करें ।यदि आपका वैद्य परहेज बताता है तो उसका पालन करना हमेशा आपके हित में ही रहेगा। अपने अनमोल शरीर से खेले नहीं। आपका यह खिलवाड़ जाने -अनजाने में काफी महंगा सौदा साबित हो सकता है । अब जाग जाए। अपने भरोसेमंद परिवार के वैद्य से जांच करवा कर ही औषधि का सेवन करें।

प्रश्न : मैं लंबे समय से सिर दर्द से परेशान हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- करुणाकर वर्मा, महबूबनगर

उत्तर : वात, पित्त, कफ व रक्तदोष की दुष्टि होने पर शिरशूल यानी सिर दर्द होता है। यह क्षय और कृमि रोग में एक लक्षण के रूप में होता है।

1 ग्राम गोदंती भस्म को 4 से 6 ग्राम शहद में मिलाकर दिन में तीन बार चाटने से बहुत आराम मिलता है। ऊंझा शिरशूलादि वज्र रस टिकिया, ऊंझा सूतशेखर रस को पथ्यादि काढ़ा के साथ सुबह-शाम लेने से भयंकर से भयंकर सिर दर्द दूर हो जाता है। दही, पनीर, चॉकलेट, ठंडे पेय पदार्थ, आइसक्रीम, कुल्फी, फ्रिज के ठंडे पानी आदि का हमेशा परहेज करें । यह ध्यान रखें कि कौन से खाद्य पदार्थ व कैसी स्थितियां सिर दर्द को बढ़ा रही है। भविष्य में ऐसे व्यंजनों व स्थितियों से दूर रहा करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

रोज 4 सप्ताह तक सेब खाएं , कोलेस्ट्रॉल लेवल 40 प्रतिशत तक हो सकता है कम

कोलेस्ट्रॉल के मरीजों की तादाद दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है. खराब लाइफस्टाइल, अनहेल्दी खान-पान और घंटों एक जगह बैठे रहने की आदत कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की प्रमुख वजह हैं. इन आदतों पर अगर कंट्रोल न किया जाए, तो कोलेस्ट्रॉल लेवल हद से ज्यादा बढ़ जाता है और हार्ट अटैक की नौबत आ सकती है. कोलेस्ट्रॉल का सीधा कनेक्शन हार्ट और ब्रेन के साथ होता है. कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर यह खून की धमनियों में जम जाता है और ब्लड फ्लो प्रभावित करता है. इससे हार्ट और ब्रेन में जाने वाले ऑक्सीजेनेटेड ब्लड की सप्लाई बाधित होती है. कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए तमाम लोग दवाओं का सहारा लेते हैं, लेकिन एक ऐसा फल है, जिसे खाने से शरीर में जमा कोलेस्ट्रॉल पिघलकर बाहर निकल सकता है. यह फल सेब है. सेब को कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए वरदान माना जा सकता है. सेब को दिल के लिए भी कारगर माना गया है.

एक रिपोर्ट के मुताबिक सेब खाने से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को काफी हद तक कम किया जा सकता है. अब तक कई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि प्रतिदिन एक या दो सेब खाने से कोलेस्ट्रॉल लेवल में 40 प्रतिशत तक की कमी हो सकती है. शोधकर्ताओं की मानें तो सेब बायोएक्टिव पॉलीफेनोल्स और फाइबर से भरपूर होते हैं. इसका सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल लेवल पर काफी असर पड़ता है और उसे कम करने में मदद मिलती है. सेब खाने से शरीर के लिपिड मेटाबॉलिज्म और कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ को मजबूती मिलती है. दिल के लिए सेब बेहद लाभकारी होता है और सेब के नियमित सेवन से हार्ट अटैक का खतरा भी कम हो सकता है. सेब का सेवन दिन में किसी भी वक्त किया जा सकता है.

4 सप्ताह तक प्रतिदिन सेब खाना फायदेमंद

साल 2012 में अमेरिकी शोधकर्ताओं ने एक स्टडी की थी, जिसमें पता चला कि 4 सप्ताह तक प्रतिदिन सेब खाने से मध्यम आयु के लोगों का बैड कोलेस्ट्रॉल करीब 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है. ऐसा करने से हार्ट हेल्थ में काफी सुधार हो सकता है. खास बात यह रही कि सेब में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट पॉलीफेनोल्स युक्त कैप्सूल लेने से कोलेस्ट्रॉल लेवल पर इतना फर्क नहीं पड़ा, जबकि फल खाने से काफी असर देखने को मिला. अमेरिका की ओहियो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रॉबर्ट डिसिल्वेस्ट्रो ने इस रिसर्च को लीड किया था. उनके मुताबिक बैड कोलेस्ट्रॉल ऑक्सीकृत हो जाता है, तो यह एक ऐसा रूप ले लेता है जो खून की धमनियों को सख्त करना शुरू कर देता है. इससे हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ जाता है. बैड कोलेस्ट्रॉल फ्री रेडिकल्स के साथ मिलकर इंफ्लेमेशन को ट्रिगर कर सकता है, जिससे हमारे शरीर के टिश्यू डैमेज हो सकते हैं.

महिलाएं निराशा दूर करने के लिए रोज खाएं ये फूड्स, मूड रहेगा अच्छा

हमारे खान पान की आदतों को असर सेहत पर सबसे ज्यादा पड़ता है. यह हमारी मानसिक सेहत को भी काफी प्रभावित करते हैं. ऐसे में अक्सर महिलाएं परिवार और बच्चों की देख रेख में इतना अधिक व्यस्त रहती हैं कि वे खुद का ख्याल रखने में लापरवाही कर जाती हैं और इस वजह से वे शारीरिक ही नहीं, मानसिक रूप से भी परेशानियों में घिर जाती हैं. ऐसे हालात में डिप्रेशन, स्ट्रेस, निराशा, थकान आदि की समस्या उन्हें मेंटली कमजोर बनाने लगती हैं और यह कई बार उनके लाइफ के लिए भी खतरनाक बन जाता है. यहां हम बता रहे हैं कि महिलाएं किन चीजों को अपने डाइट में शामिल कर खुद को निराशा से बचा सकती हैं और सेहतमंद व खुशहाल जी सकती हैं.

मूड बेहतर बनाने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें

विटामिन डी का सेवन

अगर आपके शरीर में विटामिन डी कमी हो रही है तो ये शारीरिक ही नहीं, मानसिक सेहत को भी डायरेक्ट प्रभावित करता है. यही नहीं, इसकी कमी से डिप्रेशन जैसी समस्या भी हो सकती है. इसके लिए खासतौर पर महिलाओं को अपने डाइट में मशरूम, फिश, मिल्क को जरूर शामिल करना चाहिए.

सिलेनियम रिच फूड

अच्छी सेहत के लिए सिलेनियम रिच फूड काफी जरूरी होता है. शोधों के मुताबिक, अगर शरीर में सिलेनियम की कमी हो जाए तो वे डिप्रेशन तक की शिकार हो सकती हैं. इसके लिए आप डाइट में नट्स,

अनाज, बीन्स, सीफूड्स, लीन मीट को शामिल करें.

ओमेगा 3 फैटी एसिड

ब्रेन को इंप्रूव करने के लिए ओमेगा 3 फैटी एसिड काफी जरूरी होता है. यह डिप्रेशन को दूर करता है और हैप्पी हार्मोन्स को भी एक्टिव करने में मदद करता है. इसके लिए आप डाइट में फिश, ड्राई फूड्स, कनोला ऑयल, फ्लेक्स सीड, डार्क ग्रीन लीफी वेजिटेबल का सेवन करें.

गुड कार्ब

मूड को बूस्ट करने के लिए गुड कार्ब का सेवन भी आपके लिए फायदेमंद होता है. यह सेरोटोनिन को बढ़ाता है जिससे मूड लिफ्ट करने में मदद मिलती है. जब भी आप लो महसूस करें या निराशा अनुभव करें तो आप होल ग्रेन फूड का सेवन कर मूड को बेहतर बना सकते हैं. इसके अलावा आप फल, सब्जी, फाइबर रिच फूड का सेवन करें.

किन चीजों से रहें दूर

अगर आप अपने खराब मूड से परेशान हैं तो बेहतर होगा कि आप अपने डाइट से कैफीनयुक्त चीजों को दूर रखें. इसके अलावा अल्कोहल आदि से भी दूरी बनाएं. ये चीजें आपकी समस्या को और बढ़ देती हैं.

ईरान जाने वाला एक लाख टन चावल फंसा, किसी ने नहीं सोचा था ऐसा होगा

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। इजराइल और ईरान के बीच काफी भीषण वॉर चल रहा है। अमेरिका के इस वॉर में कूद जाने के बाद परिस्थितियां और भी ज्यादा विकट हो गई हैं। ऐसे में ईरान के लिए एक और मुसीबत खड़ी हो गई है। ईरान का एक लाख टन सामान सामान फंस गया है। ये सामान ईरान के लिए काफी अहम है। कहा जाता है कि इस सामान के बिना ईरान का दिन खत्म नहीं होता। खास बात तो ये है कि इस सामान का ईरान सऊदी अरब के बाद दूसरा सबसे बड़ा इंपोर्टर है।

अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि आखिर से सामान कौन सा है? आखिर ईरान के लिए ये सामान इतना जरूरी क्यों है? अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ ने सोमवार को कहा कि इजराइल-ईरान संघर्ष के कारण ईरान को भेजा जाने वाला लगभग 1,00,000 टन बासमती चावल भारतीय बंदरगाहों पर फंसा हुआ है। संघ के अध्यक्ष सतीश गोयल ने कहा कि ईरान को भेजा जाने वाला लगभग 1,00,000 टन बासमती चावल वर्तमान में भारतीय बंदरगाहों पर फंसा हुआ है, जिसमें भारत के कुल बासमती चावल निर्यात का 18-20 प्रतिशत हिस्सा ईरान का है। गोयल ने बताया कि शिपमेंट मुख्य रूप से गुजरात के कांडला और मुंद्रा बंदरगाहों पर रुके हुए हैं, क्योंकि मध्य पूर्व संघर्ष के कारण ईरान जाने वाले कार्गो के लिए न तो जहाज उपलब्ध हैं और न ही बीमा उपलब्ध है।उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संघर्ष आमतौर पर मानक शिपिंग बीमा पॉलिसियों के तहत कवर नहीं होते हैं, जिससे निर्यातक अपनी खेप भेजने में असमर्थ हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि शिपमेंट में देरी और भुगतान को लेकर अनिश्चितता गंभीर वित्तीय तनाव पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा कि घरेलू बाजार में बासमती चावल की कीमतें पहले ही 4-5 रुपये प्रति किलोग्राम तक गिर चुकी हैं। एसोसिएशन इस मुद्दे पर कृषि-निर्यात संवर्धन निकाय एपीडा के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि संकट पर चर्चा के लिए 30 जून को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ बैठक होनी है। सऊदी अरब के बाद ईरान भारत का दूसरा सबसे बड़ा बासमती चावल बाजार है। भारत ने मार्च में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ईरान को लगभग 1 मिलियन टन सुगंधित अनाज का निर्यात किया। भारत ने 2024-25 के दौरान लगभग 6 मिलियन टन बासमती चावल का निर्यात किया, जिसकी मांग मुख्य रूप से मध्य पूर्व और पश्चिम एशियाई बाजारों से प्रेरित थी। अन्य प्रमुख खरीदारों में इराक, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।

अब नहीं चलेगी चीन की दादागिरी! भारत ने निकाल लिया तोड़

कंपनियों में मैग्नेट बनाने की होड मची

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। चीन से मैग्नेट की सप्लाई में रुकावट आने के बाद भारतीय ऑटो इंडस्ट्री मुश्किल में है। अब कुछ भारतीय कंपनियां इसके लिए आगे आई हैं। ये कंपनियां देश में ही मैग्नेट बनाने की तैयारी कर रही हैं। इससे चीन पर निर्भरता कम हो जाएगी।

सूत्रों के अनुसार इन कंपनियों ने सरकार को अपनी योजना बताई है। इसमें भारी उद्योग मंत्रालय भी शामिल है। कंपनियों ने सरकार को भरोसा दिलाया है कि वे भारत में ही मैग्नेट की सप्लाई शुरू कर देंगी। सूत्रों ने बताया कि इन कंपनियों में मिडवेस्ट एडवांस्ड मटेरियल्स, एंटेलस इंडस्ट्रीज और सरकारी कंपनी इंडियन रेयर अर्थ्स शामिल हैं। भारी उद्योग सचिव कामरान रिजवी ने भी कंपनियों से प्रेजेंटेशन ली है। सरकार देश में ही मैग्नेट बनाने की क्षमता विकसित करने की योजना बना रही है। एक सूत्र ने बताया कि मिडवेस्ट एडवांस्ड मटेरियल्स ने भारत में रेयर अर्थ मैग्नेट बनाने की योजना के बारे में बताया। कंपनी हर साल 500 टन मैग्नेट बनाएगी। कंपनी का दावा है कि 2026 के अंत तक वह इंडस्ट्री के लिए खास तरह के रेयर अर्थ मैग्नेट बना पाएगी। रेयर अर्थ मैग्नेट खास तरह के चुंबक होते हैं जो बहुत शक्तिशाली होते हैं। इनका इस्तेमाल कई तरह की चीजों में होता है। यूके की कंपनी एंटेलस ने भी सरकार को प्रेजेंटेशन दी है। उसने भी रेयर अर्थ मैग्नेट बनाने की योजना के बारे में बताया। सूत्र ने कहा कि कंपनी ने अधिकारियों को बताया कि उनका प्लांट मैग्नेटिक पाउडर बनाने के लिए तैयार है। लेकिन इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले मैग्नेट बनाने में अभी थोड़ा समय लगेगा। मैग्नेटिक पाउडर चुंबक बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला एक खास पाउडर होता है। इस बीच

सरकारी कंपनी आईआरईएल ने भी सरकार को अपनी योजना बताई। कंपनी ने कहा कि जब उत्पादन शुरू हो जाएगा तो वह चीन की कीमतों से मुकाबला कर पाएंगी। हालांकि कंपनी ने कहा कि भारत में जो अयस्क है, वह चीन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मुकाबले 100 गुना कम है। अयस्क वह कच्चा माल होता है जिससे मैग्नेट बनाया जाता है। कंपनियों ने सरकार को यह भी बताया कि पिछले दो दशकों में चीन से सस्ते मैग्नेट आने के कारण भारत में मैग्नेट का उत्पादन बंद हो गया था। सूत्र ने कहा कि इंडस्ट्री के लोगों ने सरकार से अनुरोध किया कि मैग्नेट बनाने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन और आर्थिक मदद दी जाए। रिजवी ने कंपनियों से कहा कि वे मैग्नेट उत्पादन के बारे में सही जानकारी दें। उन्होंने कहा कि गलत जानकारी से ऑटो सेक्टर के ग्राहकों को नुकसान होगा।ऑटो इंडस्ट्री ने भी संभावित स्थानीय उत्पादकों से सप्लाई का समय बताने को कहा है। उनका कहना है कि उनका उत्पादन समय पर सप्लाई पर निर्भर करता है ऑटो इंडस्ट्री के लिए स्थिति पिछले कुछ महीनों में खराब हो गई है। किसी भी भारतीय ऑटो कंपोनेंट या वाहन कंपनी को चीन सरकार से रेयर अर्थ मैग्नेट खरीदने की मंजूरी नहीं मिली है। भारतीय अधिकारियों के प्रयास के बावजूद, चीनी सरकार के प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग की कोई तारीख तय नहीं हो पाई है।

सेंसेक्स 511 अंक गिरकर 81,897 पर बंद

निफ्टी भी 141 अंक लुढ़का; एनएसई ऑटो-आईटी में गिरावट और मीडिया में 4.4% की तेजी रही

मुंबई, 23 जून (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार, 23 जून को सेंसेक्स 511 अंक गिरकर 81,897 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 141 अंक की गिरावट रही, ये 24,972 पर पहुंच गया। इंफोसिस,एचसीएल टेक और एचयूएल के शेयर करीब 2% नीचे हैं। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 9 में तेजी और 21 में गिरावट रही। एचसीएल टेक, इंफोसिस और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर्स 2.3% तक गिरे। ट्रेंट और बीईएल में 3.4% की तेजी रही। निफ्टी के 50 में से 35 शेयर्स गिरकर बंद हुए। एनएसई के आईटी इंडेक्स में 1.48%, ऑटो में 0.92% और एफएमसीजी में 0.74% की गिरावट रही। मीडिया में 4.39% की तेजी रही। मेटल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स भी चढ़कर बंद हुए।

ऑयल सप्लाई का सबसे बड़ा रास्ता बंद कर सकता है ईरान

ईरान की संसद ने हाल ही में अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया है। ये खबर से पूरी दुनिया के लिए अहम है, क्योंकि होर्मुज के रास्ते से ही दुनिया का 20-25% कच्चा तेल गुजरता है। ईरान के इस कदम से तेल की कीमत बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई है। तेल की कीमत बढ़ने का मतलब है महंगाई बढ़ेगी। इससे तेल आयात करने वाले देशों की इकोनॉमी पर बुरा असर पड़ता है। निवेशकों में डर है कि अगर तेल महंगा हुआ तो कंपनियों की लागत बढ़ेगी, मुनाफा घटेगा। इसलिए बाजार में गिरावट है।

ग्लोबल मार्केट में भी गिरावट

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई करीब 0.13% नीचे 38,354 के स्तर पर और कोरिया का कोस्पी 0.24% गिरकर 3,014 पर बंद हुए। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.67% गिरकर 23,689 के स्तर पर, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट 0.65% ऊपर 3,382 पर बंद हुए। 20 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 35 अंक चढ़कर 42,206.82 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 0.51% नीचे 19,447 पर और एस एंड पी 500 13 अंक नीचे 5,967.84 पर बंद हुआ।

20 जून को विदेशी निवेशकों ने 7,941 करोड़ के शेयर खरीदे

20 जून को विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 7,940.70 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे। वहीं, घरेलू निवेशकों ने 3,049.88 करोड़ रुपए की बिकवाली की। जून महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 3,897.21 करोड़ और घरेलू निवेशकों ने 56,786.30 करोड़ की नेट खरीदारी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

बुध ४, गुरु सूर्य ३, चंद्र २, मंगल केतु ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११ राहु, १२ शनि

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय - 05-47, सूर्यास्त - 18-49
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन... 05-08 बजे
चंद्र-	वृष में	कर्क... 07-21 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह--- 09-32 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या... 11-39 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला----13-46 बजे
शुक्र-	मेष में	वृश्चिक..15-54 बजे
शनि-	मीन में	धनु...... 18-08 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर... 20-18 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ... 22-05 बजे
		मीन.... 23-43 बजे
		मेष..... 01-19 बजे
		वृष.... 03-48 बजे

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी 18-59 तक उपरान्त अमावस्या
मास - आषाढ़ कृष्ण , मंगलवार 24 June
नक्षत्र - रोहिणी 12-54 तक उपरान्त मृगशिरा
योग - शूल 09-35 तक उप गण्ड
करण- विष्टी 08-33 तक उप शकुनि
विशेष-
व्रत-त्योहार - 08-33 तक भद्राकाल

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:36 से 17:14 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05:47 - 07:23	अशुभ	काल.	18:49 - 20:14	अशुभ
उत्पात	07:23 - 09:02	अशुभ	लाभ	20:14 - 21:36	शुभ
चंचल	09:02 - 10:40	शुभ	उत्पात	21:36 - 22:57	अशुभ
लाभ	10:40 - 12:19	शुभ	शुभ	22:57 - 00:19	शुभ
अमृत	12:19 - 13:57	शुभ	अमृत	00:19 - 01:40	शुभ
काल	13:57 - 15:36	अशुभ	चंचल	01:40 - 03:02	शुभ
शुभ.	15:36 - 17:14	शुभ	रोग	03:02 - 04:23	अशुभ
रोग	17:14 - 18:49	अशुभ	काल	04:23 - 05:47	अशुभ

पहले पाक एयरस्पेस, अब ईरान-इजराइल की जंग से भारतीय एयरलाइंस का हो रहा सत्यानाश!

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। भारतीय एयरलाइंस के लिए हालात दिन-ब-दिन मुश्किल होते जा रहे हैं। पहले जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान ने अपना एयरस्पेस भारतीय उड़ानों के लिए बंद कर दिया। अब ईरान और इजराइल के बीच तनाव और युद्ध की स्थिति के चलते ईरानी एयरस्पेस भी बंद हो गया है। ऊपर से अमेरिका के ईरान पर हमले की खबरों ने हालात को और बिगाड़ दिया है। नतीजा, भारतीय एयरलाइंस को अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को चलाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रास्ते लंबे हो गए हैं, ईंधन का खर्च बढ़ गया है, और टिकटों की कीमतें आसमान छू रही हैं। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स की एविएशन एंड टूरिज्म एक्सपर्ट

कमिटी के चेयरमैन सुभाष गोयल का कहना है कि सिर्फ पाकिस्तान और ईरान का ही एयरस्पेस बंद नहीं हुआ है, बल्कि कई और देशों के हवाई रास्ते भी भारतीय उड़ानों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इससे दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से उड़ान भरने वाली अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स पर खासा असर पड़ रहा है। लंबे रास्तों की वजह से एयरलाइंस का ईंधन खर्च बढ़ रहा है, और ये बढ़ा हुआ खर्च आखिरकार यात्रियों की जेब से ही वसूला जा रहा है। टिकटों की कीमतों में 15 से 20 फीसदी की बढ़ोतरी देखी जा रही है।

लंबा रास्ता, ज्यादा खर्चा और यात्रियों की जेब ढीली

एविएशन एक्सपर्ट और सेफ्टी मेटर्स फेडरेशन के फाउंडर अमित सिंह का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के रास्ते अब इतने लंबे हो गए हैं कि एयरलाइंस को बीच में कम से कम एक स्टॉप लेना पड़ रहा है। यानी, जो फ्लाइट पहले नॉन-स्टॉप हुआ करती थीं, अब उन्हें रास्ते में कहीं रुकना पड़ रहा है। इससे न सिर्फ यात्रियों का समय बर्बाद हो रहा है, बल्कि एयरलाइंस का खर्च भी बढ़ रहा है। अमित सिंह ने बताया कि कुछ विदेशी एयरलाइंस अभी भी पाकिस्तान के एयरस्पेस का इस्तेमाल कर रही हैं, लेकिन भारतीय एयरलाइंस के लिए ये रास्ता पूरी तरह बंद है।सुभाष गोयल ने भी इस बात पर जोर दिया कि सिर्फ हवाई रास्ते बंद होने की ही समस्या नहीं है। तेल का आयात भी महंगा होता जा रहा है, जिसका सीधा असर एविएशन सेक्टर पर पड़ रहा है। जब एयरलाइंस को ज्यादा ईंधन जलाना पड़ रहा है, ज्यादा स्टॉप लेने पड़ रहे हैं, और तेल की कीमतें भी बढ़ रही हैं, तो जाहिर है कि इसका बोझ यात्रियों पर ही पड़ना है। ईरानी एयरस्पेस बंद होने से और बढ़ी मुश्किलें पहले भारतीय एयरलाइंस पाकिस्तान के एयरस्पेस का इस्तेमाल करके ईरान के रास्ते लंदन, न्यूयॉर्क, कनाडा, सैन फ्रांसिस्को और यूरोप के कई देशों के लिए उड़ान भरती थीं।

डोनाल्ड ट्रंप ने खुद ही मार ली अमेरिका की इकॉनमी पर कुल्हाड़ी, अब ईरान के पास है 'चाबी'

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में आम लोगों को बड़े समय बाद महंगाई से राहत मिली थी लेकिन अब लग रहा है कि उनकी खुशी ज्यादा दिन तक रहने वाली नहीं हैं। अमेरिका की इकॉनमी में महंगाई के फिर से बढ़ने का खतरा मंडरा रहा है। ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिका के हमले के बाद तेल और गैस की कीमतें बढ़ना लगभग तय है।

कच्चे तेल की कीमत पहले ही 5 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी है। अब ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की धमकी दी है जहां से दुनिया की 20 फीसदी क्रूड सप्लाई होती है। अमेरिका में तेल की कीमतें जनवरी के बाद $80 प्रति बैरल से ऊपर नहीं गई हैं। अगस्त 2024 से यह ज्यादातर $60 से $75 प्रति बैरल के बीच रही हैं। तेल की कीमतें कम रहने से देश के कई हिस्सों में पेट्रोल की कीमतें $3 प्रति गैलन से नीचे आ गई हैं। इससे महंगाई से परेशान उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है। लेकिन 13 जून को इजराइल के अचानक हमले के बाद तेल की कीमतें लगभग 10% बढ़ गई थीं।

तेल की कीमतें आगे किस दिशा में जाएंगी, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का फैसला करता है या नहीं। यह एक महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग है जिससे दुनिया के कच्चे तेल का लगभग 20% हिस्सा गुजरता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका के हमलों का जवाब कैसे देना है, इस बारे में उनके देश के पास कई विकल्प हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता के एक प्रमुख सलाहकार ने पहले ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का आह्वान किया है। जानकारों का कहना है कि अगर ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करके दुनिया की तेल आपूर्ति को काटने का फैसला करता है तो उस पर सैन्य हमले की आशंका बढ़ जाएगी। ईरान फारस की खाड़ी में तेल और गैस के प्रसंस्करण और निर्यात के लिए बने बुनियादी ढांचे पर भी हमला कर सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप को रोकने का एकमात्र तरीका तेल की कीमतों में उछाल का डर है। ईरान को वास्तव में उस डर को पैदा करना होगा। सीएनएन के मुताबिक अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने चीन से आग्रह किया कि वह ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने से रोके। उन्होंने कहा कि इसे बंद करने से अमेरिकी अर्थव्यवस्था की तुलना में अन्य अर्थव्यवस्थाओं को अधिक नुकसान होगा।

भारतीय बाजार में धमाका करने आ रहा है फोनपे, लाने जा रहा है आईपीओ

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी डिजिटल पेमेंट प्रोवाइडर फिनटेक कंपनी फोनपे भारत में आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है. इसके लिए कंपनी अगस्त में सेबी के पास प्राइमरी दस्तावेज जमा करा देगी.

फोनपे के आईपीओ का साइड काफी बड़ा होगा. कंपनी इश्यू के 1.5 बिलियन डॉलर यानी करीब 12,525 करोड़ रुपये जुटाएगी. वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली कंपनी फोनपे ने आईपीओ को लाने के उसकी ऑफरिंग को मैनेज के लिए कोटक महिंद्रा, जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी, सिटीग्रुप इंक औक मॉर्गन स्टेनली से संपर्क किया है. कंपनी से जुड़े लोगों के मुताबिक, आईपीओ की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा करने की योजना बना रही है.फोनपे की शुरुआत साल 2015 में हुई थी. अभी कंपनी के पास 610 मिलियन से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं और यह प्रतिदिन 340 मिलियन रुपये के लेनदेन को संभालता है. साल 2023 में कंपनी ने रिबिट कैपिटल, टाइगर ग्लोबल मैनेजमेंट और टीवीएस कैपिटल फंड्स से 100 मिलियन डॉलर जुटाए, जिससे कंपनी का मूल्यांकन 12 बिलियन डॉलर हुआ है. इसके बारे में कंपनी ने खुद जानकरी दी है. इससे पहले हाल ही में सेबी ने टाटा कैपिटल के गोपनीय ड्राफ्ट पेपर्स को मंजूरी दे दी है. टाटा कैपिटल ने 5 अप्रैल को सेबी के पास गोपनीय रूप से ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया था. इस मंजूरी के साथ, 17,200 करोड़ रुपये का टाटा कैपिटल आईपीओ लॉन्च होने के करीब है. अब कंपनी के अपडेटेड ड्राफ्ट प्रॉस्पेक्टस को सेबी की वेबसाइट पर सार्वजनिक करने और फाइनल रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) जमा करने की तैयारी है.

भारत में सस्ते दामों पर मक्का-सोयाबीन बेचने पर अड़ा अमेरिका

इससे भारतीय किसानों को नुकसान; भारत-अमेरिका ट्रेड डील बीच में अटकी

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच होने वाली ट्रेड डील, कृषि उत्पादों पर इम्पोर्ट ड्यूटी के चलते बीच में अटक गई है। ट्रेड डील के लिए अमेरिका अपने जेनेटिकली मॉडिफाइड फूड जैसे मक्का और सोयाबीन पर इम्पोर्ट ड्यूटी घटाने की मांग कर रहा है।

अमेरिका चाहता है कि ये प्रोडक्ट भारत में सस्ते बिकें। वहीं भारत सरकार किसानों को नुकसान से बचाने के लिए इम्पोर्ट ड्यूटी नहीं घटाना चाहती। भारतीय अधिकारियों का मानना है कि अगर अमेरिका के सस्ते जीएम फूड भारत में आ जाएंगे, तो भारतीय किसानों की फसलें बिकना मुश्किल हो जाएगी। ऐसे में डील पर असमंजस बना हुआ है। 9 जुलाई की डेडलाइन से पहले इसका हल निकलना मुश्किल लग रहा है। यहां सवाल जवाब में जानें ट्रेड डील नहीं होने पर भारत को क्या नुकसान होगा?

ये भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता है, जिसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के सामान पर इम्पोर्ट ड्यूटी (आयात शुल्क) कम करके व्यापार बढ़ाना चाहते हैं। भारत चाहता है कि उसके टेक्सटाइल, चमड़ा, दवाइयां, और कुछ इंजीनियरिंग सामान पर अमेरिका में जीरो टैक्स लगे, जबकि अमेरिका अपने कृषि और औद्योगिक उत्पादों के लिए भारत में बाजार चाहता है।

डील को 9 जुलाई 2025 तक फाइनल करने की कोशिश है। अगर इस तारीख तक कोई सीमित समझौता नहीं हुआ, तो भारत के सामान पर अमेरिका 26% शुल्क लगा सकता है। अमेरिका चाहता है कि भारत जीएम फसलों (मक्का, सोयाबीन) और अन्य कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम करे। साथ ही, वो मेडिकल डिवाइसेज पर टैरिफ और डेटा लोकलाइजेशन नियमों में ढील चाहता है। अमेरिका अपने डेयरी उत्पादों, गाड़ियों, और व्हिस्की जैसे सामानों के लिए भी कम शुल्क की मांग कर रहा है। जवाबः भारत ने अमेरिका की मांगों को मानने से इनकार कर दिया, खासकर कृषि और डेयरी बाजार खोलने की मांग को। भारत का कहना है कि इससे लाखों गरीब किसानों को नुकसान होगा। भारतीय उत्पाद, अमेरिकी उत्पादों से मुकाबला नहीं कर पाएंगे। भारत ने कहा है कि अगर अमेरिका ने स्टील और ऑटोमोबाइल पर शुल्क लगाए, तो हम भी जवाबी शुल्क लगाएंगे।

भारत चाहता है कि अमेरिका उसके टेक्सटाइल, चमड़ा, दवाइयां, और ऑटो पार्ट्स पर शुल्क हटाए या कम करे।

सोना 193 बढ़कर 98,884 पर पहुंचा

चांदी 1 लाख 7 हजार किलो बिक रही, गोल्ड 1 लाख 3 हजार तक जा सकता है

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 23 जून को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 193 बढ़कर 98,884 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले सोना 98,691 पर था। वहीं चांदी की कीमत 25 बढ़कर 1,06,800 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,06,775 पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,840 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,450

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,690 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,300

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,690 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,300

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत

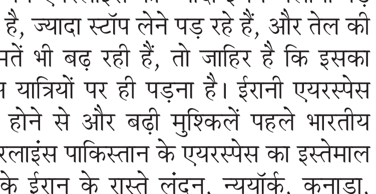

1,00,690 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,300

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,740 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,350

हैदराबाद : 24 कैरेट के लिए 1,00,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 92,100 रुपये है।

इस साल अब तक 22,722 महंगा हुआ सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 22,722 रुपए बढ़कर 98,884 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 20,783 रुपए बढ़कर 1,06,800 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे । फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे ईर्ष्या करेंगे । जब आप सहज रूप से वर्त्तमान .भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आपको मदद की जरुरत है और आप जितनी जल्दी यह बात समझ लेंगे उतना ही अच्छा है । समय रहते किसी दोस्त या मेंटर से मिली मदद से आप फिर से जीवन में आपस आ पायेंगे। जिन बदलावों का आप विरोध करते आ रहे हैं ,उनकी महत्ता आपको अब समझ में आएगी और आप खुद उन्हें करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा । वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है । आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): संचार कुशलता आपकी विशेषता है,आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं । आज अपने गुस्से और निराशा को बाहर निकलने दें । बात करते हुए कोई समाधान भी मिल सकता है ,लेकिन बातें दिल खोलकर करें । दिन के अंत में कोई चोंकाने वाली खबर मिल सकती है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें । आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है ।अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है। लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है । आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे । आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा। लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

जंगली मशरूम खाने से 6 लोग बीमार

पश्चिमी सिंहभूम के कुईड़ा गांव की घटना, एक की हालत नाजुक, सभी सोनुआ अस्पताल में भर्ती

चाईबासा, 23 जून (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम गोईलकेरा प्रखंड के कुईड़ा गांव में एक ही परिवार के छह लोग जंगली मशरूम खाने के बाद गंभीर रूप से बीमार हो गए। जब परिवार की बुजुर्ग महिला मेचो नाग जंगल से मशरूम चुनकर लाई थीं। इन मशरूम को पकाकर पूरे परिवार ने खाया, जिसके कुछ घंटों बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी।

परिवार के सदस्यों को तेज उल्टी और दस्त की शिकायत हुई। धीरे-धीरे उनकी हालत बिगड़ती गई, जिसके बाद ग्रामीणों की मदद से सभी को सोनुआ अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बीमार लोगों की पहचान अंशु नाग (19 वर्ष), रोमी नाग (17 वर्ष), मनीषा नाग (22 वर्ष), शुरू नाग (18 वर्ष), मेचो नाग (62 वर्ष) और बुधनी नाग (45 वर्ष) के रूप में की गई है। इनमें से अधिकांश युवा हैं, जबकि दो महिलाएं अधेड़ उम्र की हैं।

अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार अंशु नाग की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक है। उसे विशेष निगरानी में रखा गया है।

अन्य सभी मरीजों की हालत भी स्थिर नहीं मानी जा रही है, लेकिन डॉक्टर लगातार निगरानी कर रहे हैं और इलाज जारी है।

चिकित्सकों ने आशंका जताई है कि परिवार ने जिस जंगली मशरूम का सेवन किया, वह जहरीला हो सकता है।

झारखंड के ग्रामीण इलाकों में बरसात के मौसम में अक्सर जंगली मशरूम खाए जाते हैं, लेकिन कई बार यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि कौन-सा मशरूम खाने योग्य है और कौन-सा जहरीला।

इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी गांव पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रही है। ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि वे जंगली मशरूम खाने से पहले उसकी पहचान को लेकर पूरी सतर्कता बरतें।

जहरीले मशरूम की पहचान करना मुश्किल है। इनमें से एक तरीका ये है कि मशरूम के रंग से पता किया जाए कि मशरूम जहरीला है या नहीं। लोग कहते है कि चमकीले रंग के मशरूम जहरीले होते हैं।

दुनिया के ज्यादातर जहरीले मशरूम के रंग भूरे या सफ़ेद है। डेस्ट्रॉइंग एंजल का रंग बिल्कुल सफ़ेद है। एमानिटिन वाले मशरूम का रंग चमकीला नारंगी या सफेद रंग का हो सकता है।

मशरूम की 2000 से ज्यादा प्रजातियां हैं लेकिन इनमें से सिर्फ़ 25 प्रजातियों को ही खाया जा सकता है। कई मशरूम जहरीले भी होते हैं। इन्हें डाइट के रूप में शामिल करते समय सावधानी बरतनी जरूरी है।

कांग्रेस में अनुशासनहीनता पर भूपेश बघेल नाराज

पॉलिटिकल अफेयर्स मीटिंग में महंत से भी कहा– नेता प्रतिपक्ष को मुखर होना चाहिए

रायपुर, 23 जून (एजेंसियां)। सचिन पायलट 2 दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंचे हैं। राजीव भवन में कांग्रेस की मैराथन बैठक ले रहे हैं। इस बीच पॉलिटिकल अफेयर्स की मीटिंग में गहमागहमी का माहौल रहा। भूपेश बघेल ने अनुशासनहीनता को लेकर नाराजगी भी जताई।

इसके अलावा बताया जा रहा है कि ,उन्होंने चरणदास महंत से भी पूछा कि, आप मुख्यमंत्री पर हमला करने से क्यों बचते हैं? उन्होंने कहा कि, आप नेता प्रतिपक्ष हैं और नेता प्रतिपक्ष को सरकार के खिलाफ मुखर होना चाहिए।

बताया जा रहा है कि, बैठक में सीनियर नेताओं ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि, उन्हें जिम्मेदारी नहीं दी जा रही है। जबकि सीनियर नेताओं के अनुभवों का लाभ लेना चाहिए। वहीं भूपेश बघेल ने कहा कि, कोई भी नेता कुछ भी बयान दे देता है। किसी के खिलाफ कोई भी टिप्पणी कर देता है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने रायपुर में कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था लचर हो गई है। ऐसा लगता है कि यहां दिल्ली से सबकुछ मैनेज हो रहा, रायपुर का नियंत्रण कम है। जिन्हें शासन चलाने के लिए जनता से आशीर्वाद मिला है, वो भी हर निर्णय के लिए दिल्ली की ओर देख रहे हैं।

पायलट ने अमित शाह के नक्सलियों को 'सोने नहीं देंगे' वाले बयान पर कहा कि हम हिंसा के खिलाफ हैं, लेकिन कार्रवाई पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से होनी चाहिए। आंतरिक सुरक्षा का विषय है इसलिए, सबको विश्वास में लेकर कार्रवाई की जानी चाहिए। रायपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा करते हुए सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस विधायकों ने सदन में प्रभावशाली तरीके से मुद्दे उठाए हैं। अब पार्टी राज्य के प्रमुख मुद्दों पर रणनीतिक चर्चा करेगी। पार्टी के कार्यकारिणी सदस्य, जिला कांग्रेस अध्यक्ष और संगठन के प्रमुख विभागों की बैठकें होंगी।

पायलट ने बताया कि अब तक के कार्यों की रिपोर्ट ली जाएगी और 2025 के लिए संगठन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। इस साल को राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने संगठन के लिए समर्पित किया है। बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठन में जो बदलाव जरूरी हैं, उन पर चर्चा होगी। इसके साथ ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नक्सलियों के खात्मे को लेकर बयान पर कहा कि हम हिंसा के खिलाफ हैं, लेकिन कार्रवाई पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से होनी चाहिए। आंतरिक सुरक्षा का विषय सबको विश्वास में लेकर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे जवान जान पर खेलकर अपनी भूमिका निभाते हैं।

नक्सली खात्मे के लिए केंद्रीय गृह मंत्री के 31 मार्च 2026 के टारगेट को लेकर पायलट ने कहा कि सोच समझ कर कठोर कदम उठाने चाहिए, हमारे जवान जान पर खेल कर अपनी भूमिका निभाते हैं।

तीन महीने का राशन एक साथ लेने मची भगदड़

दरवाजा तोड़कर घुसी भीड़, महिलाएं–बुजुर्ग–बच्चे जमीन पर गिरे, बोले–8 दिन से लाइन में लग रहे

गरियाबंद, 23 जून (एजेंसियां)। गरियाबंद के वॉर्ड क्रमांक 3 की राशन दुकान में रविवार सुबह भगदड़ मच गई। शासन ने मानसून को देखते हुए 3 महीने का राशन एक साथ देने के निर्देश दिए हैं। इसी कारण सुबह से ही हितग्राहियों की लंबी कतार लग गई थी। लेकिन वितरण के लिए लगाए गए नए मशीनी सिस्टम ने काम करना बंद कर दिया।

घंटों इंतजार के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज हितग्राहियों ने नारेबाजी शुरू कर दी। सेल्समैन ने पहले से ही गेट बंद कर रखा था। भीड़ दरवाजा तोड़कर राशन दुकान की ओर दौड़ पड़ी। लोग ऐसे दौड़े जैसे कोई बड़ा हादसा हो गया हो। घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

राशन जल्दी पाने की होड़ में लोगों में धक्का-मुक्की हो गई। इस अफरा-तफरी में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे जमीन पर गिर पड़े, उन्हें चोटें आई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस प्रशासन को मदद के लिए बुलाना पड़ा। पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत किया।

सेल्समैन रमेश निर्मलकर ने कहा कि नए मशीन सिस्टम से वितरण में देरी हो रही है। एक हितग्राही को राशन देने में दो से 3 बार ओटीपी दर्ज करना पड़ रहा है या 6 बार हितग्राहियों के फिंगर प्रिंट लेने पड़ रहे हैं। सर्वर बार-बार डाउन हो जाता है। इससे एक व्यक्ति को राशन देने में आधे घंटे से ज्यादा लग रहा है।

दिनभर में केवल 20 से 22 कार्डधारियों को ही राशन मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन को जल्द समाधान करना चाहिए। हितग्राहियों ने कहा कि वे गरीब परिवार से हैं। रोज काम पर जाना होता है। घंटों लाइन में लगने से समय बर्बाद होता है। व्यवस्था में जल्द सुधार की मांग की।

उपभोक्ता राधा बाई ने कहा कि सर्वर डाउन हुआ, तो लंबी लाइन होने के कारण राशन नहीं मिल रहा है। भीड़ इतनी है कि लोग रौंदते हुए आगे बढ़ गए।

एग्जाम सेंटर में डीएलईडी-छात्रा से टीचर ने की छेड़छाड़

कमरे की लाइट बंद कर गंदी–हरकत की, लड़की ने स्टूडेंट्स के सामने जड़ा तमाचा

बिलासपुर, 23 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में डीएलएड का एग्जाम देने आई छात्रा से टीचर ने छेड़छाड़ की है। टीचर रूम की लाइट बंद कर गंदी हरकतें करने लगा। जिससे नाराज छात्रा ने शिक्षक को तमाचा जड़ दिया। छात्रा ने मामले की शिकायत थाने में की है। पुलिस ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में रहने वाली 28 साल की युवती ने पुलिस को बताया कि, वह पिछले साल डीएलएड में प्रवेश के लिए अपनी सहेलियों के साथ बीटीआई में जानकारी लेने के लिए आई थी।

इसी दौरान उनकी पहचान बीटीआई में पदस्थ अनुराग जेकब से हुई थी। इसके बाद छात्रा कभी भी उससे नहीं मिली। इस साल छात्रा का एग्जाम सेंटर बीटीआई दिया गया।

छात्रा ने पुलिस को बताया कि, 2 जून को वो परीक्षा देने आई थी, तब टीचर अनुराग ने उसे देख लिया। जिसके बाद 17 जून को गणित की परीक्षा देने आई। इस दौरान शिक्षक अनुराग की ड्यूटी उसके ही कमरे में लगी थी। परीक्षा खत्म होने के बाद अनुराग कमरे की लाइट बंद करने के बहाने छात्रा के पास पहुंच गया।

फिर पास जाकर छात्रा से गंदी हरकत करते हुए छूने लगा। इस पर छात्रा वहां से डरकर भागने लगी, तो उससे गलत बातें की। जब 19 जून को छात्रा फिर परीक्षा देने के लिए गई, तब भी उसने छेड़खानी की।

परीक्षा के बाद छात्रा अपने घर आ गई। उसने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। साथ ही अपनी शिक्षिका को भी घटना के बारे में बताया। इसके दूसरे दिन जब छात्रा परीक्षा देने के लिए गई, तो इस बार भी शिक्षक अनुराग की ड्यूटी उसके ही कमरे में लगी थी। परीक्षा के दौरान शिक्षक छात्रा के पास आने की कोशिश करते रहा।

एग्जाम के बाद उसने छात्रा को रोककर बाकी छात्रों को बाहर जाने दिया। सबके जाने के बाद उसने छात्रा को कमरे में मिलने के लिए बोला। इसके बाद वो कमरे से बाहर निकलने लगा। छात्रा भी उसके पीछे बाहर निकल ही रही थी। तभी बाहर निकलते ही छात्रा ने स्टूडेंट्स के सामने शिक्षक को थप्पड़ मार दी। कहने लगी कि कमरे में मिलने क्यों बुला रहा है?

यह नजारा देखकर वहां छात्र-छात्राओं की भीड़ जुटने लगी। वहीं, बीटीआई के बाकी शिक्षक भी पहुंच गए। छात्रा ने वहां मौजूद लोगों को घटना की जानकारी दी।

सिटी कोतवाली टीआई विवेक पांडेय का कहना है कि, छात्रा ने शनिवार को कोतवाली थाने में शिकायत की है। छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी टीचर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

टायर-फटने से नदी में गिरी कार, एमपी के बैंककर्मी की मौत

मामा के घर नाश्ताकर जा रहा था बेमेतरा, क्रेन से निकाली गई गाड़ी

रायपुर, 23 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर से बेमेतरा की ओर जा रही तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर शिवनाथ नदी में जा गिरी। हादसे में कार सवार बैंक कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई। मामला सिमगा थाना क्षेत्र के शिवनाथ नदी का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान अमित कोल (33) के रूप में हुई है, जो मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के गौरीघाट इलाके का रहने वाला था। बेमेतरा के बैंक ऑफ इंडिया शाखा में पदस्थ था। अमित खुद कार चला रहा था।

दरअसल, हादसा सुबह करीब 8 बजे सिमगा के पुराने पुल पर हुआ। कार में अमित कोल अकेले सवार था। वह अपने मामा के घर बलौदाबाजार से नाश्ता कर बेमेतरा जा रहा था, तभी हादसे का शिकार हो गया। शिवनाथ नदी के पुराने पुल के पास कार का टायर फट गया और गाड़ी सीधे नदी में गिर गई।

वहीं हादसे के तुरंत बाद मौके पर भारी संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को बाहर निकाला गया। गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, गोताखोरों की टीम अब भी मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी रही, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं कोई व्यक्ति पानी में डूबा तो नहीं।

सिमगा थाना पुलिस ने बताया कि हादसे के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। पुल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही चश्मदीदों के बयान लिए जा रहे हैं, ताकि घटना की पूरी तस्वीर साफ की जा सके।

चाईबासा के लौह अयस्क खदान में हादसा

गुवा सेल खदान में हॉलपैक का टायर फटा, 1 की मौत, 3 घायल, सुरक्षा को लेकर उठे सवाल

चाईबासा, 23 जून (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा स्थित सेल के गुवा सेल लौह अयस्क खदान में दर्दनाक हादसा हो गया। खदान में हॉलपैक वाहन के टायर में हवा भरने के दौरान अचानक तेज धमाके के साथ टायर फट गया। इस हादसे में एक सेल कर्मी चरण पुरती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से खदान परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब कर्मी हॉलपैक वाहन के टायर में हवा भर रहे थे, उसी दौरान टायर फट गया और उसकी चपेट में चार कर्मचारी आ गए। टायर का दबाव इतना अधिक था कि एक कर्मी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं तीन अन्य को गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद घायलों को पहले गुवा अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें नोवामुंडी स्थित टिस्को अस्पताल में रेफर किया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, घायलों में एक

की हालत चिंताजनक बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम लगातार निगरानी कर रही है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और सेल प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची। सेल प्रबंधन ने मृतक के परिजनों को हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया है। साथ ही घोषणा की गई है कि 15 दिनों के अंदर मृतक के एक आश्रित को कंपनी में नौकरी दी जाएगी।

घटना के बाद गुवा क्षेत्र पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने घायलों से अस्पताल में मुलाकात की और उनके इलाज की जानकारी ली। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि गुवा खदान क्षेत्र में लगातार हादसे हो रहे हैं, जो यह साबित करता है कि सेल कंपनी कर्मियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है। कोड़ा ने कंपनी पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। स्थानीय लोगों और श्रमिक संगठनों ने भी हादसे को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने मांग की है कि खदान में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो।

अमेरिका बोला-छत्तीसगढ़ संभलकर जाएं, हाई रिस्क एरिया

यूएस ने भारत के 6 स्टेट में यात्रा के लिए एडवाइजरी जारी की, भूपेश बोले–हमारे लिए शर्मनाक है

रायपुर, 23 जून (एजेंसियां)। अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इसमें भारत के कुछ स्टेट ऐसे हैं जहां यात्रा न करने की सलाह दी गई है। वहीं नक्सल हिंसा के चलते कुछ राज्यों में यात्रा में सावधानी बरतने की भी एडवाइजरी है। इस कैटेगरी में छत्तीसगढ़ का भी नाम है।

ये एडवाइजरी अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जारी की है। वहां के नागरिकों को बताया गया है कि भारत के कुछ राज्यों में हालात ठीक नहीं हैं, ऐसे में वहां यात्रा करते समय मंत्रालय को इसकी पूरी जानकारी देकर ही यात्रा करें। इस एडवाइजरी को लेकर छत्तीसगढ़ में सियासी बवाल चल रहा है।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने लिखा कि ये है अमृत काल? प्रधानमंत्री जी की अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दोस्ती का ऐसा सिला?। साथ ही उन्होंने कहा कि बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की कानून व्यवस्था बहुत खराब है। जब से बीजेपी सरकार बनी है, तब से महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। अमेरिका की एडवाइजरी हमारे लिए शर्मनाक है।

इसके साथ ही कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव ने भी सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी एडवाइजरी में छत्तीसगढ़ का उल्लेख किया गया है। छत्तीसगढ़ में रायपुर के अलावा कहीं भी कोई जगह सेफ नहीं है बताया गया है। देश के साथ साथ प्रदेश का भी विश्व में डंका बज रहा है। घोर निंदनीय।

अमेरिका की एडवाइजरी पर पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है, अफसोस की बात है। जिस देश में देवी-देवताओं की परंपरा है, जहां देवी-देवताओं का स्थान सबसे आगे है, वहां महिलाएं असुरक्षित हैं, विदेश की भी महिलाएं असुरक्षित हैं। अमेरिका से आने वाली ऐसी एडवाइजरी हमारे देश की छवि को प्रभावित करती है।

बोलेरो पलटने से एक घायल

पाकुड़, 23 जून (एजेंसियां)। पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र में एक बोलेरो दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह हादसा लिट्टीपाड़ा-हिरणपुर मुख्य सड़क पर नवाडीह गांव के पास हुआ। गोड्डा से पाकुड़ जा रही बोलेरो (JH 04F 1949) में चार लोग सवार थे।

दुर्घटना तब हुई जब आगे चल रहे एक मोटरसाइकिल चालक ने अचानक अपनी बाइक को दाहिनी तरफ मोड़ दिया। बोलेरो चालक ने टक्कर बचाने के लिए अचानक ब्रेक लगाया। इससे वाहन असंतुलित होकर सड़क से नीचे पलट गया। हादसे में एक व्यक्ति को चोट आई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद के लिए आगे आए और वाहन में फंसे सभी यात्रियों को बाहर निकाला। उन्होंने पुलिस को भी सूचित किया।

दो दिन में डूबने से 5 बच्चों की मौत

2 मौसेरे भाई और अलग–अलग घटनाओं में तीन की गई जान, एक का शव अभी तक नहीं मिला

पलामू, 23 जून (एजेंसियां)। पलामू में दो दिनों में पांच बच्चों की डूबने से मौत हो गई है। पांकी थाना क्षेत्र में रविवार को दो अलग-अलग स्थानों पर दो बच्चे डूब गए। इनमें से एक का शव मिल गया है।

दूब पंचायत के उक्सू गांव निवासी 12 वर्षीय राकेश कुमार रविवार शाम अपने तीन दोस्तों के साथ सुंदेरी बांध की अमानत नदी में नहाने गया था। वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। सोमवार सुबह आमवाही क्षेत्र में कुछ ग्रामीणों को उसका शव पानी में उपलाता मिला।

दूसरी घटना पकरिया पंचायत के बसरिया में हुई। यहां 14 वर्षीय समीर अंसारी नहाने के दौरान अमानत नदी में डूब गया। उसकी तलाश जारी है। स्थानीय लोग प्रशासन से एनडीआरएफ बुलाने की मांग कर रहे हैं।

इससे पहले शनिवार को दो मौसेरे भाई बांध में नहाने गए थे। 9 वर्षीय आरो तिवारी और 6 वर्षीय अर्पित दुबे का शव रविवार को रेड़मा के बड़काबांध से मिला। रविवार को ही पाटन थाना क्षेत्र के गगतुआ गांव में एक और घटना हुई। 12 वर्षीय अर्जुन भुइयां गांव के नौका आहर में दोस्तों के साथ नहाने गया था। वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया।

देर शाम तक उसका शव बरामद कर लिया गया।

झारखंड सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसा रही

गिरिराज सिंह बोले– स्थानीय लोग हाशिए पर, सरकार बाहरी मुसलमानों को मेहमान की तरह बुला रही

जमशेदपुर, 23 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह टाटानगर रेलवे स्टेशन पहुंचे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं के साथ उनका स्वागत किया।

स्टेशन पर मीडिया से बातचीत में गिरिराज सिंह ने झारखंड सरकार पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार बांग्लादेशी मुसलमानों को विशेष मेहमान की तरह बुला रही है। राज्य में इन घुसपैठियों को बसाया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस कारण राज्य के आदिवासी, मूलवासी और स्थानीय लोग हाशिए पर जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि सरकार घुसपैठियों को बसाकर राज्य की जनसांख्यिकी बदलने की कोशिश कर रही है।

छत गिरने से दंपती की मौत

सोते वक्त गिरा घर, 5 बच्चों के सिर से उठा माता–पिता का साया

हजारीबाग, 23 जून (एजेंसियां)। हजारीबाग के बरही थाना क्षेत्र के रसोईया धमना बाराटोला गांव में एक दुखद घटना सामने आई है। रविवार की देर रात को एक जर्जर मकान की छत गिरने से हबीब अंसारी और उनकी पत्नी जुमेरा खातून की मौत हो गई। दोनों की उम्र लगभग 50 वर्ष थी। मलबे में दबे दंपती को ग्रामीणों ने बाहर निकाला। उन्हें तुरंत बरही अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया।

डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतक जुमेरा खातून वार्ड संख्या 9 की जनप्रतिनिधि थीं। वे गांव के सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती थीं। दंपती अपने पीछे चार पुत्रियां और एक पुत्र छोड़ गए।

झारखंड में बदला मौसम का मिजाज

रांची, 23 जून (एजेंसियां)। झारखंड में साइक्लोन और निम्न दबाव क्षेत्र की सक्रियता के कारण मानसून पूरी तरह हावी है। राजधानी रांची सहित प्रदेश के कई जिलों में दोपहर बाद मौसम बदल गया। हवा के साथ तेज बारिश हुई। राजधानी रांची में रविवार को भी जम कर बारिश हुई। इस बारिश की वजह से मोहल्ले के साथ-साथ घरों में पानी घुस गया। आज भी झमाझम बारिश हो रही है। वहीं मौसम विभाग ने संथाल परगना के जिलों में भी बारिश की बात कही है।

रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया है कि सोमवार को झारखंड के उत्तर-पूर्वी जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इसको लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। भारी बारिश के साथ-साथ वज्रपात की भी आशंका है।

जिन जिलों में अलर्ट जारी किया गया है, उनमें देवघर, धनबाद, पाकुड़, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा और साहिबगंज शामिल हैं। लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

राजधानी रांची की बात करें तो सोमवार को मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार सुबह से आसमान में बादल छाए रहे। रविवार को जोरदार बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। सोमवार को भी तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, रांची का अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है।

ट्रंप के नोबेल नॉमिनेशन को कैंसिल करेगा पाकिस्तान?

ईरान पर हमले के बाद बुरी तरह फंसे शहबाज, सांप छछूंदर वाला हाल

इस्लामाबाद, 23 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने दो दिन पहले दुनिया को चौंकाते हुए डोनाल्ड ट्रंप को शांति का मसीहा बताया और उनके लिए नोबेल पुरस्कार की मांग कर डाली। पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर ट्रंप के लिए नोबेल पुरस्कार मांगा है और भारत-पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष में उन्हें मध्यस्थता करवाने का क्रेडिट दिया है। पाकिस्तान का कहना था कि भारत और पाकिस्तान परमाणु युद्ध में फंस सकते थे और ट्रंप ने न्यूक्लियर वॉर रूकवाया है, इसलिए उन्हें दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित अवार्ड मिलना चाहिए। लेकिन शहबाज सरकार का यह कूटनीतिक दांव अगले ही दिन पाकिस्तान के गले की फांस बन गया। रविवार को अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला कर दिया। जबकि पाकिस्तान, ईरान के समर्थन में लंबी लंबी फेंकने में लगा था। पाकिस्तान इस्लाम के नाम पर ईरान के साथ खड़ा होने का दावा कर रहा था, लेकिन अब पाकिस्तान की जनता, डिप्लोमेट्स और एक्सपर्ट्स शहबाज सरकार पर ट्रंप को नोबेल पुरस्कार देने की मांग को वापस लेने का प्रेशर बना रहे हैं।

पाकिस्तान के लिए ये हाल सांप और छछूंदर के बीच फंसे होने जैसा है। नोबेल नॉमिनेशन वापस लेने का मतलब ट्रंप से पंगा लेना होगा, जबकि दूसरी तरफ घरेलू राजनीति में कहा जा रहा है कि शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने ईरान के पीठ में खंजर घोंपा है। हालांकि पाकिस्तान ने ईरान पर हमले की निंदा जरूर की है, लेकिन इससे दाग साफ नहीं होने वाले हैं।

पाकिस्तान, भारत को घेरने के लिए ट्रंप के लिए, नोबेल कार्ड खेला था, लेकिन मुस्लिम दुनिया में उसकी थू-थू हो रही है।

पाकिस्तान की विदेश नीति ने 24 घंटे में यूटर्न लिया और शनिवार को ट्रंप की तारीफ में कसीदे पढ़ने वाली सरकार रविवार को अमेरिकी हमले की निंदा करती दिखी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका-इजरायल के कदम को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। इससे पाकिस्तान की नीति पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं, कि क्या शहबाज सरकार को ट्रंप के असली चरित्र का अंदाजा नहीं था? क्या यह जल्दबाजी में लिया गया फैसला था?

सोशल मीडिया पर लगातार पाकिस्तानी अपनी ही सरकार की फजीहत कर रहे हैं। बीबीसी की संवाददाता अज़ादेह मोशिरी, जो पाकिस्तान कवर करती हैं, उन्होंने लिखा है कि 'पाकिस्तान एक मुश्किल स्थिति में है। ओवल ऑफिस के साथ बढ़ते संबंधों और एक पड़ोसी देश के लिए समर्थन को कैसे समेटा जाए, जिस पर अमेरिका ने अब बमबारी की है?' उन्होंने लिखा है कि सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी राजनेता और आम जनता अजीब और शर्मनाक शब्दों का जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं।

पाकिस्तान सीनेट रक्षा समिति के पूर्व अध्यक्ष मुशाहिद हुसैन ने शुरू में ट्रंप के नोबेल नामांकन की सराहना की थी और तर्क दिया था कि अगर यह ट्रंप के अहंकार को संतुष्ट करने से फायदा मिलता है ऐसा करना सही है, क्योंकि यूरोपीय लोगों ने भी ऐसा ही किया है। लेकिन एक दिन बाद वे सरकार की निंदा करते हुए, ट्रंप के नोबेल नॉमिनेशन को निरस्त या रद्द करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने ट्रंप को युद्धोन्मादी बताया है। यानि पाकिस्तान के राजनीतिक गलियारे में भी बवंडर आ गया है। पूर्व राजदूत मलीहा लोधी ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा, यह फैसला राष्ट्रीय गरिमा के खिलाफ है।

जापान के पीएम इशिबा नाटो सम्मेलन में नहीं जाएंगे

उनकी जगह विदेश मंत्री के शामिल होने की संभावना

टोक्यो, 23 जून (एजेंसियां)। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा हेग में नॉर्थ अटलांटिक ट्रिटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) शिखर सम्मेलन में नहीं जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जापान की फूजी टीवी ने कहा कि इशिबा अपनी यात्रा रद्द कर रहे हैं क्योंकि नाटो और चार इंडो-पैसिफिक देशों (आईपी4) के ग्रुप के बीच प्लान्ड मीटिंग रद्द हो गई है। न्यूजीलैंड और जापान के साथ आईपी4 में शामिल दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया ने भी कहा है कि उनके नेता नाटो शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। सूत्र ने कहा कि जापानी पीएम की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ भी बैठक न होने की संभावना है। इसलिए, उनकी जगह अब विदेश मंत्री ताकेशी इवाया नाटो में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अमेरिका और इजरायल मचा रहे तबाही

फिर क्यों दोस्त ईरान की मदद नहीं कर पा रहा है रूस? पुतिन ने बताया बड़ा राज

मॉस्को, 23 जून (एजेंसियां)। रूस की ओर से ईरान पर हो रहे अमेरिका और इजरायल के हमलों की कड़ी निंदा की गई है। हालांकि कई एक्सपर्ट ये उम्मीद कर रहे हैं कि रूस इससे आगे बढ़ते हुए ईरान को सैन्य मदद करेगा क्योंकि दोनों देश करीबी सहयोगी हैं। रूस सिर्फ बयान जारी करने तक क्यों सीमित है और ईरान को सैन्य स्तर पर मदद देने से क्यों बच रहा है। इसका जवाब खुद रूसी प्रेसीडेंट व्लादिमीर पुतिन ने दिया है। पुतिन का कहना है कि उनकी तटस्थता का एक बड़ा कारण इजरायल में बड़ी तादाद में रूसी मूल के लोगों का होना है।

व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि रूस इस संघर्ष में तटस्थ रहने की कोशिश कर रहा है क्योंकि इजरायल में बड़ी संख्या में रूसी भाषी लोग रहते हैं। पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में यह बात कही है। फोरम में बोलते हुए पुतिन ने कहा कि इजरायल में पूर्व सोवियत संघ और रूसी संघ के करीब 20 लाख लोग रहते हैं। इसे करीब-करीब रूसी भाषी लोगों का देश कहा जा सकता है। रूस के आधुनिक इतिहास में हम इसका हमेशा ध्यान रखते रहे हैं और मौजूदा समय में भी ये एक वजह बना है।

व्लादिमीर पुतिन ने इस दौरान इस आरोपों को खारिज कर दिया कि रूस अपने सहयोगियों को मुश्किल वक्त में मदद नहीं करता है। उन्होंने रूस को अपने सहयोगियों के प्रति वफादारी पर सवाल उठाने वालों उकसावे की बात करने वाला कहा है। उन्होंने कहा कि रूस के संबंध अरब देशों और इस्लामिक देशों दोनों के साथ लंबे समय से मैत्रीपूर्ण रहे हैं।

पुतिन ने कहा कि यह नहीं कहा जाना चाहिए कि रूस ने मुस्लिम बाहुल्य ईरान का साथ छोड़ा है। उनके साथ के इस्लामी देशों से संबंध ऐतिहासिक रूप से अच्छे रहे हैं। पुतिन ने रूस मुस्लिम बाहुल्य देशों के इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) में एक पर्यवेक्षक है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके देश रूस की आबादी में भी 15 फीसदी मुसलमान हैं।

रूस ने की है अमेरिकी हमलों की निंदा

अमेरिकी हमलों को गैरजिम्मेदार बताते हुए कड़ी निंदा की है। रूस ने अमेरिकी हमलों को अंतर्राष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और यूएनएससी प्रस्तावों का घोर उल्लंघन बताया है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत ने रविवार को ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिका के हमलों की निंदा करते हुए पश्चिमी सुरक्षा परिषद के सदस्यों पर दोहरा मापदंड का आरोप लगाया।

संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि वासिली नेबेंजिया ने सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में कहा कि अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बिना उकसावे के मिसाइल और बम हमले किए, जो अंतराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की निगरानी में थे। एक एक संप्रभु देश पर ये हमला गैर-जिम्मेदाराना, खतरनाक और उकसावे वाला है।

बिलावल ने इजराइली हमलों की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की

सिंधु संधि पर भारत को जंग की चेतावनी दी पाकिस्तानी पीएम बोले- हम ईरान के साथ खड़े

इस्लामाबाद, 23 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने सोमवार को नेशनल असेंबली सत्र के दौरान भारत पर निशाना साधा। बिलावल ने इजराइल के ईरान पर हमले की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की।

पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज के मुताबिक बिलावल ने कहा कि जिस तरह भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया था, उसी तरह इजराइल ने ईरान पर अटैक किया है। उन्होंने भारत के साथ 7 से 10 मई तक हुए सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान की जीत का दावा किया।

दरअसल, भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत 6-7 मई को हवाई हमला किया था।

इसके अलावा बिलावल ने भारत के सिंधु जल संधि को निलंबित करने को अवैध करार दिया और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया। बिलावल ने नदियों का पानी रोकने या बांध बनाने की कोशिश करने पर भारत को जंग की चेतावनी दी।

बिलावल ने कहा, हमारी वायुसेना ने पहले भारत को हराया है और जरूरत पड़ी तो फिर हराएगी। हम अपने देश के लिए सभी छह नदियों के पानी को सुरक्षित रखेंगे।

बिलावल ने दावा किया कि पाकिस्तान के ऑपरेशन बुनियान-उम-मारसूस में भारतीय वायुसेना के 6 लड़ाकू विमान गिराए गए। इसमें तीन राफेल और दर्जनों ड्रोन शामिल थे।

इसके साथ बिलावल ने इजराइल के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर विश्व ने ईरान के खिलाफ इजराइल की कार्रवाइयों पर चुप्पी साधी, तो कोई नहीं बचेगा। बिलावल ने जर्मन पादरी मार्टिन नीमोलर की कविता फर्स्ट दे केम का जिक्र किया। उन्होंने कहा-पहले वे फिलिस्तीनियों के लिए आए, लेकिन दुनिया चुप रही। फिर लेबनानी, फिर यमनी और अब ईरान के लिए आए हैं। अगर हम अब नहीं बोले, तो जब वे हमारे लिए आएंगे, कोई नहीं बचेगा।

सिंधु जल विवाद में कूदा ओआईसी

तुर्की में 57 इस्लामिक देशों के संगठन ने पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाया

इस्तांबुल, 23 जून (एजेंसियां)। इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की परिषद (सीएफएम) ने भारत-पाक के सिंधु जल समझौतों को जारी रखने पर जोर दिया है। 57 इस्लामी देशों के संगठन ओआईसी की तुर्की के इस्तांबुल में रविवार को हुई बैठक में सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) सहित पाकिस्तान-भारत के बीच द्विपक्षीय समझौतों का सख्ती से पालन करने का आह्वान दोनों पक्षों से किया गया है। ओआईसी का ये आग्रह इस मुद्दे पर पूरी तरह पाकिस्तान के रुख का समर्थन करता है।

सीएफएम की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हमारी गहरी चिंता दक्षिण एशिया में हालिया दिनों में हुई सैन्य वृद्धि पर है। इस चिंता में पाकिस्तान में कई स्थानों पर किए गए भारत के हमले शामिल हैं। हम दोनों पक्षों से अधिकतम संयम बरतने और संयंत्रों पर हवाई हमले के बाद बनी क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा के लिए सोमवार को पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की आपात बैठक बुलाई गई है। ऐसे कार्यों से बचने की आवश्यकता पर जोर देते हैं, जो क्षेत्र को अस्थिर कर सकते हैं। बयान में सिंधु समझौते का जिक्र करते हुए कहा गया है कि इसे तोड़ा नहीं जाना चाहिए और दोनों पक्षों को इसका पालन करना चाहिए। इस्तांबुल में आयोजित इस्लामी देशों की दो दिवसीय बैठक में सीएफएम ने सिंधु समझौते के अलावा कश्मीर मुद्दे पर भी पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाया है। सीएफएम ने कहा कि हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, ओआईसी के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की इच्छाओं के अनुसार कश्मीरी लोगों के आत्मनिर्णय अधिकार के लिए पूर्ण समर्थन व्यक्त करते हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार भी ओआईसी की बैठक में शामिल होने के लिए तुर्की गए हैं। इसमें खास बात ये रही कि डार के साथ पाकिस्तान आर्मी के चीफ असीम मुनीर भी डार के साथ तुर्की गए। मुनीर ने तुर्की में मेजबान देश के प्रेसीडेंट रेसेप एर्दोगन के साथ मुलाकात की। इन बैठकों का असर बैठक के बाद के बयान पर भी दिख रहा है। सिंधु जल संधि पर भारत और पाकिस्तान ने 1960 में हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में भारत और पाकिस्तान के बीच नदियों के पानी को बांटने को लेकर नियम तय किए गए हैं।

सीरिया के चर्च में आत्मघाती हमला, अब तक 22 मौतें

63 घायल, आईएसआईएस आतंकी ने पहले फायरिंग की, फिर खुद को बम से उड़ा लिया

दमिश्क, 23 जून (एजेंसियां)। सीरिया की राजधानी दमिश्क में रविवार रात एक भयानक आत्मघाती हमले में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और 63 घायल हो गए। हमला ग्रीक ऑर्थोडॉक्स सेंट एलियास चर्च में उस समय हुआ जब दर्जनों लोग प्रार्थना में शामिल थे। यह घटना तब हुई जब चर्च के अंदर एक इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) से जुड़ा आतंकी घुसा, पहले फायरिंग की और फिर खुद को उड़ा लिया। हमला भारतीय समयानुसार रविवार रात को हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावर के साथ एक अन्य बंदूकधारी भी था, उसने भी भीड़ पर गोलीबारी की लेकिन विस्फोट नहीं किया। चर्च में उस वक्त लगभग 150 से 350 लोग मौजूद थे। विस्फोट से अंदर की बेंचें बिखर गईं। सीरियाई सुरक्षाबल हमले की जांच में जुटे हैं और चर्च क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है। सरकार ने यह भी कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। नई सरकार एचटीएस (हयात तहरीर अल-शाम) के पूर्व इस्लामिक विद्रोही नेताओं द्वारा संचालित है, जो पहले IS के खिलाफ भी लड़ चुके हैं।

हमला ऐसे समय में हुआ जब पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता से हटाए जाने के बाद एक इस्लामिक नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में आई है। नई सरकार की नीतियों के चलते आईएस फिर से सक्रिय होने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, असद समर्थक सैनिकों द्वारा छोड़े गए हथियारों का फायदा उठाकर आईएस ने खुद को फिर से संगठित किया है। सीरिया के सूचना मंत्री हमजा अल-मुस्तफा ने इस हमले को राष्ट्रीय एकता पर हमला बताया और सभी समुदायों से शांति बनाए रखने की अपील की।

दक्षिण कोरिया में 64 साल बाद बड़ा बदलाव

सियोल, 23 जून (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया में 64 साल बाद इतिहास रचते हुए राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने देश के रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी एक आम नागरिक को सौंपी है। राष्ट्रपति ली ने पांच बार के सांसद और डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता आह्न ग्यू-बैक को देश का नया रक्षा मंत्री नामित किया है। इससे पहले यह पद हमेशा सेना के रिटायर्ड जनरलों के हाथों में ही रहा है।

यह फैसला ऐसे वक्त में आया है जब देश के पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग ह्युन समेत कई शीर्ष सैन्य अधिकारी आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। ये अधिकारी पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल के कार्यकाल के दौरान देश में मार्शल लॉ लागू करने में शामिल बताए जा रहे हैं। योन पर बगावत के आरोप हैं और उन्हें राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया है। सांसद आह्न ग्यू-बैक लंबे समय से नेशनल असेंबली की रक्षा समिति से जुड़े रहे हैं। इसके अलावा वह उस संसदीय जांच समिति के प्रमुख भी रहे हैं, जिसने पिछले साल यून के मार्शल लॉ लागू करने के पूरे घटनाक्रम की जांच की थी। बता दें कि उस दौरान भारी हथियारों से लैस सैकड़ों सैनिकों को संसद भवन और चुनाव आयोग के दफ्तरों में तैनात किया गया था।

बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त गिरफ्तार

भीड़ ने पीटा फिर बेइज्जत भी किया

ढाका, 23 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नुरुल हुदा को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तारी से पहले नुरुल हुदा को भीड़ द्वारा पीटा भी गया। रविवार को लोगों की भीड़ ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नुरुल हुदा के ढाका स्थित आवास पर हमला किया। यह हमला ऐसे वक्त किया गया, जब पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी ने नुरुल हुदा के खिलाफ चुनाव में धांधली के आरोप में शिकायत दर्ज कराई। उसके बाद ही भीड़ ने नुरुल हुदा के घर पर हमला किया। ढाका के उत्तरा पश्चिम पुलिस स्टेशन के प्रमुख हफीजुर रहमान ने बताया कि 'सूचना के बाद हम मौके पर पहुंचे तो भीड़ ने हुदा को घेरा हुआ था'।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक भीड़ ने हुदा के ढाका के उत्तरा इलाके में स्थित घर पर धावा बोला और उन्हें खींचकर बाहर ले आई। इस दौरान भीड़ ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को पीटा। सोशल मीडिया पर साझा किए गए पोस्ट में दिख रहा है कि भीड़ ने नुरुल हुदा को पहले जूतों से पीटा और उसके बाद उनके गले में जूतों की माला पहनाई गई। नुरुल हुदा पर अंडे मारे गए और गंदी-गंदी गालियां दी गईं। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और नुरुल हुदा को हिरासत में लिया। ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस के डिप्टी कमिश्नर मोहीदुल इस्लाम ने बताया कि हुदा को बीएनपी द्वारा दर्ज शिकायत के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया।

बीएनपी ने नुरुल हुदा समेत 19 लोगों के खिलाफ चुनाव में धांधली करने की शिकायत दर्ज कराई। आरोपियों में पूर्व पीएम शेख हसीना का नाम भी शामिल है। हुदा को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। हुदा के नेतृत्व में ही बांग्लादेश में साल 2014, 2018 और 2024 के आम चुनाव कराए गए। बीएनपी का आरोप है कि इन चुनाव में लोगों के जनादेश के बगैर शेख हसीना को जीत मिली।

इजरायल का दावा- तेहरान में सरकारी ठिकानों को बनाया निशाना

कुख्यात एविन जेल पर भी किया हमला

तेल अवीव, 23 जून (एजेंसियां)। इजरायली रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इजरायल अब ईरान की राजधानी तेहरान में ईरानी सरकार के ठिकानों पर हमला कर रहा है। इनमें कुख्यात एविन जेल भी शामिल है। अन्य जिन ठिकानों पर हमला किया जा रहा है, उनमें अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) का सुरक्षा मुख्यालय, शहर का फलस्तीन स्क्वायर और बसीज वॉलंटियर फोर्स की इमारत शामिल है। बसीज बल भी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स का हिस्सा है। रक्षा मंत्रालय ने कहा, ईरानी तानाशाह ने इजरायली नागरिकों पर हमला किया है और अब उसे पूरी ताकत से सजा दी जाएगी।

इससे पहले, ईरानी सरकारी टेलीविजन ने बताया था कि तेहरान में स्थित ईरान की कुख्यात एविन जेल के गेट के पास एक संदिग्ध इजरायली हवाई हमला हुआ। ईरानी मीडिया का अनुमान है कि यह हमला एक ड्रोन द्वारा किया गया हो सकता है। रिपोर्ट में कथित तौर पर हमले की ब्लैक एंड व्हाइट फुटेज साझा की गई।

मर जाऊं तब भी फलस्तीन समर्थन नहीं छोड़ूंगा

अमेरिकी जेल से छूटने के बाद फलस्तीनी कार्यकर्ता ने भरी हुंकार

न्यूयॉर्क, 23 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में इस्राइल विरोधी प्रदर्शन के चलते तीन महीने से ज्यादा समय तक हिरासत में रहे फलस्तीनी कार्यकर्ता महमूद खलील ने रिहाई के बाद बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि चाहे उन्हें जेल में डाल दिया जाए या मार दिया जाए, लेकिन वो फलस्तीन के समर्थन में बोलना नहीं छोड़ेंगे। शनिवार को न्यू जर्सी के नेवार्क इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खलील का जोरदार स्वागत हुआ, जहां कई समर्थकों के साथ अमेरिकी सांसद एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज भी मौजूद रहीं। महमूद खलील, जो पहले कोलंबिया यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट स्टूडेंट रह चुके हैं, अमेरिका में ट्रंप प्रशासन की सख्ती और फलस्तीन समर्थक छात्रों के खिलाफ कार्रवाई का बड़ा चेहरा बन गए थे। वह करीब 104 दिनों तक लुइसियाना के इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में बंद रहे। रिहाई के बाद उन्होंने मीडिया से बात करते हुए साफ कहा कि अमेरिका और कोलंबिया यूनिवर्सिटी, दोनों गाजा पर हो रहे 'नरसंहार' में हिस्सेदार हैं और वो इसके खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे।

खलील ने कहा कि अमेरिकी सरकार इस नरसंहार को फंडिंग दे रही है और कोलंबिया यूनिवर्सिटी इसमें निवेश कर रही है। इसलिए मैं हर हालत में विरोध करता रहूंगा, चाहे मुझे फिर से जेल में डाल दें या मार दें, मैं फलस्तीन के लिए आवाज उठाता रहूंगा। उनकी पत्नी ने हाल ही में बेटे को जन्म दिया है, जिसे देखकर खलील ने कहा कि वो अपने बेटे के भविष्य के लिए भी यह लड़ाई जारी रखेंगे।

एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज ने खलील की गिरफ्तारी को अमेरिका के संविधान के पहले संशोधन (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ खलील पर हमला नहीं था, बल्कि हर अमेरिकी नागरिक के अधिकारों पर हमला था।

रूस के हमले से यूक्रेन में पांच की मौत

पाकिस्तान ने पश्चिम एशिया मुद्दे पर बुलाई एनएससी की बैठक

मास्को, 23 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के मिशगन में एक चर्च पर गोलीबारी का मामला सामने आया है। इस मामले में स्थानीय सुरक्षाबलों ने हमलावर को मार गिराया। स्थानीय समय के मुताबिक मिशिगन के वेन में क्रॉसपॉइंट चर्च में रविवार को हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति घायल भी हुआ। वेन पुलिस विभाग के अनुसार, अधिकारियों ने चर्च में गोलीबारी की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने पाया कि एक सुरक्षा गार्ड ने संदिग्ध को गोली मारकर मार दिया था। चर्च का सुरक्षा गार्ड घायल हुआ है। उसके पैर में गोली लगी है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक गोलीबारी के समय लगभग 20 लोग चर्च में उपस्थित थे। कई बच्चे भी शामिल थे। लोगों ने छिपने की जगहों पर भागकर अपनी जान बचाई।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के नेतृत्व में भारत का एक उच्चस्तरीय शिष्टमंडल आयरलैंड के दौरे पर गया है। इस प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और पांच राज्यों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। यह दल एयर इंडिया कनिष्क बम विस्फोट की 40वीं वर्षगांठ के मौके पर आयरलैंड पहुंचा है। प्रतिनिधिमंडल में अरविंदर सिंह लवली (दिल्ली विधायक), बलदेव सिंह औलाख (उत्तर प्रदेश के मंत्री), गुरवीर सिंह बराड़ (राजस्थान के विधायक), त्रिलोक सिंह चीमा (उत्तराखंड के विधायक) और नरिंदर सिंह रैना (जम्मू और कश्मीर के विधायक) भी शामिल हैं।

नीदरलैंड के कॉर्क में अहाकिस्ता स्मारक पर समारोह से पहले पुरी ने एक एक्स पोस्ट में लिखा, 'हीथ्रो से कॉर्क के रास्ते में, 1985 में एयर इंडिया कनिष्क फ्लाइट 182 पर नृशंस बमबारी हुई। इस हमले में आयरिश तट पर 329 निर्दोष लोगों की जान गई। इसे विमानन इतिहास के आतंक के सबसे अमानवीय कृत्यों में से एक माना जाता है।

सरकारी शिक्षकों ने किया आंदोलन का ऐलान

मांगों पर अड़े शिक्षक

सीकर, 23 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी टीचरों ने सीकर के नवलगढ़ रोड स्थित शिक्षक भवन में 2 दिवसीय राज्य परिषद कार्यशाला का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने अपनीं मांगों को लेकर एक फिर से आंदोलन का ऐलान किया है। शिक्षक संघ ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र ही उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो प्रदेश भर में और बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा। कार्यशाला में शिक्षकों ने सार्वजनिक शिक्षा को सुदृढ़ करने और शैक्षिक ढांचे को बचाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

कार्यशाला में प्रदेश भर के शिक्षकों ने एकजुट होकर शिक्षा के द्वितीय स्तर के संरक्षण, डीपीसी की बकाया मांगों, और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2030 के खिलाफ रणनीति पर गहन मंथन किया। इस दौरान राजस्थान के शैक्षिक ढांचे को बचाने और शिक्षा के निजीकरण को रोकने के लिए चर्चा की गई। साथ ही शिक्षक संघ ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र ही उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो प्रदेश भर में और बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा।

राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) के प्रदेश महामंत्री उपेंद्र शर्मा ने कहा कि 27 मई से 2 जून तक 48 डिग्री की भीषण गर्मी में शिक्षकों ने सड़कों पर पैदल मार्च कर सरकार को झुकने पर मजबूर किया। आजादी के बाद और राजस्थान के गठन के बाद पहली बार ऐसा आंदोलन हुआ। जिसमें शिक्षकों ने कोई आर्थिक मांग नहीं रखी, बल्कि जनहित और शिक्षा के संरक्षण की बात की।

इन मांगों पर अड़े शिक्षक

उपेंद्र शर्मा ने आगे कहा कि इस आंदोलन में शिक्षकों ने डेढ़ लाख नौजवानों के लिए नौकरी, गिरते शैक्षिक ढांचे को बचाने, स्कूलों के संरक्षण, 5 साल से लंबित डीपीसी, और शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा देने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2030 के खिलाफ आवाज बुलंद की। कार्यशाला में आगामी आंदोलन की रणनीति पर भी विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें सरकार को मांगें मानने के लिए दबाव बनाने की योजना तैयार की गई।

'एक्सपोज' वाले बयान पर मंत्री किरोड़ी लाल मीना ने सचिन पायलट पर तीखा पलटवार किया

बीकानेर, 23 जून (एजेंसियां)। बीकानेर में बीज गोदामों पर छापेमारी करने पहुंचे राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीना ने सचिन पायलट पर तीखा हमला बोला है। पायलट के पता नहीं किसको एक्सपोज कर रहे वाले बयान पर पलटवार करते हुए किरोड़ी लाल मीना ने कहा कि हमारी सरकार काम कर रही है। लेकिन, सचिन पायलट राजनीति कर रहे हैं।

बता दें कि कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने रविवार रात समता नगर के भूरा कॉम्प्लेक्स परिसर में तीस से ज्यादा गोदामों पर छापा मारा। इनमें मिले 11 हजार 663 किलो उर्वरक, 1136 लीटर कीटनाशी और 62.40 क्विंटल बीज को जब्त किया गया है। इससे पहले भी वो कई जिलों में छापेमारी की कार्रवाई कर चुके है।

बीकानेर में मंत्री किरोड़ीलाल मीना के पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हम सचिन पायलट के कबाड़ों की जांच कर रहे हैं। उन्हें दर्द क्यों होता है। साथ ही सचिन पायलट को सलाह देते हुए कि जब हम मिलावट का नकली बीज व नकली पेस्टीसाइड्स पकड़ रहे हैं तो उन्हें इसमें राजनीति नहीं करनी चाहिए।

राजनीति करने की जरूरत नहीं: किरोड़ी मीना

मंत्री किरोड़ीलाल मीना ने कहा कि सचिन पायलट को शर्म आनी चाहिए। वो अपने आप को किसान का बेटा बताते हैं, राजेश पायलट बहुत बड़े किसान थे और सचिन पायलट पूछ रहे हैं कि हम किसे एक्सपोज कर रहे हैं? इसमें राजनीति करने की जरूरत नहीं है। हम तो कालाबाजारी करने वाले और नकली बीज बेचने वालों को एक्सपोज कर रहे हैं।

पायलट ने दिया था ये बयान

गौरतलब है कि पिछले दिनों टोंक में लाइब्रेरी भवन के लोकार्पण समारोह के दौरान मीडिया से चर्चा के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा था कि कालाबाजारी, जमाखोरी मिलावट करने वालों को किसी न किसी का संरक्षण है। बिना संरक्षण के इतने बड़े स्तर पर कालाबाजारी, जमाखोरी मिलावट नहीं कर सकता है। लेकिन, पता नहीं मंत्री किसको एक्सपोज कर रहे हैं। चोर बजारियों को या अपने साथ काम करने वालों को।

सरकार की चुपी खतरनाक, अब लड़ाई पूरे प्रदेश की

एसआई पेपर लीक प्रकरण पर बोले हनुमान बेनीवाल

नागौर, 23 जून (एजेंसियां)। जयपुर के शहीद स्मारक पर एसआई भर्ती रद्द प्रकरण को लेकर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने सरकार पर हमला। उन्होंने कहा कि हम यह भर्ती रद्द करवाने के लिए पिछले दो महीने से धरना दे रहे है। अब युवाओं और छात्रों को न्याय दिलाने की यह लड़ाई निर्णायक दौर में पहुंच चुकी है। बेनीवाल ने प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि डॉ. राकेश विश्नोई की आत्महत्या हो या 2021 की SI भर्ती परीक्षा में हुआ घोटाला, हर मामले में राजस्थान सरकार की भूमिका संवेदनहीन और टालमटोल वाली रही है।

दरअसल, SI भर्ती-2021 परीक्षा को रद्द करवाने की मांग को लेकर नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल पिछले दो महीने से जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर धरने पर बैठे हुए हैं। बेनीवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं और छात्रों के भविष्य को लेकर किसी भी तरह से संवेदनशील नहीं दिख रही है। वह इन गंभीर मुद्दों को केवल टाल रही है। बेनीवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार के संस्थागत उत्पीड़न के कारण एक होनहार डॉक्टर को जान गंवानी पड़ी, तब भी सरकार पूरी तरह चुप रही। जब सड़कों पर विरोध शुरू हुआ, तब जाकर कहीं न्याय मिला। उन्होंने कहा कि ₹पेपर लीक, नकल गिरोह की संलिप्तता और फर्जी अभ्यर्थियों की भागीदारी जैसे गंभीर आरोप सिद्ध होने के बावजूद सरकार भर्ती को रद्द नहीं कर रही है। इससे साफ होता है कि प्रदेश सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है।

आरपीएससी भरोसे के संकट से गुजर रही

बेनीवाल ने कहा कि RPSC जैसी पवित्र संवैधानिक संस्था अब भरोसे के संकट से गुजर रही है। इसके पुनर्गठन के बिना किसी भी भर्ती में पारदर्शिता की उम्मीद नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को समझना होगा कि जब जनभावनाओं की अनदेखी होती है तो उसकी कीमत सत्ता को चुकानी पड़ती है। यह सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है, न युवाओं को समय पर नौकरी मिल रही है, न किसानों को राहत, और न छात्रों को न्याय। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर, SI भर्ती परीक्षा को रद्द करवाने के लिए सरकार ने निर्णायक कदम नहीं उठाया तो यह आंदोलन अब दिल्ली की ओर बढ़ेगा। पूरे देश में इस अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद की जाएगी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में खराबी

4 घंटे तक प्लेन में फंसे रहे यात्री, जयपुर से दुबई की फ्लाइट रद्द

जयपुर, 23 जून (एजेंसियां)। एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में तकनीकी खराबी के चलते जयपुर से दुबई जाने वाली एक फ्लाइट रद्द कर दी गई है। इस विमान में टेक ऑफ से ठीक पहले गड़बड़ी महसूस की गई। इसके बाद प्लेन को ठीक करने की सारी कोशिशें विफल रहीं। ऐसे में एयरलाइन ने फ्लाइट कैंसिल करने का फैसला किया। एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX-195 को रद्द किया गया है। यह फ्लाइट जयपुर से सुबह 5:30 बजे दुबई जाती है। सोमवार के दिन सुबह छह बजे फ्लाइट दुबई रवाना हो रही थी। प्लेन बोर्डिंग के बाद टैक्सी-वे तक चला गया था। इसके बाद कैप्टन को तकनीकी खराबी पता चली। करीब 4 घंटे तक प्लेन को ठीक करने की कोशिश की गई, लेकिन प्लेन सही नहीं हुआ। इस दौरान यात्री प्लेन के अंदर ही बैठे रहे। जब प्लेन ठीक नहीं हुआ तो एयरलाइन ने फ्लाइट कैंसिल करने का फैसला किया। यात्रियों को आने वाले दिनों में टिकट कराने पर रिफंड का विकल्प दिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक कॉकपिट से जुड़ी थी तकनीकी खामी थी, जिसके कारण फ्लाइट कैंसिल करनी पड़ी। टेकऑफ से पहले पायलट ने कॉकपिट की गड़बड़ी महसूस की। इसके बाद रनवे एरिया से पायलट ने प्लेन को फिर से एप्रन में पहुंचाया। इसके बाद उन्होंने इंजीनियर की मदद से लगभग 4 घंटे तक तकनीकी खामी को ठीक करने का प्रयास किया। लेकिन जब तकनीकी खराबी का समाधान नहीं निकल पाया तो आखिर में फ्लाइट को रद्द करने का फैसला किया गया। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सभी पैसेंजर्स को रिफंड देने का फैसला किया है। गुजरात के अहमदाबाद में 12 जून को एयर इंडिया का एक विमान हादसे का शिकार हो गया था। यह विमान 242 लोगों के साथ लंदन जा रहा था, लेकिन टेक ऑफ के कुछ सेकेंड बाद ही यह क्रैश होकर एक इमारत से टकरा गया। विमान में सवार 241 लोग मारे गए। जिस इमारत से विमान टकराया, उसमें मौजूद कई लोगों की मौत हो गई। घटना के 10 दिन बाद भी हादसे की वजह सामने नहीं आई है। इस घटना के बाद से एयर इंडिया समेत कई अन्य एयरलाइन विमानों में जांच को लेकर सख्ती बरत रही हैं।

आईएएस ट्रांसफर लिस्ट ने चौंकाया

रिश्वत के आरोप में हटाए आईएएस हनुमान मल को मिली नई जिम्मेदारी

जयपुर, 23 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने लंबे इंतजार के बाद रविवार देर रात आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए। इस 62 आईएएस अधिकारियों की ट्रांसफर लिस्ट में सबसे चौंकाने वाला नाम हनुमान मल ढाका का है। जिन्हें सरकार ने रिश्वत मामले में एपीओ कर दिया था। कार्मिक विभाग ने अब उन्हें निदेशक, विभागीय जांच के पद पर पोस्टिंग दी है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने दूदू के तत्कालीन जिला कलक्टर हनुमान मल ढाका व हल्का पटवारी हंसराज के खिलाफ लैंड कन्वर्जन के बदले 25 लाख रुपए रिश्वत मांगने का मामला दर्ज किया था। एसीबी ने डाक बंगला दूदू व तहसील कार्यालय में रेड मारी थी। हालांकि, एसीबी की भनक लगने पर रिश्वत की राशि नहीं ली। लेकिन एसीबी के सत्यापन में स्पष्ट किया था कि हनुमान मल व पटवारी ने रिश्वत मांगी थी।

परिवादी की शिकायत के मुताबिक दूदू में उसकी फर्म के नाम से 204 बीघा जमीन में से कुछ खसरे तालाब/पाल क्षेत्र में हैं। इन खसरे के कन्वर्जन करवाए जाने की बात को लेकर एक शिकायत जिला कलेक्टर के पास उक्त शिकायत में कारवाई नहीं करने की एवज में परिवादी से तत्कालीन कलक्टर और हल्का पटवारी 25 लाख रुपए की रिश्वत मांग कर परेशान कर रहे हैं। बाद में दोनों ने सौदा 21 लाख रुपए में तय किया था। एसीबी के सत्यापन में सामने आया था कि 21 लाख रुपए भी अधिक राशि होने पर परिवादी ने जिला कलक्टर व हल्का पटवारी से बात की, तब उन्होंने 15 लाख रुपए में सौदा तय किया और जिला कलक्टर ने अपने डाक बंगले पर 7.50 लाख रुपए मंगवाए थे। हालांकि, एसीबी की भनक लगने पर रिश्वत की राशि नहीं ली थी। लेकिन एसीबी के सत्यापन में स्पष्ट रूप से कलक्टर व पटवारी रिश्वत मांग रहे हैं।

किशनगढ़ में बुजुर्ग दंपति को बंधक बनाकर लाखों की लूट

अजमेर, 23 जून (एजेंसियां)। जिले के किशनगढ़ में बीती रात आर लिंक रोड लवकुश होटल के पास स्थित चार्टर्ड अकाउंटेंट आनंद अग्रवाल के घर को चोरों ने अपना निशाना बनाया। रात करीब 2 बजे 7 से 8 चोरों की टोली ने रसोई की एंगल तोड़कर घर में घुसपैठ की और पूरे घर को खंगाल डाला।

चोरों ने घर में मौजूद बुजुर्ग दंपति को चाकू की नोंक पर बंधक बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और हजारों की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। सीए आनंद अग्रवाल और उनकी पत्नी योग प्रशिक्षिका डिंपल अग्रवाल घटना के वक्त घर में ही मौजूद थे लेकिन चोरों ने उनका कमरा बाहर से बंद कर दिया, जिससे वे कुछ नहीं कर सके। घटना मुख्य सड़क क्षेत्र में हुई है जिससे पूरे इलाके में भय और दहशत का माहौल है।

सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड पूरी वारदात में चोरों की संख्या और गतिविधियां स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। सूचना मिलते ही एएसपी ग्रामीण दीपक शर्मा, सर्कल थानाधिकारी और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। मदनगंज थाना पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच तेज कर दी गई है। फिलहाल पुलिस चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है। क्षेत्रवासियों ने पुलिस से सख्त कार्रवाई और रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने की मांग की है।

बाइक सवारों पर पलटा चारे से भरा ट्रक

रातभर दबा रहा परिवार, दंपति और मासूम बेटी की मौत

सीकर, 23 जून (एजेंसियां)। सीकर जिले के अजीतगढ़ और जयपुर जिले के शाहपुर थाने के बीच देर रात एक सड़क हादसा हो गया। एक मूंगफली के छिलकों से भरा ट्रक पलट गया। जिसकी चपेट में आने से बाइक सवार दंपत्ति और उनकी चार वर्षीय मासूम बेटी की मौत हो गई। हैरानी की बात यह रही कि मौके पर पहुंची पुलिस ने रात में दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को तो वहां से हटा दिया लेकिन चारे के नीचे दबी जिंदगियों की किसी ने सुध नहीं ली। जिससे गुस्साए लोगों ने स्टेट हाइवे पर जाम लगा दिया।

जानकारी के अनुसार हादसे में चतरपुरा निवासी राजेंद्र गुर्जर, उनकी पत्नी अन्नू और चार वर्षीय बेटी अयांशी की मौत हो गई। संभावना जताई जा रही है कि बाइक सवार परिवार हादसे के समय ट्रक की चपेट में आ गया। परिवार पूरी रात मूंगफली के चारे के नीचे दबा रहा। जिससे उनकी मौत हो गई। उधर रात तक उनके परिजन उन्हें ढूंढ़ते रहे। सुबह लोकेशन का पता करने पर वह हादसा स्थल पहुंचे। तब वहां पुलिस रास्ता खुलवाने के लिए चारे को हटा रही थी। तभी तीनों की लाशें नजर आई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की घोर लापरवाही सामने आई। पुलिस ने कागजी कार्रवाई करते हुए रात में ही दुर्घटना ग्रस्त ट्रक को खाई से निकलवा दिया, लेकिन मूंगफली के छिलकों के नीचे दबा परिवार वहीं रह गया। जिससे आक्रोशित लोगों ने सड़क पर शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने धाराजी में अजीतगढ़ शाहपुरा स्टेट हाइवे पर लगाया जाम। सूचना पर अजीतगढ़ थाना प्रभारी, तहसीलदार, उपखंड अधिकारी सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझाइश के बाद जाम खुलवाया।

महिला लिपिक से दुष्कर्म के आरोप में सीआरपीएफ का सब इंस्पेक्टर गिरफ्तार

अलवर, 23 जून (एजेंसियां)। जिले की सदर थाना पुलिस ने एक गंभीर और संवेदनशील मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सब इंस्पेक्टर विजय सिंह मीणा को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर एक कनिष्ठ लिपिक महिला के साथ दुष्कर्म करने, उसकी अश्लील तस्वीरें और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार आरोपी विजय सिंह मीणा भूगोर बाईपास का रहने वाला है और वर्तमान में सीआरपीएफ में सब इंस्पेक्टर के पद पर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में तैनात था। घटना के सामने आने के बाद से वह फरार चल रहा था। न्यायालय द्वारा उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया जा चुका था।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने पहले उससे जान-पहचान बढ़ाई और विश्वास में लेकर अपने घर चाय पर बुलाया। वहां उसने महिला के साथ दुष्कर्म किया और उसकी अश्लील तस्वीरें और वीडियो बना लीं। इसके बाद आरोपी ने उन तस्वीरों को वायरल करने की धमकी देते हुए उसे अलग-अलग होटलों में ले जाकर बार-बार दुष्कर्म किया। पीड़िता का यह भी कहना है कि एक बार आरोपी ने उसे अपने घर बुलाकर मारपीट भी की थी।

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने गहनता से जांच करते हुए आरोपी की तलाश शुरू की और आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सदर थाना प्रभारी रमेश सैनी ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह जानकारी भी जुटा रही है कि वह पीड़िता को किन-किन जगहों पर ले गया था और वहां किन परिस्थितियों में वारदात को अंजाम दिया गया।

मौसम विभाग का ट्रिपल अलर्ट

कई जिलों में होगी भयंकर बारिश

झालावाड़, 23 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में कई जगह मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज हुई। वहीं सर्वाधिक अधिकतम तापमान श्रीगंगानगर में 42.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार आज भी कम दबाव का क्षेत्र आज उत्तर प्रदेश के ऊपर बना हुआ है। जिससे राजस्थान के अधिकांश भागों में अतिभारी बारिश की संभावना है। वहीं आज और कल पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान में 25-26-27 जून को आंधी-बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी की संभावना है। मौसम विभाग ने बूंदी और टोंक में रेड अलर्ट जारी करते हुए अत्यधिक भारी बारिश, मेघगर्जन, वज्रपात और 50 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। साथ ही 7 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, दौसा, जयपुर, करौली, कोटा और सवाईमाधोपुर में अतिभारी बारिश, मेघगर्जन, वज्रपात और 50 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। येलो अलर्ट जारी करते हुए अजमेर, बारां, भरतपुर, धौलपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, प्रतापगढ़, राजसमंद, सीकर, सिरोही, उदयपुर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, जालौर, नागौर, पाली और श्री गंगानगर में भारी बारिश, मेघगर्जन, वज्रपात, और 40 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है।

24 जून को अलवर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर में ऑरेंज अलर्ट और अजमेर, बारां, भीलवाड़ा, बूंदी, जयपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, कोटा, सीकर, टोंक, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, नागौर, श्रीगंगानगर में येलो अलर्ट जारी किया है। 25 जून को अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, जयपुर, झालवाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सीकर, सिरोही, टोंक, उदयपुर, बीकानेर चूरू और हनुमानगढ़ में येलो अलर्ट दिया है। 26 जून को अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, जयपुर, झालवाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सीकर, जालोर, नागौर, पाली, सिरोही, टोंक, उदयपुर, बीकानेर चूरू और हनुमानगढ़ में येलो अलर्ट दिया है।

धौलपुर में खौफनाक हत्याकांड, भांजे को ट्रेन के आगे फेंक कर काट दी बहन की गर्दन

धौलपुर, 23 जून (एजेंसियां)। शहर के कोतवाली थाना इलाके में रेलवे ट्रैक पर 17 जून 2025 को एक महिला और 11 महीने के मासूम बच्चे की डेड बॉडी मिलने के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। दोनों मां बेटे की निर्मम हत्या की गई थी। इस हत्याकांड का कातिल मृतका का नाबालिग छोटा भाई और जीजा निकला है। पुलिस ने नाबालिग को निरुद्ध कर जीजा को गिरफ्तार कर लिया है।

सीओ सिटी मुनेश कुमार मीणा ने बताया कि 17 जून 2025 को सुबह के समय धौलपुर रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर 11 महीने के मासूम का शव दो टुकड़ों में मिला था। जिसके 8 घंटे बाद शाम को एक महिला का शव एफसीआई गोदाम के पीछे मिला। महिला के गले पर ब्लेड से काटने के निशान मिले। मामले की गंभीरता को देख घटनास्थल का मौका मुआयना किया गया। एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया। घटनास्थल पर अनुसंधान के बाद पुलिस को मौके पर दो बैग भी मिले। जिनमें महिला के साथ एक बच्चे के भी कपड़े मिले थे। बैग में पुलिस को कुछ मोबाइल नंबर लिखी एक पर्ची भी मिली। जिन नंबरों पर पुलिस ने बात की तो महिला की पहचान यूपी के आगरा के तेरहा गांव निवासी 22 बर्षीय ट्विंकल पुत्री श्रीकुमार के रूप में हुई।

सवारियों से भरे टेंपो को ट्रेलर ने मारी टक्कर

तीन की मौत, पुलिस ने चालक को धरदबोचा

बाड़मेर, 23 जून (एजेंसियां)। जिले के गुड़ामालानी थाना क्षेत्र में रविवार रात नेशनल हाईवे 68 गांधव पर एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। हादसा रात करीब साढ़े नौ बजे हुआ, जब एक ट्रेलर ने सवारी से भरे एक टेंपो को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दो लोग टेंपो में फंस गए, जबकि कुछ लोग उछलकर सड़क पर गिर गए।

हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर गुड़ामालानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से टेंपो में फंसे लोगों को निकालने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद दो लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन उनकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान एक और युवक ने दम तोड़ दिया। घायलों का इलाज जारी है।

गुड़ामालानी थानाधिकारी देवीचंद ढाका ने बताया कि पुलिस को रात करीब 9:00 बजे हादसे की सूचना मिली थी। टेंपो में छह लोग सवार थे, जिनमें से तीन की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। मृतकों की पहचान पीपराली गांव निवासी रामाराम और लालसिंह के रूप में हुई है, जबकि दिनेश ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया था लेकिन पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मरने वाले रामाराम और दिनेश आपस में चचेरे भाई थे। पुलिस ने मृतकों के शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया है फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

बीआरएस ने बंडी संजय पर किया पलटवार

'झूठे प्रचार' के खिलाफ कालेश्वरम परियोजना का किया बचाव

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री और करीमनगर के सांसद बंडी संजय पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वह कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) के बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं और तेलंगाना के सिंचाई हितों को नुकसान पहुंचाने के लिए कांग्रेस के साथ साजिश कर रहे हैं। तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए पूर्व मंत्री और विधायक गंगुला कमलाकर ने सवाल उठाया कि संजय भाजपा नेता या कांग्रेस प्रवक्ता के तौर पर काम कर रहे हैं या नहीं। उन्होंने उन पर जनता को गुमराह करने के लिए केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की रिपोर्ट का चुनिंदा तरीके से हवाला देने का आरोप लगाया। उन्होंने संजय के बयानों की तुलना मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की राजनीतिक स्क्रिप्ट से की।

कमलाकर ने बताया, 'बांडी का दावा है कि तुम्मिडिहट्टी में 165 टीएमसीएफटी पानी उपलब्ध है, लेकिन यह तथ्य छिपाता है कि तेलंगाना को केवल 44 टीएमसीएफटी पानी आवंटित किया गया था।' उन्होंने कहा कि इस बाधा के कारण पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने परियोजना को मेदिगड्डा में स्थानांतरित कर दिया, जहां पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होने के कारण यह निर्णय उचित था। 1.24 लाख करोड़ रुपये के घोटाले के आरोपों का खंडन करते हुए कमलाकर ने स्पष्ट किया कि परियोजना की लागत 1 लाख करोड़ रुपये से कम रही, जो कई राष्ट्रीय सिंचाई परियोजनाओं से बहुत कम है, और इसने तेलंगाना की सिंचाई क्षमता, जलाशय के बुनियादी ढांचे और दैनिक लिफ्ट क्षमता को काफी हद तक बढ़ा दिया है। उन्होंने याद दिलाया कि तत्कालीन सांसद रेवंत रेड्डी द्वारा संसद में पूछे गए सवालों के जवाब में केंद्र ने परियोजना में किसी भी तरह के भ्रष्टाचार से इनकार किया था। कमलाकर ने सवाल किया कि भाजपा नेता अब केंद्र के आधिकारिक रुख का खंडन कैसे कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी पूछा कि संजय हाल की घटनाओं जैसे कि श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग के ढहने, जिसमें आठ श्रमिकों की मौत हो गई, सुंकीशाला रिटेनिंग वॉल को नुकसान, पेड्डा वागु में बाढ़ और वट्टेम परियोजना पंपहाउस के जलमग्न होने पर चुप क्यों हैं। पूर्व सांसद बी विनोद कुमार ने केंद्रीय मंत्री बंडी संजय और जी किशन रेड्डी को चुनौती दी कि अगर उन्हें लगता है कि 152 मीटर पर तुम्मिडीहट्टी के लिए राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा और मंजूरी प्राप्त करना एक व्यवहार्य विकल्प है, तो वे ऐसा करें। उन्होंने संजय पर व्यक्तिगत प्रतिशोध में लिप्त होने का आरोप लगाया और उनके इस दावे का मज़ाक उड़ाया कि केएलआईपी को राष्ट्रीय दर्जा देने से मेडिगड्डा खंभों में दरारों के कारण भाजपा की छवि खराब होगी।

उन्होंने पूछा, 'क्या संजय यह कहने को तैयार हैं कि केंद्र द्वारा वित्तपोषित पोलावरम परियोजना में क्षतिग्रस्त डायाफ्राम दीवार ने भी भाजपा की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया है?' एमएलसी दासोजू श्रवण ने आरोप लगाया कि संजय पूर्व मंत्री और मलकाजगिरी के सांसद एटाला राजेंद्र को भाजपा में आगे बढ़ने से रोकने के लिए रेवंत रेड्डी के बयानों को दोहरा रहे हैं। उन्होंने संजय पर वोट के बदले नोट और ईडी मामलों में मुख्यमंत्री की कथित संलिप्तता पर चुप रहने का आरोप लगाया।

विधायक पाडी कौशिक रेड्डी और डॉ.के संजय ने भी संजय के बयानों को पाखंडपूर्ण बताया और उन्हें अयाकट स्थिरीकरण और विस्तार पर कालेश्वरम के प्रभाव पर खुली बहस की चुनौती दी। उन्होंने भाजपा सांसदों पर अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए तेलंगाना के हितों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि केएलआईपी को बदनाम करने के प्रयासों को तेलंगाना के किसानों का अपमान माना जाएगा।

इंस्टाग्राम रील बनाते समय शमशाबाद खदान में डूब गया किशोर

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद के मनासा हिल्स में रविवार को एक इंटरमीडिएट का छात्र खदान के पानी से भरे गड्ढे में डूब गया। कथित तौर पर फोटो क्लिक करने और इंस्टाग्राम रील बनाने के दौरान वह पानी से भरा हुआ था। पीड़ित की पहचान मिर्जा शोएब बेग (17) के रूप में हुई है, जो बोराबंडा का रहने वाला था। पुलिस के मुताबिक, रविवार को बेग अपने दोस्तों के साथ पास के खेल के मैदान में क्रिकेट खेलने गया था।

खेलने के बाद, वह और उसके दोस्त तस्वीरें क्लिक करने और रील बनाने के लिए खदानों में गए, जिसे उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया। ऐसा माना जा रहा है कि फोटो शूट के दौरान बेग फिसलकर पानी से भरी खदान में गिर गए। मौके पर मौजूद उनके दोस्तों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं बचा पाए। सूचना मिलने पर आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस, अग्निशमन विभाग और डीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंची और देर शाम शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मंत्री कोंडा सुरेखा, पोन्नम प्रभाकर और धर्मस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और 13 जुलाई को होने वाले श्री उज्जैयिनी महाकाली बोनालू उत्सव के लिए निमंत्रण पत्र सौंपा। इस अवसर पर उज्जैयिनी महाकाली मंदिर के पुजारियों ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आशीर्वाद दिया।

मानू में राष्ट्रीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (मानू) के कुलपति प्रो. सैयद ऐनुल हसन ने इस बात पर ज़ोर दिया कि "सार्थक परिवर्तन आत्मनिरीक्षण में निहित समाधानों के निर्माण से आता है" दिव्यांग सारथी परियोजना के तहत राष्ट्रीय जागरूकता कार्यशाला मंथन का उद्घाटन करते हुए, जो बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों के लिए समग्र समावेश के लिए एक स्मार्ट सुलभ संसाधन और उपकरण है, जिसे भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया गया है। कार्यशाला में पूरे भारत से 75 से अधिक शिक्षकों, विशेषज्ञों और संस्थागत नेताओं ने भाग लिया।

प्रो. हसन ने समाज को लाभ पहुँचाने वाले अनुसंधान पर विश्वविद्यालय के बढ़ते ध्यान पर भी प्रकाश डाला।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के अतिरिक्त निदेशक डॉ. संतोष के. पांडे ने प्रौद्योगिकी-आधारित समावेश के माध्यम से विकलांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने के लिए मंत्रालय के व्यापक दृष्टिकोण को साझा किया। उन्होंने भारत सरकार की प्रमुख पहलों के बारे में बात की, जिनका उद्देश्य सुलभता बढ़ाना, डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना और सहायक प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देना है।

मंथन शीर्षक पर विचार करते हुए उन्होंने इसे सामूहिक ज्ञान और सार्थक समाधानों को उजागर करने के प्रयास का प्रतीक बताया। डॉ. पांडे ने इस परियोजना में मानू के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बौद्धिक विकलांगता (आईडी) क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया, मानू को विशेषज्ञता के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में देखा। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि यह परियोजना आधार, यूपीआई, डिजीलॉकर और ओएनडीसी जैसी प्रमुख डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) पहलों की श्रेणी में शामिल हो जाएगी। प्रो. इश्तियाक अहमद, रजिस्ट्रार ने मानू की पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की, पहल को प्रोत्साहित किया और इस परियोजना को आगे बढ़ाने में पूर्ण प्रशासनिक समर्थन का आश्वासन दिया। परियोजना के मुख्य अन्वेषक और स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. अब्दुल वाहिद ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और दिव्यांग सारथी पहल के विकास को साझा किया, जो एक अवधारणा के रूप में शुरू हुई और तब से एक राष्ट्रीय स्तर की परियोजना के रूप में विकसित हुई है जो प्रौद्योगिकी, सहानुभूति और अनुसंधान को जोड़ती है। परिवार-एनसीपीओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पंकज मारू ने मंथन जैसी जागरूकता निर्माण पहलों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बात की।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे प्रयास सशक्त मास्टर प्रशिक्षकों का एक नेटवर्क बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं जो वास्तविक कक्षाओं में सहायक पोर्टल और वीडियो का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकते हैं। प्रो. प्रदीप कुमार, प्रमुख, कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा और कोर क्यूए और विकास टीमों को उनके समर्पण के लिए धन्यवाद दिया। तकनीकी सत्र में, विशेषज्ञों ने बौद्धिक विकलांग शिक्षार्थियों के लिए विकसित बहुभाषी, बहु-संवेदी सामग्री की खोज की।

कार्यशाला ने बौद्धिक विकलांग बच्चों को पढ़ाने के लिए अभिनव तरीकों पर चर्चा करने के लिए विशेषज्ञों, शिक्षकों, चिकित्सकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए एक सहयोगी मंच प्रदान किया। इसने फीडबैक, विचार और भविष्य की योजना बनाने के लिए भी स्थान उपलब्ध कराया, जिससे सुलभ और न्यायसंगत शिक्षा के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को बल मिला।

'सिक्स डायमेंशन्स' कला प्रदर्शनी भारत भर से 6 कलाकारों के साथ लौटी हैदराबाद

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। छह कलाकारों द्वारा कला प्रदर्शनी 'सिक्स डाइमेंशन्स' सीजन-8 का आयोजन 28 जून से 7 जुलाई तक सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक एम. ईश्वरैया आर्ट गैलरी में किया जाएगा।

एम. ईश्वरैया आर्ट गैलरी के निदेशक एम. संजय कुमार के अनुसार, शो में छह कलाकार शामिल होंगे- तेलंगाना से अंजिया नाइक, बालू सांडिल्यसा, नेहा जैन, पुली विजया किशोर, पश्चिम बंगाल से अरबिंदो मुखर्जी और तमिलनाडु से देविसिगामणि। तेलंगाना जनजातीय कल्याण आवासीय संस्थान में कला संकाय सदस्य अंजिया नाइक के पास अनुप्रयुक्त कला और दृश्य संचार डिजाइन में स्नातकोत्तर की डिग्री है, जबकि समकालीन कलाकार पुली विजया किशोर वारंगल से हैं और उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनियों में भाग लिया है। नेहा जैन ने गोंड कला में अपना वास्तविक आह्वान खोजा, जो मध्य प्रदेश की जनजातियों से जुड़ा एक स्वदेशी कला रूप है, और बालू सांडिल्यसा एक दृश्य कलाकार और फिल्म निर्माता हैं जो पारिस्थितिकी, मानव संबंध और छवियों की भावनात्मक शक्ति में विशेषज्ञता रखते हैं।

जंगलों में बाघ दिखने से स्थानीय लोगों में दहशत

आदिलाबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बोथ और सारंगपुर मंडलों के जंगलों में सोमवार को एक बाघ की गतिविधि से दहशत फैल गई, जब वन विभाग द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरे में उसकी तस्वीर कैद हो गई। वन अधिकारियों के अनुसार, बाघ की उम्र करीब दो साल बताई जा रही है और उसे बोथ के बाहरी इलाके में देखा गया। उन्हें संदेह है कि यह पड़ोसी महाराष्ट्र से आवास और शिकार की तलाश में इस क्षेत्र में भटक गया होगा।

अधिकारियों ने बताया कि बाघ की गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखी जा रही है और आस-पास के गांवों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने निवासियों से सतर्क रहने और बाघ से अचानक मुठभेड़ से बचने का आग्रह किया, साथ ही किसानों को सलाह दी कि वे खेतों से गुजरते समय शोर मचाएं ताकि जानवर को झटका न लगे। बाघ को गहरे जंगल वाले इलाकों में ले जाने और उसके सुरक्षित मार्ग को सुगम बनाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

कुछ दिन पहले बाघ ने बोथ के जंगलों में एक बछड़े को मार डाला था, जिससे ग्रामीणों में डर और बढ़ गया है। हाल ही में इसे निर्मल जिले के सारंगपुर मंडल के बाहरी इलाके में देखा गया था।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 146वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री राजस्थानी नव जागृति मंच, अत्तापुर के सहयोग से 146वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रामबाग अत्तापुर स्थित श्री निकेतन हाई स्कूल में संपन्न हुआ, जिसका 413 से अधिक लोगों ने लाभ लिया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मेगा मेडिकल कैंप में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट, जनरल फिजिशियन, कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी, जिसमें डॉ. शशिधर, डॉ. पूजिता, नर्सिंग स्टाफ शिवम्मा, आशीष, स्वप्नाश्री, गौतम (2डी इको), मोहन (बीएमडी),विपणन विभाग के सहायक प्रबंधक जगदीश कुमार गौड़ और जयंत ने सहयोग दिया। अवसर पर रेनबो अस्पताल के पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी डॉ भव्या , डॉ. प्रियंका, इको तकनीशियन गणेश, स्टाफ नर्स माधवी, लोकन्या, मार्केटिंग मैनेजर-इरफान सिद्दीकी ने सेवा दी।

एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच की गई, जिसमें 106 लोगों को चश्मे तथा 8 रोगियों को मोतियाबिन्द के ऑपरेशन हेतु व्यवस्था की गई। शिविर में साधुराम नेत्र चिकित्सालय के ऑप्टोमेट्रिस्ट अजीत, भगवान, विजयलक्ष्मी, भास्कर, नरसिंह ने सहयोग दिया। सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल्स क्लिनिक, डॉ. अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस डिप्लोमा मधुमेह) एवं दंत की सेवा एसएनआर डेंटल डॉ. निखिल ने दी। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति 2 रोगी को सेवा प्रदान की तथा 2 के डायलिसिस की व्यवस्था की गई।

शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल. विनय सी अग्रवाल, कैलाश केडिया, निखिल राणासरिया, स्थानीय भागीदार श्री राजस्थानी नवजागृति मंच अत्तापुर के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी, मंत्री श्रीकांत पाराशर, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त व्यास, संयोजक मनीष कुमार अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, गोविंद राज अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, श्रीकांत मित्तल, सुनील कुमार भूत, उपाध्यक्ष श्रवण कुमार व्यास, प्रकाश भाटी, विजय कुमार गोलर प्रजापत, लोकेश पित्ती, महेश शर्मा, अँकुर बंसल, अरुण पाराशर, मूलचंद शर्मा, अशोक शर्मा, राजेश शर्मा, संजय गुप्ता, बाबूलाल जोशी, पन्ना लाल शर्मा, रामप्रसाद रिणवा, दिनेश शर्मा, प्रेम कुमार तोषनीवाल, गणपत सिंह राज पुरोहित, राम अवतार गुप्ता, बद्री प्रसाद सरायवाला, नंदा अग्रवाल, कुसुम गुप्ता, ज्योति शर्मा, रीना अग्रवाल, अलका दाधीच, राम अग्रवाल, कुमार सरावगी, राजेश करवा. स्वयंसेवक जितेंद्र गोयल, सतीश गर्ग, सुनैना नरसरिया, रितु गर्ग, बबीता गर्ग, निर्मला केडिया, नवीन सौथलिया, प्रीति सोंथालिया. समाज सेवी शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, अरुण डाकोतिया, पित्ती इंजीनियरिंग के सदस्य ने अपना सहयोग प्रदान किया।

बायोटेक में सफलता : यूओएच के पूर्व छात्रों ने रणनीतिक साझेदारी शुरू की

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व छात्रों के नेतृत्व में बायोटेक निवेश कोष और अनुवाद उद्यमिता के एक शक्तिशाली प्रदर्शन में, हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र डॉ. उदय सक्सेना (एमएससी-बायोकेमिस्ट्री 1978-1980) और डॉ. मार्कंडेय गोरंटला (एसआरएफ और पीएचडी प्लांट साइंसेज 1999-2004) और व्हेल टैंक बायोकैटेलिस्ट फंड के सह-संस्थापकों ने यूटोपिया थेरेप्यूटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, एक प्रारंभिक चरण के डीप-टेक स्टार्टअप को फंड करने के लिए एक टर्म शीट पर हस्ताक्षर किए हैं। यह महत्वपूर्ण घोषणा 19 जून को बोस्टन में आयोजित बीआईओ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 में की गई।

व्हेल टैंक बायोकैटेलिस्ट फंड, जो फेडरेशन ऑफ एशियन बायोटेक एसोसिएशन (एफएबीए) को ज्ञान भागीदार मानता है और जिसे प्रो. रेड्डन्ना पल्लू और डॉ. रत्नाकर पालकोदेती का समर्थन प्राप्त है, हैदराबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. उदय सक्सेना और डॉ. मार्कंडेय गोरंटला के वैश्विक बायोटेक परिदृश्य में प्रभावशाली योगदान को दर्शाता है। हस्ताक्षर बीआरएसी के प्रबंध निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार, एबीएलई और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के प्रमुख नेताओं की उपस्थिति में हुए। व्हेल टैंक बायोकैटेलिस्ट फंड यूटोपिया थेरेप्यूटिक्स को संचयी समर्थन में 1.5 मिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह महत्वपूर्ण निधि यूटोपिया की प्रमुख परिसंपत्ति, यूटी009 के विकास को आगे बढ़ाएगी, जो मोटापे और नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) से निपटने के लिए डिज़ाइन की गई अपनी श्रेणी की पहली वैक्सीन है। इसके अतिरिक्त, यह निवेश यूटोपिया की यूटी18-आधारित पुनर्योजी स्वास्थ्य उत्पादों, सहायक बुनियादी ढांचे, विनिर्माण क्षमताओं और बाजार में जाने की रणनीतियों की पाइपलाइन को मजबूत करेगा।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान में त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के मार्गदर्शन और परिषद मुख्यालय के निर्देशानुसार, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद में त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के नेतृत्व में आयोजित की गई। कार्यशाला की संरचना और क्रियान्वयन में डॉ. अशफाक अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) एवं हिंदी प्रभारी, की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रथम सत्र का शुभारंभ डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद द्वारा वक्ताओं तथा प्रतिभागियों के स्वागत भाषण से हुआ। इस अवसर पर डॉ. अशफाक अहमद ने हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में मौलिक लेखन हेतु प्रोत्साहित करते हुए पुस्तक लेखन की प्रक्रिया, मानदंडों एवं राजभाषा विभाग की प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी साझा की। द्वितीय सत्र में डॉ. संतोष माने, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), ने प्रेस विज्ञप्ति अथवा समाचार विज्ञप्ति तैयार करने की विधि विषय पर गहन प्रस्तुति दी। उन्होंने हिंदी में प्रभावी पत्रकारिता लेखन, तकनीकी रिपोर्ट लेखन तथा दैनिक कार्य में हिंदी के सहज प्रयोग पर सारगर्भित सुझाव प्रदान किए। कार्यशाला में संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने दोनों सत्रों के व्याख्यानों को गंभीरतापूर्वक सुना और वक्ताओं से विषयवस्तु से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त की। अंत में हिंदी सहायिका ने आभार प्रकट किया।

आईसीएआर-एनएएआरएम को ऑर्गेनिक एक्सपो-2025 में प्रथम पुरस्कार मिला

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएआर-एनएएआरएम ने 21 से 23 जून, 2025 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कृषि, बागवानी और जैविक एक्सपो 2025 में प्रथम पुरस्कार जीता। कॉर्पोरेट मामलों और सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने नई दिल्ली में आयोजित समारोह के दौरान पुरस्कार प्रदान किया। आईसीएआर-एनएएआरएम को प्रशिक्षण, शिक्षण और क्षमता निर्माण में निरंतर उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एनएएआरएम प्रदर्शनी स्टॉल ने कई आगंतुकों को आकर्षित किया, और उन्होंने एनएएआरएम और इसकी गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में उत्सुकता से जानकारी प्राप्त की।

डॉ. आर. वेंकटकुमार, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, विस्तार प्रणाली प्रबंधन (एक्सएसएम) प्रभाग, डॉ.एस. शिव कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, अनुसंधान प्रणाली प्रबंधन प्रभाग, डॉ. गोपाल लाल, कार्यवाहक निदेशक, आईसीएआर-एनएएआरएम के कुशल मार्गदर्शन में, एनएएआरएम के सीटीओ डॉ. लक्ष्मण अहिरे और शेखर रेड्डी के अलावा एक्सपो में प्रदर्शनी स्टाल के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आईसीएआर-एनएएआरएम ने क्षमता निर्माण, शैक्षणिक कार्यक्रमों, अनुसंधान एवं नीति वकालत और कृषि व्यवसाय ऊष्मायन कार्यक्रमों से संबंधित अपनी उपलब्धियों और गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनी में भाग लिया। इस बीच, एक्सपो में कृषि विकास के लिए काम करने वाले 100 से अधिक केंद्रीय और राज्य सरकार के संगठनों ने भाग लिया।

जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने एक्स रोड मोज़मजाही मार्केट में बलिदान दिवस के अवसर पर भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी याद में जामबाग डिवीजन के हिंदी नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक पौधा लगाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित हैं बंगारू सुधीर, अमर सिंह, आधारी राज कुमार, अध्यक्ष, जामबाग मंडल, रघुनाथ, महेंदर, जय तिवारी, वेंकट रेड्डी, अरुण जगपथ, जनार्दन, सतीश हुंडिया, श्री किरण, नवीन, बलराज, बी. श्रीकांत, अज्जू, भानु प्रकाश व भाजपा कार्यकर्ता।

कोतवालगुडा हिमायतसागर क्षेत्र में श्री संकटमोचन दक्षिण मुखी वीर हनुमान भक्त मण्डल द्वारा संगीतमय अखण्ड रामचरितमानस के समापन पर भण्डारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी गोपाल बल्दवा का सम्मान किया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बुमराह का पंच! 5 विकेट लेकर तोड़ी इंग्लैंड की कमर

कीर्तिमान के साथ रचा नया इतिहास

लंदन, 23 जून (एजेंसियां)। भारतीय टीम को जब भी मुश्किल स्थिति का सामना पड़ता है, तो जसप्रीत बुमराह आगे आते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट में भी यही हुआ। पुछल्ले बल्लेबाज जब टीम इंडिया को परेशान कर रहे थे, तो बुमराह ने आकर अपना काम किया और 5 विकेट लेते हुए इंग्लिश टीम की पहली पारी 465 रनों के स्कोर पर समाप्त कर दी।

जसप्रीत बुमराह ने 5 विकेट लेने के साथ ही इतिहास में भी अपना नाम लिख दिया। उन्होंने कुछ कीर्तिमान अपने नाम किये हैं। उन्होंने एसईएनए देशों में जाकर गेंदबाजी करते हुए वह रिकॉर्ड कायम कर दिया, जो टेस्ट इतिहास में अब तक कोई नहीं कर पाया था।

वह इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि देशों में 150 विकेट लेने वाले पहले एशियाई गेंदबाज बन गए हैं। उनसे नीचे वसीम अकरम का नाम है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि बुमराह किस क्लास के गेंदबाज हैं। वसीम अकरम ने 146 विकेट झटके थे। अनिल कुंबले के नाम 141 विकेट हैं।

इसके अलावा बुमराह ने भारत से बाहर सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने के मामले में कपिल देव की बराबरी कर ली। कपिल देव ने 12 बार ऐसा किया था। बुमराह ने भी 12वीं बार पारी में 5 विकेट हासिल किये हैं। उनके अलावा इशांत शर्मा ने 9 और जहीर खान ने 8 बार यह कारनामा किया था। मज़े की बात तो यह है कि बुमराह ने महज 34 टेस्ट मैचों में ही यह धांसू आंकड़ा हासिल कर लिया।

शतक से चूके हैरी ब्रूक

इंग्लैंड को इस स्थिति तक लाने में अहम भूमिका हैरी ब्रूक की रही, उन्होंने जीवनदानों का फायदा उठाते हुए धांसू अंदाज में बल्लेबाजी की और भारत के गेंदबाजों की धुनाई करते हुए 99 रनों की पारी खेली। उनको प्रसिद्ध कृष्णा ने शार्दुल के हाथों कैच कराया।

इंग्लैंड के 465 रनों में सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा का अहम योगदान रहा। दोनों ने मिलकर 5 विकेट तो झटके लेकिन गेंदबाजी बेलगाम रही। दोनों ने ही जमकर रन लुटाए। हैरान करने वाली बात तो यह है कि इन दोनों ने मिलकर 250 रन खर्च किये।

कौन हैं यश वगाड़िया? जिनकी भारत-इंग्लैंड टेस्ट के दौरान बीच मैदान में हुई एंट्री

लंदन, 23 जून (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स टेस्ट के तीसरे दिन एक चौंकाने वाली घटना घटी, जब एक अनजान शख्स को बीच मैदान फील्डिंग करते हुए देखा गया। यह घटना भारत की दूसरी पारी के दौरान घटी, जब बेन स्टोक्स किसी काम से मैदान के बाहर गए और उनकी जगह एक सबस्टिट्यूट मैदान पर फील्डिंग करने आया। इस खिलाड़ी का नाम यश वगाड़िया है।

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच लीड्स में खेला जा रहा है। भारत ने पहली पारी में 471 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 465 रन पर सिमट गई। भारत ने दूसरी पारी में 2 विकेट के नुकसान पर 90 रन बना लिए हैं। तीसरे दिन के खेल के दौरान एक चौंकाने वाली घटना घटी।

भारत की दूसरी पारी के दौरान बीच मैदान एक ऐसा खिलाड़ी नजर आया, जो इंग्लैंड की स्क्वाड का हिस्सा तक नहीं है।

इस खिलाड़ी को देख हर कोई हैरान रह गया। हर कोई आश्चर्यचकित था। शायद हर किसी के मन में यह सावल उठा कि आखिरी यह खिलाड़ी कौन है? आइए हम आपको बतातें हैं।

बेन स्टोक्स का बने सबस्टिट्यूट

दरअसल, भारत की दूसरी पारी के दौरान इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को कुछ देर के लिए किसी कारणवश मैदान छोड़ना पड़ा था। उनकी जगह यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब के युवा खिलाड़ी यश वगाड़िया मैदान पर सबस्टिट्यूट के रूप में फील्डिंग करते हुए नजर आए।

ऑलराउंडर हैं यश

बात दें कि 21 साल के यश वगाड़िया एक ऑलराउंडर हैं, जो यॉर्कशर के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। यश को टेस्ट मैच के लिए 12वें खिलाड़ी के रूप में इंग्लैंड टीम के साथ जोड़ा गया है। वह इस टेस्ट में सबस्टिट्यूट फील्डर की भूमिका निभा रहे हैं।

मदद करने के लिए टीम के साथ जुड़े

यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब के मुताबिक, यश को इंग्लैंड के ड्रेसिंग रूम में शामिल होने और मैच के दौरान ड्रिंक्स लाने, वॉर्म-अप में मदद करने और जरूरत पड़ने पर मैदान पर फील्डिंग करने का मौका दिया गया है।

खेल चुके हैं दो लिस्ट ए मैच

बता दें कि यश वगाड़िया का जन्म न्यूकैसल में हुआ है। वह अंडर-14 और अंडर-18 टीमों के लिए खेल चुके हैं। अगस्त 2024 में उन्होंने यॉर्कशर के लिए वन-डे कप में डेब्यू किया था। वह अभी तक 2 लिस्ट ए मैच खेल चुके हैं।

पृथ्वी शॉ ने बना लिया टीम बदलने का मन

2 से 3 टीमों से मिला बड़ा ऑफर!

मुंबई, 23 जून (एजेंसियां)। अंडर-19 विश्व कप विनर कप्तान पृथ्वी शॉ को मौजूदा समय में भारत का सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक गिना जाता है, लेकिन उसके बाद भी भारतीय टीम में उन्हें मौका नहीं मिल रहा है। इसके अलावा वो मुंबई की घरेलू टीम से बाहर चल रहे हैं। इस बीच खबरों के मुताबिक उन्होंने मुंबई टीम छोड़ने का मन बना लिया है। उन्हें 2 से 3 और राज्यों की टीम से खेलने का बहुत बड़ा ऑफर मिला है। शॉ इस साल अनसोल्ड होने के कारण आईपीएल का भी हिस्सा नहीं थे।

पृथ्वी शॉ ने बना रहे हैं टीम बदलने का मन

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने इंडियन एक्सप्रेस को इस खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि 'पृथ्वी शॉ ने हमसे एनओसी मांगी है और हम जल्द ही इस पर फैसला करने वाले हैं।' खराब फिटनेस के कारण ही पृथ्वी शॉ मुंबई की विजय हजारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी की टीम का भी हिस्सा नहीं हैं। टीम मैनेजमेंट ने उन्हें फिटनेस पर काम करने की सलाह दी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक 2 से 3 अलग-अलग राज्यों की टीमों से शॉ को खेलने का ऑफर मिला है। खराब फिटनेस के कारण ही वो भारतीय टीम से भी बाहर हुए थे।

ओलंपियन ललित ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से लिया संन्यास

कहा घरेलू मैच व प्रो हॉकी लीग खेलते रहेंगे

वाराणसी, 23 जून (एजेंसियां)। दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट भारत के इंटरनेशनल हॉकी खिलाड़ी ललित उपाध्याय ने इंटरनेशनल हॉकी से संन्यास का ऐलान कर दिया है. अर्जुन अवार्ड से सम्मानित ललित उपाध्याय ने शनिवार रात अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर करते हुए अपने रिटायरमेंट की घोषणा की है. यह घोषणा भारत द्वारा बेल्जियम पर 4-3 की रोमांचक जीत के साथ एफआईएच प्रो लीग सीजन के समापन के तुरंत बाद की गई. 31 वर्षीय उपाध्याय ने 2014 में सीनियर नेशनल टीम के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था. उन्होंने भारत के लिए 179 मैच खेले और 41 गोल किए.

ललित ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, 'यह यात्रा एक छोटे से गांव से शुरू हुई, जहां सीमित संसाधन थे, लेकिन सपने असीम थे. स्टिंग ऑपरेशन का सामना करने से लेकर ओलंपिक पोडियम पर खड़े होने तक - एक बार नहीं, बल्कि दो बार- यह चुनौतियों, विकास और अविस्मरणीय गौरव से भरा रास्ता रहा है. 26 साल बाद अपने शहर से ओलंपियन बनना कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा सम्मान और कृतज्ञता के साथ रखूंगा'.

ललीत उपाध्याय ने ईटीवी भारत से मैसेज के जरिए हुई बातचीत में भी अपने संन्यास की पुष्टि की है. उनका कहना है वह इंटरनेशनल हॉकी से रिटायरमेंट ले रहे हैं, लेकिन डोमेस्टिक हॉकी खेलते रहेंगे. फिलहाल अभी वह बेल्जियम में है और दो-तीन दिन में वापस भारत पहुंचेंगे.

उत्तर प्रदेश में डीएसपी हैं ललित

वाराणसी के रहने वाले ओलंपियन ललित उपाध्याय इंटरनेशनल हॉकी में अपना लोहा मनवा चुके हैं. वह उत्तर प्रदेश में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर भी नियुक्त किए गए हैं. 2020 में ओलंपिक में ब्रॉन्ज विजेता इंडियन हॉकी टीम का हिस्सा रहे ललित को 2022 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नियुक्ति पत्र देकर डीएसपी बनाया था. उसके पहले उन्होंने ओएसडी का ऑफर ठुकरा दिया था और दूसरी बार में उन्हें पुलिस उपाधीक्षक के पद पर तैनाती दी गई थी. जिस समय उन्होंने ओएसडी का पद अस्वीकार किया उसे वक्त उन्होंने यह कहा था कि मैं बीपीसीएल में मैनेजर के पद पर कार्य कर रहा हूं, लिहाजा उन्होंने ओएसडी का पद अस्वीकार किया जिसके बाद सीएम ने उन्हें डीएसपी बनाया.

ललित ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में देश को ब्रॉन्ज मेडल जीताने वाली इंडियन हॉकी टीम में फॉरवर्ड प्लेयर की भूमिका निभाई थी. ब्रॉन्ज मेडल मिलने के बाद सरकार ने खेल क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान अर्जुन पुरस्कार से भी उन्हें नवाजा था. ललित वाराणसी के शिवपुर गांव के भगतपुर के रहने वाले हैं और सैकड़ो इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं. 2017 में उन्हें लक्ष्मण पुरस्कार और 2021 में अर्जुन पुरस्कार मिल चुका है. 2020 के बाद 2024 के ओलंपिक में भी ललित इंडियन हॉकी टीम का हिस्सा थे. इस ओलंपिक में भी इंडियन हॉकी टीम को ब्रॉन्ज मेडल मिला था.

बनारस से निकले तीसरे इंटरनेशनल हॉकी खिलाड़ी

ललित उपाध्याय ने वाराणसी से निकलकर इंटरनेशनल हॉकी में भारत का नाम रोशन किया. 2018 में उनका चयन राष्ट्रीय हॉकी टीम में हुआ था. भारत पेट्रोलियम में आधिकारिक पद पर तैनात रह चुके ललित अच्छे खेल के बल पर डीएसपी के पद पर यूपी गवर्नमेंट की तरफ से तैनात किए गए.

रोहित के नाम राष्ट्रीय रिकॉर्ड: तैराकी चैंपियनशिप की 100 मीटर बटरफ्लाई में सर्वश्रेष्ठ समय निकाला

भुवनेश्वर, 23 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तैराक बी बेनेडिकटन रोहित सीनियर राष्ट्रीय एक्वाटिक चैंपियनशिप के पहले दिन पुरुष 100 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय निकाला। रोहित ने कलिंगा स्टेडियम के इंडोर एक्वाटिक सेंटर में 52.57 सेकेंड का समय लिया। उन्होंने इस प्रदर्शन के साथ एशियाई खेलों के पदक विजेता वीरधवल खाड़े के 2009 में बनाए 52.77 सेकेंड के सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय में सुधार किया। उन्होंने दो बार के ओलंपियन साजन प्रकाश के 53.24 सेकेंड के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में भी सुधार किया।

इसके साथ ही रोहित ने 27 जुलाई से सिंगापुर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप का 'बी' क्वालीफिकेशन स्तर भी हासिल कर लिया।

अखिल भारतीय पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे प्रकाश ने 53.51 सेकेंड के समय से रजत पदक जीता, जबकि रेलवे के बिक्रम चांगमाई ने 54.35 सेकेंड से कांस्य पदक जीता। महिला 100 मीटर बटरफ्लाई में ओडिशा की सृष्टि उपाध्याय और रेलवे की आस्था चौधरी एक मिनट 3.50 सेकेंड के समान समय के साथ शीर्ष पर रहीं।

कर्नाटक के अनीश एस गौड़ा ने पुरुष 200 मीटर फ्रीस्टाइल में एक मिनट 50.85 सेकेंड के समय के साथ प्रकाश को सिर्फ 0.01 सेकेंड से पछाड़ा। तनीष मैथ्यू, चिंतन शेट्टी, दर्शन एस और अनीष गौड़ा की कर्नाटक की चौकड़ी ने सात मिनट 40.90 सेकेंड के साथ पुरुष चार गुणा 200 मीटर का खिताब जीता।

दिल्ली की भव्या सचदेवा ने महिला 400 मीटर फ्रीस्टाइल, रेलवे की हर्षिता जयराम ने महिला 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक और तमिलनाडु के दानुष सुरेश ने पुरुष 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक का खिताब अपने नाम किया। तैराकी में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तभी माना जाता है जब यह राष्ट्रीय एक्वाटिव चैंपियनशिप के दौरान हासिल किया गया हो। अन्य प्रतियोगिताओं के समय को सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय कहा जाता है।

वरुण चक्रवर्ती ने बल्ले से पलटी हारी हुई बाजी

260 के स्ट्राइक रेट से मचाया धमाल

चेन्नई, 23 जून (एजेंसियां)। वरुण चक्रवर्ती को आपने गेंद से तो खूब मैच पलटते हुए देखा होगा। वरुण अपनी घूमती गेंदों के दम पर कई मुकाबले में टीम के लिए मैच विनर साबित हो चुके हैं। मगर तमिलनाडु प्रीमियर लीग 2025 में वरुण ने इस बार हारी हुई बाजी को अपनी बल्लेबाजी से पलटकर दिखाया है। आखिरी ओवर में वरुण ने पहले गगनचुंबी सिक्स जमाया, तो अगली बॉल पर जोरदार चौका लगाते हुए टीम को जीत दिला दी। वरुण की इस धांसू इनिंग से आर अश्विन भी बेहद खुश नजर आए और उन्होंने मिस्ट्री स्पिनर को गले से लगा लिया।

तमिलनाडु प्रीमियर लीग 2025 के 19वें मैच में सेलम स्पार्टंस की भिड़ंत डिंडीगुल ड्रैगन्स के साथ हुई। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्पार्टंस की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 188 रन लगाए। लक्ष्य के जवाब में ड्रैगन्स के बल्लेबाजों ने भी बेहतरीन खेल दिखाया। 19 ओवर के बाद डिंडीगुल ड्रैगन्स के स्कोर बोर्ड पर 7 विकेट खोकर 178 रन लगे थे। टीम को जीत के लिए आखिरी ओवर में 11 रनों की दरकार थी। लास्ट ओवर की चार गेंदों पर सिर्फ 3 रन बने और ड्रैगन्स की टीम ने अपना एक विकेट भी गंवा दिया। अब अंतिम दो गेंदों पर जीत के लिए टीम को 8 रन की दरकार थी और स्ट्राइक पर थे वरुण चक्रवर्ती।

बॉलर ने पहले नो-बॉल फेंकी। इसके बाद अगली गेंद को वरुण ने दर्शकों के बीच पहुंचाते हुए छह रन बटोर लिए। लास्ट गेंद पर वरुण ने फिर बल्ला घुमाया और गेंद को बाउंड्री लाइन के पार पहुंचाते हुए डिंडीगुल ड्रैगन्स को रोमांचक मैच में 2 विकेट से जीत दिला दी। वरुण ने सिर्फ 5 गेंदों का सामना करते हुए 13 रन की नाबाद पारी खेली। वरुण ने 260 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए मैच का पूरा रुख ही पलटकर रख दिया। जीत के बाद वरुण ने अपने ही अंदाज में जश्न मनाया। वहीं, कप्तान अश्विन भी वरुण को शाबाशी देते हुए नजर आए।

पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व कप के पहले दिन भारत ने चार पदक जीते

बीजिंग,23 जून (एजेंसियां)। भारत ने पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व कप के पहले दिन एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य सहित चार पदक जीतकर दमदार प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट में 40 से अधिक देशों के शीर्ष पैरा पावरलिफ्टर भाग ले रहे हैं और यह 2026 विश्व चैंपियनशिप और 2028 पैरालंपिक खेलों की क्वालिफाइंग प्रतियोगिता है।

गुलफाम अहमद ने बेहद प्रतिस्पर्धी पुरुषों की एलीट 59 किग्रा श्रेणी में कांस्य पदक के साथ भारत का खाता खोला। उन्होंने अपने पहले प्रयास में 145 किग्रा वजन उठाया और इसके बाद अपने दूसरे प्रयास में 151 किग्रा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। गुलफाम का 153 किग्रा का तीसरा प्रयास अस्वीकार कर दिया गया लेकिन उनका दूसरा प्रयास भारत को टूर्नामेंट का पहला पदक दिलाने के लिए पर्याप्त था।

पुरुषों की एलीट 72 किग्रा श्रेणी में रामूभाई बंभवा ने अपने पहले प्रयास में 151 किग्रा वजन उठाकर भारत के खाते में एक और कांस्य जोड़ा। हालांकि 155 और 156 किग्रा के उनके अगले दो प्रयास मान्य नहीं हुए लेकिन शुरुआती प्रयास ने उन्हें पोडियम पर स्थान दिलाया। अनुभवी भारोत्तोलक जॉबी मैथ्यू ने मास्टर्स श्रेणी में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कुल भार में स्वर्ण और सर्वश्रेष्ठ भार के लिए रजत जीता। 140 किग्रा की असफल शुरुआत के बाद उन्होंने 145 और 150 किग्रा वजन उठाकर वापसी की।

आठ पुरुष धावकों ने रिकॉर्ड सुधारा

मदन मोहन मालवीय खेल परिसर में शुरू हुई तीन दिवसीय 23वीं राष्ट्रीय जूनियर (अंडर-20) फेडरेशन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन लंबी दूरी के धावकों ने जलवा बिखेरा।सुबह के सत्र में 3000 मीटर दौड़ में आठ पुरुष धावकों ने प्रतियोगिता के पिछले रिकॉर्ड में सुधार किया। तमिलनाडु के कविनराज एस ने भी पुरुषों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में कुलदीप कुमार के 5.10 मीटर के प्रतियोगिता के पिछले रिकार्ड को तोड़कर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 5.11 मीटर के साथ पहला स्थान हासिल किया।

पुरुषों की 3,000 मीटर दौड़ में आठ धावकों ने पंजाब के संगरूर में 2021 में अजय द्वारा बनाए गए 8:26.72 के प्रतियोगिता के पिछले रिकॉर्ड में सुधार किया। मध्य प्रदेश के विनोद सिंह ने हालांकि अपने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए 8:14.22 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा के हिमांशु ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में 10.49 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं की 100 मीटर दौड़ उत्तर प्रदेश की निपम ने 11.86 सेकंड का समय लेकर जीती।

अल्काराज ने क्वींस क्लब चैंपियनशिप जीता

बोले- ग्रास पर शानदार महसूस कर रहा हूं; विंबलडन में लगातार तीसरा खिताब जीतने उतरेंगे

लंदन, 23 जून (एजेंसियां)। स्पेनिश टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने जिरी लेहेका को 7-5, 6-7(5), 6-2 से हराकर HSBC चैंपियनशिप 2025 का खिताब अपने नाम किया। यह उनका दूसरा क्वींस क्लब खिताब है और इस सीजन का पांचवां खिताबी खिताब। कुल मिलाकर यह उनके करियर की 21वीं टूर-लेवल ट्रॉफी रही, जिसे उन्होंने रोमांचक और दमदार प्रदर्शन के दम पर जीता।

जीत के बाद अल्काराज ने कहा, "यह टूर्नामेंट मेरे लिए खास है। मैं एक बार फिर ट्रॉफी उठाकर खुश हूं। मैं बिना किसी उम्मीद के यहां आया था। बस अच्छा टेनिस खेलने की कोशिश रही। मैं भाग्यशाली था कि चैंपियन बना। यहां मेरे बहुत सारे दोस्त और परिवार हैं, जिन्होंने मुझे कोर्ट के अंदर और बाहर वास्तव में सहज महसूस कराया।"

फाइनल मुकाबले में अल्काराज ने पहले सेट में 7-5 की बढ़त बनाई। दूसरे सेट में टाई-ब्रेक में मामूली अंतर से हार गए, लेकिन तीसरे और निर्णायक सेट में जबरदस्त वापसी करते हुए 6-2 से सेट और मैच दोनों अपने नाम किया। लेहेका के लिए यह पहला ग्रास-कोर्ट फाइनल था, जबकि अल्काराज ने अपने ग्रास करियर का चौथा खिताब जीतकर अपनी महारत साबित की।

ग्रास कोर्ट पर इतिहास रचने वाले गिने-चुने खिलाड़ियों में शामिल

अल्काराज अब नोवाक जोकोविच, माटेओ बेरेटिनी, टेलर फ्रिट्ज और निकोलस माहुत के साथ उन एकमात्र सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने ग्रास कोर्ट पर चार या उससे अधिक खिताब जीते हैं। मियामी ओपन से बाहर होने के बाद से उन्होंने अद्भुत फॉर्म दिखाया है, जिसमें उनका रिकॉर्ड 27-1 का रहा। उन्होंने इस बीच मोंटे-कार्लो, रोम, रोलैंड गैरोस और अब लंदन जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट भी अपने नाम किए। इसके साथ ही उन्होंने पीआईएफ एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में जैनिक सिनर पर अपनी बढ़त को भी मजबूत कर लिया है।

लेहेका ने भी जीता दिल, बोले — "मैंने अपना सबकुछ दिया"

फाइनल गंवाने के बाद लेहेका ने कहा, "मेरे लिए अब शब्द ढूंढ़ने मुश्किल हैं। लेकिन, मैं बहुत खुश हूं कि मुझे आज खिताब के लिए लड़ने का मौका मिला। मैंने आज अपना सबकुछ दिया, दुर्भाग्य से यह पर्याप्त नहीं था। कार्लोस और उनकी टीम को शानदार काम करने के लिए बधाई।"

तेलंगाना ने संघर्ष क्षेत्रों से लौटने वाले नागरिकों को निरंतर सहायता की : सीएम

नई दिल्ली, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्देशों का पालन करते हुए, तेलंगाना सरकार मध्य पूर्व में चल रहे संकट की सक्रिय रूप से निगरानी कर रही है और प्रभावित क्षेत्रों से लौटने वाले अपने नागरिकों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है। एक समन्वित प्रयास में, नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन ने 6 तेलंगाना छात्रों (चार ईरान से और दो इज़राइल से) के सुरक्षित पारगमन की सुविधा प्रदान की, जो शनिवार आधी रात को पहुंचे। सभी 6 ने हैदराबाद के लिए अपनी आगे की उड़ानों की प्री-बुकिंग की थी और सोमवार को सुबह 5:30 बजे तेलंगाना भवन के कर्मचारियों ने उन्हें सुरक्षित रूप से विदा किया।

अधिकारियों ने दिल्ली में उनके प्रवास के दौरान उनकी सुविधा और कल्याण सुनिश्चित किया और उनकी उड़ानों में सवार होने तक उनकी सहायता की। इसके अलावा, अधिकारियों को सोमवार रात को 7 और तेलंगाना नागरिकों के नई दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। ये लोग इजराइल से अम्मान और जॉर्डन तक सफलतापूर्वक पहुंच गए हैं और जल्द ही भारत पहुंचने वाले हैं। हवाई अड्डे और तेलंगाना भवन में उनके स्वागत और सहायता के लिए व्यवस्था की जा रही है। इस बीच, इजराइल में फंसे तेलंगाना के कई अन्य निवासियों को इजराइली हवाई क्षेत्र के अस्थायी रूप से बंद होने के कारण देरी का सामना करना पड़ रहा है। इन व्यवधानों के बावजूद, तेलंगाना सरकार सभी प्रभावित नागरिकों की सहायता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और विदेश मंत्रालय, भारतीय दूतावासों और संबंधित अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि क्षेत्र से आने वाले प्रत्येक तेलंगाना निवासी को समय पर सहायता, उचित आवास और आगे की यात्रा सहायता मिले। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे आधिकारिक चैनलों के संपर्क में रहें और असत्यापित जानकारी पर भरोसा करने से बचें। तेलंगाना सरकार इस चुनौतीपूर्ण समय में अपने लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है और उनकी सुरक्षा और शीघ्र वापसी सुनिश्चित करने के अपने प्रयास जारी रखेगी।

गोल्ला, कुरुमा समुदायों ने तेलंगाना सरकार में कैबिनेट पद की मांग की

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शेफर्ड वेलफेयर एसोसिएशन के नेताओं ने सोमवार को कांग्रेस पार्टी के राज्य कार्यालय, गांधी भवन में भेड़ें भेजकर एक अनूठा विरोध प्रदर्शन किया।उन्होंने कांग्रेस पार्टी और राज्य सरकार के भीतर गोल्ला और कुरुमा समुदायों के लिए प्रतिनिधित्व की कमी के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि, ऐतिहासिक रूप से, यादव समुदाय को कैबिनेट में स्थान मिला था, लेकिन वर्तमान में, मौजूदा कांग्रेस सरकार में उनके समुदायों के लिए कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। एक नेता ने खेद व्यक्त करते हुए कहा, एक महत्वपूर्ण निराशा यह है कि गोल्ला और कुरुमा समुदायों को तेलंगाना राज्य के इतिहास में पहली बार कैबिनेट पद नहीं दिया गया है। इसके अलावा, हमारे समुदाय के सदस्यों को किसी भी निगम अध्यक्ष की भूमिका में नियुक्त नहीं किया गया है। इसके बाद, उन्होंने टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ से मुलाकात की और एक ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसमें पार्टी और सरकार के भीतर पदों के संबंध में उनके समुदाय के लिए उचित व्यवहार का अनुरोध किया गया। इस मुलाकात के दौरान टीपीसीसी प्रमुख ने आश्वासन दिया कि भविष्य में उन्हें न्याय मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भेड़-बकरियों से जुड़ी चिंताओं पर वे पशुपालन मंत्री वाकाटी श्रीहरि से चर्चा करेंगे और इन मुद्दों का त्वरित समाधान करेंगे।

नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नारकोटिक्स प्रवर्तन विंग (एच-न्यू) ने होली मैरी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, अलकापुर, गोलकोंडा, हैदराबाद में छात्रों को नारकोटिक्स पदार्थों के खतरों के बारे में शिक्षित करने और नशा मुक्त जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम के दौरान, एच-न्यू के पुलिस निरीक्षक एस. बाला स्वामी ने सभा को संबोधित किया और छात्रों को नशीली दवाओं के दुरूपयोग के हानिकारक प्रभावों और शैक्षणिक संस्थानों में इस तरह के प्रभावों से बचने के तरीके के बारे में बताया। निरीक्षक ने बताया कि नशीली दवाओं का दुरूपयोग सभी प्रकार के शैक्षणिक संस्थानों में होता है, अक्सर छात्रों को आकर्षित करने के लिए चॉकलेट और कैंडी के रूप में प्रच्छन्न किया जाता है, धीरे-धीरे उन्हें इसकी लत लग जाती है और अंततः उनका उज्ज्वल भविष्य बर्बाद हो जाता है।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नर्सिंग छात्रों के रूप में, उनके पास अपने अस्पतालों में आने वाले मरीजों को यह बताने की बड़ी जिम्मेदारी है कि नशीली दवाओं का दुरूपयोग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है, बौद्धिक क्षमता को कम करता है और यहां तक कि मौत का कारण भी बन सकता है।

होली मैरी नर्सिंग कॉलेज, अलकापुर, गोलकोंडा के डॉ. माजिद ने हैदराबाद नारकोटिक्स प्रवर्तन विंग (एच-न्यू) की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों को सूचित निर्णय लेने, नशीली दवाओं के दुरूपयोग के परिणामों को समझने और स्वस्थ जीवन शैली बनाने के लिए सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वे नशीली दवाओं के दुरूपयोग के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए अपने नर्सिंग छात्रों के साथ शिकायत करेंगे।

त्वरित कार्रवाई करने वाले कांस्टेबल सम्मानित

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर- सैफाबाद पुलिस स्टेशन की पेट्रोल कार-1 में तैनात कांस्टेबल बी. पुरुषोत्तम कुमार और वाई. विजय कुमार ने आज सुबह लकड़ीकापुल बस स्टॉप पर खोए हुए बैग के बारे में डायल 100 के माध्यम से प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई की। अलर्ट प्राप्त होने पर, सतर्क कांस्टेबलों ने तुरंत गहन जांच की और लापता बैग को सफलतापूर्वक बरामद किया। बैग में 8 तोला सोना, 15,000 नकद, एक मोबाइल फोन और अन्य निजी सामान सहित कीमती सामान थे। बरामद बैग को बाद में उसके असली मालिक को वापस कर दिया गया। उनके अनुकरणीय समर्पण और त्वरित कार्रवाई के सम्मान में सी.वी. आनंद, डीजी व पुलिस आयुक्त, हैदराबाद ने कांस्टेबल बी. पुरुषोत्तम कुमार और वाई. विजय कुमार को नकद पुरस्कार और प्रोत्साहन प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। डायल 100 कॉल पर उनकी त्वरित प्रतिक्रिया और खोए हुए बैग की सफलतापूर्वक बरामदगी की बहुत सराहना की गई। कार्यक्रम में सैफाबाद पी.एस. इंस्पेक्टर राघवेंद्र भी मौजूद थे।

मेडिकल कॉलेजों में लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए समितियां गठित

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सभी नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों और शिक्षण अस्पतालों में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए, राज्य सरकार ने अगले निरीक्षण से पहले सभी मुद्दों का समाधान सुनिश्चित करने के लिए मेडिकल कॉलेज निगरानी समितियों (एमसीएमसी) का गठन किया है। एमसीएमसी सभी लंबित मुद्दों को व्यवस्थित रूप से हल करने और तेलंगाना में मजबूत मेडिकल कॉलेज और शिक्षण अस्पताल स्थापित करने के लिए कॉलेज-वार योजनाओं का निरीक्षण, मूल्यांकन और तैयारी करेगी। कुल 10 एमसीएमसी स्थापित किए गए हैं जो बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन, शैक्षणिक और पाठ्यक्रम की तैयारी, छात्र कल्याण और सुविधाओं, परिचालन और वित्तीय पहलुओं, डिजिटल सिस्टम और आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए प्रत्येक कॉलेज का मूल्यांकन करेंगे। संबंधित जिला कलेक्टर, एमसीएमसी के हिस्से के रूप में, डीएलएससी के माध्यम से अनुबंध और आउटसोर्स नियुक्तियों की आवश्यकता , सेवा प्रदाताओं (आईएचएफएमएस, डाइट) के प्रदर्शन, आरोग्यश्री सेवाओं सहित रोगियों की संख्या, एफएमएस और ईएचएमआईएस का उपयोग, शवों के लिए समन्वय, शटल बस सेवाएं, एचडीएस फंड का उपयोग आदि की समीक्षा करेंगे।

स्थानीय निकाय चुनाव पर हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि आने वाले दिनों में ग्राम पंचायत चुनाव (स्थानीय निकाय चुनाव) होंगे या नहीं? उसने राज्य सरकार से पूछा कि उसने कहा था कि वह इस साल फरवरी में ही चुनाव कराएगी, लेकिन चुनाव क्यों नहीं कराए गए? स्थानीय निकाय चुनाव कराने के संबंध में नलगोंडा जिले के पूर्व सरपंचों द्वारा दायर छह याचिकाओं पर हाईकोर्ट ने आज सुनवाई की। तेलंगाना में सरपंचों का कार्यकाल 1 फरवरी, 2024 को समाप्त हो रहा था, जबकि एमपीटीसी सदस्यों का कार्यकाल 5 जुलाई, 2024 को समाप्त हो रहा था। याचिकाएं पहले तेलंगाना हाईकोर्ट में दायर की गई थीं, जिसमें आरोप लगाया गया था कि राज्य सरकार चुनाव कराने में देरी कर रही है, जबकि नियमों के अनुसार चुनाव छह महीने के भीतर होने चाहिए। इन मुद्दों पर हाईकोर्ट के समक्ष दलीलें दी गई हैं। ताजा सुनवाई फिर हुई और याचिकाकर्ताओं, राज्य सरकार और चुनाव आयोग की दलीलें पूरी होने के बाद हाईकोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनाव पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने हाईकोर्ट से चुनाव कराने के लिए 30 दिन और राज्य चुनाव आयोग ने 60 दिन की समयसीमा मांगी। सरकार ने आरक्षण और वार्ड विभाजन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए समयसीमा मांगी, लेकिन चुनाव आयोग ने हाईकोर्ट से कहा कि अगर राज्य सरकार को मंजूरी मिल जाती है तो उन्हें चुनाव कराने के लिए दो महीने का समय चाहिए। हालांकि याचिकाकर्ता के वकीलों ने कोर्ट का ध्यान इस ओर दिलाया कि फरवरी में चुनाव कराने की बात कहने वाली राज्य सरकार ने इस दिशा में कोई प्रयास नहीं किया। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने सरकार से सवाल किया कि उसने पिछली सुनवाई में चुनाव कराने के संबंध में जो कहा था, उसके मुताबिक उसने चुनाव क्यों नहीं कराए। हालांकि, यह मुहिम चल रही है कि सरकार स्थानीय निकाय चुनाव कराने में समय ले रही है।

पंचायत राज विभाग के अधिकारी चुनाव कराने की तैयारियां पूरी कर रहे हैं। राज्य के मंत्रियों द्वारा भी चुनावों पर टिप्पणी किए जाने से राजनीतिक दिलचस्पी बढ़ रही है। हालांकि जाति जनगणना और पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण का मुद्दा भी न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में है। इस संदर्भ में उच्च न्यायालय का सुरक्षित निर्णय अब सस्पेंस का विषय बन गया है। यदि उच्च न्यायालय राज्य सरकार और चुनाव आयोग की दलीलों पर गौर करता है तो ऐसा लगता है कि स्थानीय निकाय चुनाव अगस्त के बाद ही होंगे।

तेलंगाना पुलिस का वेरीफास्ट ऐप पासपोर्ट सत्यापन दक्षता में देश में सबसे आगे

खुफिया महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी नई दिल्ली में पुरस्कार ग्रहण करेंगे

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पुलिस पासपोर्ट सत्यापन के क्षेत्र में भारत के सभी राज्य पुलिस बलों में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरी है, जिसका श्रेय तेलंगाना के वेरीफास्ट एप्लिकेशन को जाता है। इस अभिनव डिजिटल समाधान ने पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया को नाटकीय रूप से सुव्यवस्थित किया है, जिससे गति, सटीकता, पारदर्शिता और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण सुनिश्चित हुआ है। नवीनतम राष्ट्रीय आँकड़ों के अनुसार, तेलंगाना पुलिस ने एक बार फिर पासपोर्ट सत्यापन में सबसे तेज़ औसत टर्नअराउंड समय (टीएटी) हासिल किया है, जो लगातार निर्धारित समय के भीतर और अक्सर 3 कार्य दिवसों से कम समय में सत्यापन पूरा करता है- एक ऐसा बेंचमार्क जो तेलंगाना को अधिकांश अन्य राज्यों से अलग करता है। मुख्य सफलता मीट्रिक में पूरे भारत में सबसे तेज़ औसत सत्यापन समय, गतिशील पुनर्निर्धारण क्षमता के कारण अधिकांश पुलिस स्टेशनों पर शून्य बैकलॉग, नागरिक प्रतिक्रिया और एसएमएस इंटरैक्शन डेटा के आधार पर 957 से अधिक आवेदक संतुष्टि दर है।

इसके साथ ही वास्तविक समय की निगरानी के साथ राज्य भर में प्रतिदिन औसतन 2,000 से अधिक पासपोर्ट सत्यापन संसाधित किए जाते हैं, जिनकी वार्षिक मात्रा 8 लाख से अधिक है। तेलंगाना पुलिस की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह राज्य के बड़े डिजिटल परिवर्तन एजेंडे को दर्शाता है और दिखाता है कि पुलिस आधुनिकीकरण किस तरह से सेवा वितरण और राष्ट्रीय सुरक्षा परिणामों में सीधे सुधार कर सकता है। तेलंगाना पुलिस पासपोर्ट सत्यापन में स्वर्ण मानक स्थापित करने पर गर्व करती है और इस क्षेत्र में निरंतर नवाचार की उम्मीद करती है। बी शिवधर रेड्डी, खुफिया महानिदेशक, तेलंगाना, 24 जून को नई दिल्ली में माननीय विदेश मंत्री से उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्राप्त करेंगे, जिसे हर साल पासपोर्ट सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

आरटीसी कर्मचारियों पर हमला करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी

टीजीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने चेतावनी दी

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने आज चेतावनी दी कि उनके कर्मचारियों पर हमला करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस विभाग के सहयोग से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ राउडी शीट खोली जाएगी।

वीसी सज्जनार ने सोमवार को बंडलागुडा डिपो के ड्राइवर विद्या सागर से मुलाकात की, जिस पर हमलावरों ने हमला किया था और उसका इलाज तारनाका आरटीसी अस्पताल में चल रहा था। उन्होंने उसकी स्वास्थ्य स्थिति और हमले के तरीके के बारे में पूछताछ की। घायल ड्राइवर को आश्वासन दिया गया कि टीजीएसआरटीसी उसकी पूरी मदद करेगा और उसे इस मामले में चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने याद किया कि मेहदीपट्टनम से एलबी नगर जाने के लिए रूट नंबर 300 पर बाइक गिरने से एक गर्भवती महिला की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा, जब सड़क के किनारे खड़ी एक कार का दरवाजा अचानक खुल गया, तो बाइक नियंत्रण खो बैठी और बस के पिछले टायरों के नीचे आ गई और यह दुर्घटना 19 जून को अट्टापुर पिलर नंबर 198 पर हुई। हालांकि इस सड़क दुर्घटना में चालक विद्या सागर की कोई गलती नहीं थी, लेकिन कुछ लोगों ने अंधाधुंध तरीके से उस पर हमला किया और उसे अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए बुरी तरह पीटा। आरटीसी कांस्टेबल भास्कर और मुफ्कार अली, जो अपनी ड्यूटी खत्म कर घर जा रहे थे, चालक को स्थानीय पुलिस स्टेशन ले गए। वहां से चालक को तरनाका के आरटीसी अस्पताल ले जाया गया क्योंकि वह पहले से ही गंभीर रूप से घायल था। सज्जनार ने कहा कि इस दुर्घटना में चालक की कोई गलती नहीं थी और उन्होंने कहा कि जनता के बीच अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे टीजीएसआरटीसी कर्मचारियों पर हमला होते देखना दुखद है। उन्होंने बताया कि आरटीसी अधिकारियों की शिकायत के आधार पर साइबराबाद कमिश्नरेट अट्टापुर पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ आईपीसी की धारा 121(1), 126(2), 115(2) 352, 351(2) के तहत मामला दर्ज किया है। सज्जनार ने चेतावनी दी कि प्रबंधन ऐसे हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा जो उसके कर्मचारियों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाते हैं और उन्हें मानसिक पीड़ा पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि वह आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा।

9,000 करोड़ रुपये की रैतु भरोसा राशि मात्र 9 दिनों में जमा की गई : भट्टी

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की कि तेलंगाना के इतिहास में पहली बार राज्य सरकार ने मात्र 9 दिनों की उल्लेखनीय अवधि में रैतु भरोसा योजना के लिए 9,000 करोड़ रुपये वितरित किए हैं। उन्होंने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि संपूर्ण रैतु भरोसा पहल 16 जून से 24 जून की छोटी समयावधि के भीतर पूरी हो गई, जिसने तेलंगाना राज्य के लिए एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया। गांधी भवन में एक बैठक के दौरान भट्टी विक्रमार्क ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली प्रजा सरकार विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों को सक्रिय रूप से क्रियान्वित कर रही है और अभूतपूर्व स्तर पर रायथु भरोसा को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण धनराशि आवंटित की है। उन्होंने बताया, जबकि पिछली सहायता 10,000 रुपये प्रति एकड़ थी, वर्तमान सरकार ने 2,000 रुपये और जोड़कर इसे 12,000 रुपये प्रति एकड़ कर दिया है। 1,49,39,111 एकड़ के लिए रैतु भरोसा दिया जा रहा है। पहले जहां लाभ केवल 5 से 10 एकड़ वाले किसानों तक सीमित था, वहीं वर्तमान योजना बिना किसी प्रतिबंध के सभी कृषि योग्य भूमि को कवर करती है। चूंकि यह पहल कांग्रेस पार्टी के दृष्टिकोण का अनुसरण करती है, इसलिए उपमुख्यमंत्री ने आग्रह किया कि केवल 9 दिनों में लगभग 1.5 करोड़ एकड़ के लिए लगभग 9,000 करोड़ रुपये वितरित करने के प्रयासों को मंडल-स्तरीय समितियों द्वारा व्यापक रूप से प्रचारित किया जाना चाहिए। उन्होंने तेलंगाना के सभी मंडल केंद्रों में भव्य समारोह आयोजित करने का भी आह्वान किया। बैठक में टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, एआईसीसी सचिव चल्ला वामसीचंद रेड्डी और अन्य कांग्रेस नेता भी शामिल हुए।

मंत्री कोमटिरेड्डी को गोलकोंडा बोनालू उत्सव के लिए आमंत्रित किया गया

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी को 26 जून को होने वाले गोलकोंडा बोनालू उत्सव में भाग लेने के लिए निमंत्रण मिला है। सोमवार को श्री जगदम्बा महाकाली मंदिर समिति के सदस्यों ने मंत्री के आवास परिसर में कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी से मुलाकात की। इस बैठक के दौरान, मंत्री ने गोलकोंडा बोनालू उत्सव के आयोजन में समिति के प्रयासों की सराहना की, जिसका उद्देश्य तेलंगाना की सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत को बड़े पैमाने पर मनाना और बनाए रखना है। उन्होंने देवी श्री जगदम्बा महांकाली का आशीर्वाद मांगते हुए सभी के लिए शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। मंत्री को आमंत्रित करने वालों में मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष के. चंतिबाबू, सदस्य प्रदीप कुमार, श्रीकांत, संतोष गौड़, यादगिरी और अन्य शामिल थे।

भेड़ों के साथ गांधी भवन पर प्रदर्शन

कैबिनेट में जगह और कल्याणकारी योजनाओं की मांग

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उस समय आश्चर्यचकित रह गए जब चरवाहा समुदाय के सदस्यों ने सोमवार सुबह गांधी भवन के अंदर भेड़ें छोड़ दीं और एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने गोल्ला, यादव और कुरुमा समुदायों के विधायकों के लिए कैबिनेट में स्थान देने के साथ-साथ सरकार द्वारा किए गए अन्य वादों को पूरा करने की मांग की। यादव हक्कुला पोराटा समिति के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने यादव, गोल्ला और कुरुमा समुदायों के विधायकों को राज्य मंत्रिमंडल में तत्काल शामिल करने की मांग की।

मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व के अलावा, समुदाय के नेताओं ने यादव निगम की स्थापना और भेड़ वितरण कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की भी मांग की, जिसे पिछली बीआरएस सरकार ने शुरू किया था। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने अपने चुनाव घोषणापत्र में यादवों और कुरुमाओं के बीच भेड़ पालन को बढ़ावा देने के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के माध्यम से 2 लाख रुपये देने का वादा किया था, जिसमें बिचौलिए शामिल नहीं थे। हालांकि, सत्ता में आने के 18 महीने बाद भी सरकार इस वादे को पूरा करने में विफल रही है।

यादव हक्कुला पोराटा समिति के अध्यक्ष मेकला रामुलु यादव ने कहा कि इन वादों को पूरा करने में देरी के कारण समुदाय में व्यापक आक्रोश है। उन्होंने कांग्रेस पर उनके कल्याण की उपेक्षा करने और अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। यह विरोध प्रदर्शन अलाइर विधायक बीरला इलैया की मांग के बीच हुआ है, जो गोल्ला कुरुमा समुदाय से आते हैं और उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की मांग कर रहे हैं। इलैया ने दावा किया है कि वह अपने समुदाय से एकमात्र विधायक हैं और उन्होंने पार्टी नेतृत्व से सामाजिक न्याय को बनाए रखने का आग्रह किया है।

गांधी भवन में स्थिति तनावपूर्ण हो गई क्योंकि परिसर में भेड़ें घूम रही थीं और प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए। यह समय महत्वपूर्ण था, क्योंकि एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन को पार्टी मुख्यालय में बैठकों में भाग लेने की उम्मीद थी। प्रदर्शनकारियों ने उन्हें ज्ञापन सौंपने का प्रयास किया, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोक दिया।

सर्वे भवन्तु सुखिन: मानव सेवा-माधव सेवा

AGARWAL SAMAJ (Regd.) TELANGANA

301, Raghav Ratna Towers, Chirag Ali Lane, Abids, Hyderabad - 500 001 (TS)

Email : agarwalsamajtelangana.gmail.com | Website : www.agarwalsamajtelangana.com

CHANGE IN THE PLACE / VENUE OF ELECTION

The election notification dated 11-06-2025 for the election of Office beares of Agarwal Samaj-Telangana for 2025-2027 stands corrected.

Due to logistic reasons beyond our control, the venue/place for casting of votes and counting of votes / elections of Office-Bearers of Agarwal Samaj – Telangana has been changed from Agarwal Siksha Samiti premises to Dreamland Gardens, 152, Rani Bagh, Anna Nagar, Secunderabad. Voting will be by secret ballot from 11.00 am to 03.00 pm on Sunday, 29-06-2025, followed by counting of votes at 05.00 pm on the same day

For AGARWAL SAMAJ, TELANGANA

Dr. Mohan Gupta
Election Officer

Mukund Lal Agarwal
Member, Election Committee

Mahender Gupta
Member, Election Committee

Date : 23-06-2025
Place : HYDERABAD

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.